महिला आरक्षण के मुद्दे पर मायावती... 12


# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अक्षय के छूटे पसीने... 11

वर्ष - 02, अंक - 19 | गाजियाबाद / गुरूवार 23 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

## लेंसकार्ट में तिलक विवाद

### एमपी-यूपी, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में प्रदर्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगा रहे और कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है। तेरो कक्का का भारत है क्या, हां! हमारे तो बाप का भारत है।' पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर

कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति दी गई थी। कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को एक्स पर पोस्ट कर बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दर्शाता। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है। देश में हमारे हजारों टीम मेंबर्स हैं, जो हर दिन अपने विश्वास और संस्कृति को गर्व के साथ अपनाते हैं। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए ग्रूमिंग गाइड के मुताबिक, महिला कर्मचारियों को स्टोर में बिंदी या क्लचर लगाने की अनुमति नहीं है। इसी डॉक्यूमेंट में बुर्का पहनकर स्टोर में काम करने की मनाही की गई है। अगर कोई कर्मचारी हिजाब या पगड़ी पहनता है, तो वह काले रंग का होना चाहिए।

## नीतिश कुमार ने बनाई जेडीयू की नई टीम

### राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेता, निशांत नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिश कुमार ने पार्टी की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें उनके बेटे निशांत कुमार को जगह फिलहाल नहीं मिली है। जेडीयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी में 24 नेताओं को रखा गया है। राज्यसभा सांसद संजय झा जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने रहेंगे। वहीं, पार्टी के वरीय नेता एवं जहानाबाद से पूर्व सांसद चंद्रेश्वर

प्रसाद चंद्रवंशी को पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष होंगे। वहीं, 12 नेताओं को जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। इसमें मनीष कुमार वर्मा, आफाक अहमद खान, श्याम रजक, अशोक चौधरी, रमेश सिंह कुशवाहा, राम सेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिशचंद्र पाटिल, राज सिंह मान, सुनील कुमार उर्फ इंजीनियर, हर्षवर्धन सिंह, मौलाना गुलाम रसूल और बलियावी का नाम शामिल है। राजीव रंजन सिंह जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता बने रहेंगे। वहीं, रविंद्र प्रसाद सिंह, विद्या सागर निषाद, दयानंद राय, संजय कुमार, मोहम्मद निसार, रूही तागुंग और निवेदिता कुमारी को राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया गया है।

# ईवीएम पर गोंद, परफ्यूम लगाने वालों को छोड़ेंगे नहीं

### वोटिंग से पहले चुनाव आयोग की बड़ी तैयारी, आज मतदान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि ईवीएम के बटन पर इत्र, गोंद या किसी भी तरह का पदार्थ लगाना छेड़छाड़ माना जाएगा और यह चुनावी अपराध है। हाल के दिनों में यह दावा सामने आया था कि कुछ राजनीतिक कार्यकर्ता यह पता लगाने के लिए ऐसा करते हैं कि वोट उनके पक्ष में पड़ा है या नहीं। मंगलवार को अधिकारियों ने कहा कि अगर किसी मतदान केंद्र पर ऐसी कोई हरकत सामने आती है, तो वहां के पीठासीन अधिकारी को तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को इसकी जानकारी देनी होगी। यह निर्देश तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले दिए गए हैं। चुनाव आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे मामलों में आयोग सख्त कार्रवाई करेगा और जरूरत पड़ने पर दोबारा मतदान (री-पोल) का आदेश भी दिया जा सकता है।

- **बंगाल-तमिलनाडु चुनाव से पहले चुनाव आयोग की चेतावनी**

### बटन पर कुछ भी लगाना सख्त मना

अधिकारियों ने सभी मतदान केंद्रों के पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि ईवीएम के सभी उम्मीदवारों के बटन साफ और स्पष्ट दिखाई दें। किसी भी बटन पर टेप, गोंद या अन्य कोई चीज नहीं लगी होनी चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि बैलेट यूनिट के बटन पर किसी भी तरह का रंग, स्याही, इत्र या रसायन नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि इससे वोट की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। अगर इस तरह की कोई गड़बड़ी पाई जाती है, तो पीठासीन अधिकारी तुरंत उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी देंगे। चुनाव आयोग के अनुसार, इस तरह के सभी मामले ईवीएम से छेड़छाड़ या हस्तक्षेप की श्रेणी में आएंगे, जो एक गंभीर चुनावी अपराध है। इस तरह के मामलों में चुनाव आयोग द्वारा कार्रवाई भी की जाएगी।

# पाकिस्तान तो फेल रहा भारत कर दिखाएगा

### राजनाथ सिंह ने दिए ईरान-यूएस के बीच मध्यस्थता के संकेत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान और अमेरिका के बीच 28 फरवरी से तनाव की स्थिति बनी हुई है। कई दिनों तक हुए हमलों के बाद दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन अभी तक शांति स्थापित नहीं हो सकी है। दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हुए हैं। पाकिस्तान ने इस मध्यस्थता की कोशिश की है, लेकिन वह अभी तक पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सका है। इस सबके बीच भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बर्लिन में एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कल ऐसा समय भी आ सकता है जब भारत अपनी भूमिका निभाए और इसमें सफलता भी हासिल करे। राजनाथ सिंह के इस बयान के बाद से भारत के द्वारा मध्यस्थता की अटकलें तेज हो गई हैं। ईरान और अमेरिका के रिश्तों पर राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ने कोशिश की है, लेकिन हर चीज का एक समय होता है। हो सकता है कि कल ऐसा समय आए जब भारत इसमें अपनी भूमिका निभाए और सफलता भी हासिल करे।

### स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर भी राजनाथ ने रखी बात

राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में व्यवधान कोई दूर की घटना नहीं बल्कि यह एक कड़वी सच्चाई है जिसका भारत की सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने जर्मनी की तीन दिवसीय यात्रा के पहले दिन रक्षा एवं सुरक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि आज दुनिया नए सुरक्षा खतरों का सामना कर रही है और तकनीकी परिवर्तन ने स्थिति को बेहद जटिल एवं परस्पर संबंधित बना दिया है। बदलते परिवेश के अनुकूल ढलने की तत्परता के साथ एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है। आपको बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की जर्मनी यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम एशिया में 50 दिनों से अधिक समय से संघर्ष जारी है और इसके वैश्विक परिणाम सामने आ रहे हैं।

# दंतेवाड़ा में आदिवासी बच्चों से मिले सचिन तेंदुलकर

### ● कहा- बस्तर में डायमंड बहुत, सही पॉलिश की जरूरत

जगदलपुर/दंतेवाड़ा (एजेंसी)। सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर हैं। वे प्राइवेट जेट से अपने परिवार के साथ जगदलपुर एयरपोर्ट पर उतरे। यहां से वे सीधे दंतेवाड़ा के छिंदनार पहुंचे, जहां सिहाड़ी बीज से बनी माला से उनका स्वागत हुआ। इस दौरान उन्होंने आदिवासी बच्चों से मुलाकात की। सचिन तेंदुलकर ने कहा कि, बस्तर में 50 स्कूल मैदानों को विकसित किया जाएगा, जहां बच्चों को बेहतर खेल सुविधाएं मिलेंगी। 'मैदान कप' प्रतियोगिता के जरिए हजारों बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच मिलेगा। इस पहल को मांदेशी और सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन का सहयोग मिल रहा है। करीब 5 हजार से ज्यादा बच्चों को इस अभियान से सीधा लाभ मिलेगा। कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स और वॉलीबॉल जैसे खेलों के जरिए बस्तर के युवाओं को नई पहचान देने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि बस्तर में डायमंड बहुत है बस सही तरीके से पॉलिश की जरुरत है। वहीं, कार्यक्रम के लिए स्कूली बच्चे सुबह 9 बजे से पहुंच गए थे।

### अच्छे इंसान बनो ताकि लोग आपको याद रखें: सचिन

कार्यक्रम में सचिन तेंदुलकर ने कहा कि हमें पता चला कि बस्तर में बच्चों के लिए ग्राउंड ही नहीं है। मेरी जिंदगी की शुरुआत मैदान से हुई थी। मैं बच्चों को देखता हूं जैसे मेरी जर्नी स्टार्ट हुई, हम मैदान में जाते हैं अच्छे कोच की जरूरत होती है। हमने सोचा था कि हम अपने कोच को यहां भेजेंगे ताकि वे 100 टीचर्स को ट्रेनिंग दें। यहां डायमंड बहुत हैं, बस सही तरीके से पॉलिश करना जरूरी है। यही उम्र है खेलने कूदने की। यही उम्र है दोस्त बनाने की।

# बंगाल की पहचान काबा नहीं मां काली से है

### योगी बोले-ममता दीदी को रामनाम से चिढ़ है

### ● कोलकाता के मेयर कहते हैं-यहां तो उर्दू चलेगी

**लखनऊ (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा- जब भारत आजाद हुआ तो तब पूरा देश रोजगार के लिए बंगाल आता था। उसके बाद पहले कांग्रेस ने लूटा, फिर कम्युनिस्टों ने नोचा, अब 15 साल से टीएमसी कंगाल कर रही है। सीएम ने कहा- बुआ-भतीजा मिलकर बंगाल के अस्तित्व को खत्म करना चाहते हैं। कोलकाता का मेयर कहता है यहां उर्दू चलेगी। मैं कहता हूं कोई माई का लाल बंगाली अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। बंगाल की पहचान काबा से नहीं मां काली बाड़ी से है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को

पश्चिम बंगाल की जोरासांको और चकदहा विधानसभा सीट पर चुनावी रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में एक बच्चा पोस्टर लेकर पहुंचा था जिस पर लिखा था- योगी जी बुलडोजर लाओ, हम तुम्हारे साथ हैं। सीएम योगी ने कहा- बंगाल में धड़ल्ले से गोहत्या होती है।

### बुलडोजर माफिया-गुंडों की हड्डियों का हाईवे बना देता

सीएम योगी ने कहा- यूपी में माफिया और गुंडा सिर उठाता है तो बुलडोजर उनकी हड्डी-पसली को हाईवे बनाने में उपयोग करता है। कांग्रेस और सपा के समय जो गुंडों ने सरकारी संपत्ति पर कब्जा किए उसमें गरीब की भूमि गरीब को दी। सरकार की जमीन सरकार के पास आई और उनकी खुद की कमाई से अर्जित जमीन पर गरीबों के लिए घर बन रहे हैं। काशी, प्रयागराज में पूरी दुनिया आ रही है। ये तभी होता है जब भाजपा की डबल इंजन की सरकार होती है। हमने अयोध्या-काशी को संवारा है और बंगाल में गुरुदेव रविंद्र की पैतृक संपत्ति पर टीएमसी का कब्जा है।

### रिजल्ट आते ही बंगाल फिर सोनार बांग्ला बनेगा

सीएम योगी ने कहा- यूपी में कब्जा नहीं होता। वहां गुंडा जानता है कि अगर कब्जा किया तो सरकार उनकी 7 पुश्तों की जमीन निकालकर गरीबों के लिए घर बनवा देगी। मैं जानता हूं 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो बंगाल सोनार बांग्ला बनके अपनी अस्मिता को पहचानेगा। उन्होंने कहा- हमें बंगाल की अस्मिता को बचाना। अभी जो कठमुल्लापन को बढ़ावा दिया जा रहा है, उसे हर हाल में रोकना होगा। इसके लिए भारत के लोकतंत्र ने जो ताकत दी है उसका इस्तेमाल कीजिए। सीएम योगी ने नादिया जिले की चकदहा सीट पर रैली की। वहां उन्होंन कहा- में बंगाल में आज उपद्रव का माहौल है। ममता दीदी दुर्गा पूजा नहीं होने देती। उत्सव से पहले कर्फ्यू लग जाता है। जिस बंगाल ने भारत को राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत दिया। रविंद्रनाथ ठाकुर की पैतृक संपत्ति पर टीएमसी के गुंडों ने कब्जा कर लिया। वहां ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी का फोटो लगा दिया। न बेटी सुरक्षित है, न बहन सुरक्षित है, न किसान-व्यापारी सुरक्षित है। इससे भी बुरा हाल 2017 से पहले यूपी का था। फिर यूपी की जनता ने भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनाने में योगदान दिया। उसके बाद यूपी में 9 साल से कोई दंगा नहीं हुआ। नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में है सब चंगा।

# 3 राज्यों में कितनी सीट पाएगी कांग्रेस, अमित शाह ने बताया!

### गृहमंत्री की बड़ी भविष्यवाणी, एक में तो जीरो का अनुमान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस को लेकर भी बड़ी भविष्यवाणी कर दी है। बंगाल की सत्ता पर काबिज होने का दावा करने वाली भाजपा के नेता ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बताना चाहती हूं कि कांग्रेस यहां खाता भी नहीं खोल पाएगी। दमदम में एक रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि मैं राहुल गांधी को बता दूं कि बंगाल में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल सकेगा। इसके अलावा उन्होंने दो और राज्यों तमिलनाडु और पुदुचेरी को लेकर भी कांग्रेस के बारे में भविष्यवाणी की।

अमित शाह ने कहा कि पुदुचेरी और तमिलनाडु में कांग्रेस का आंकड़ा दहाई तक नहीं पहुंचेगा यानी वह 10 या उससे ज्यादा सीटें नहीं हासिल कर सकेगी। बंगाल के दमदम में अमित शाह ने वोटरों से देश के नाम वोट करने करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप लोग अपना वोट घुसपैठिया मुक्त बंगाल के लिए करें। आप किसी विधायक या फिर भाजपा की सरकार बनाने के लिए मतदान ना करें बल्कि बंगाल को घुसपैठ से फ्री कराने के लिए वोट डालें। इस बीच पश्चिम बंगाल में पहले राउंड की वोटिंग की तैयारियां तेज हो गई हैं। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को मतदान स्थलों पर पहुंचाने की तैयारी चल रही है। इसके अलावा सुरक्षा के दस्ते भी लगातार मतदान स्थलों पर पहुंच रहे हैं। फिलहाल चुनाव में जुड़ा स्टाफ मतदान स्थलों पर पहुंचना शुरू है।

## पहलगाम हमले के एक साल, दुनिया भर से निंदा

### ● यूरोप के 27 देश और ईयू आए भारत के साथ, बोले-भूलेंगे नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते साल 22 अप्रैल को भीषण आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने चुन-चुन कर उन लोगों को मार डाला था, जो हिंदू थे। उनका धर्म और नाम पूछकर यह

कत्लेआम किया गया था। आज इस घटना को एक साल हो गए हैं और दुनिया भर में इसकी निंदा की जा रही है। इस बीच यूरोपियन यूनियन और उसके 27 सदस्य देशों ने आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। बुधवार को यूरोपियन यूनियन की ओर से एक पोस्ट किया गया। इसमें उसने लिखा, भारत में एक साल पहले निर्दोष लोगों को मार डाला गया था।

# ये है भारत की ताकत!

### पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गरजे जगुआर और सुखोई

**सुल्तानपुर।** उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर फिर भारतीय वायु सेना के विमान गरते। एयरफोर्स के फाइटर विमानों ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर विमान की टेकऑफ और लैंडिंग का अभ्यास किया। यह अभ्यास युद्ध या राष्ट्रीय आपातकाल जैसी परिस्थितियों में एक्सप्रेस वे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करने की क्षमता को परखने के लिए आयोजित किया गया। दोपहर बाद एयर शो की शुरुआत हुई। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। एयर शो को लेकर मंगलवार को ही देश की

सेना के जांबाज और फाइटर प्लेन सुल्तानपुर आए। वहीं, बुधवार को जगुआर, सुखोई, एमआई 17वी-5 और तेजस की गड़गड़ाहट से पूरा इलाका गूंज उठा। पड़ोसी मुल्क के पाकिस्तान के तो होश ही इस एयर शो से उड़ने तय हैं। दरअसल, पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान में अभी डीजल-पेट्रोल की बढ़ती कीमतों को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। लोगों को जरूरी कामों के लिए बाहर जाने में परेशानी हो रही है। ऑफिसों को वर्क फ्रॉम होम कराया गया है। पाकिस्तान सुपर लीग का आयोजन बिना दर्शकों के हो रहा है।

### एयरफोर्स के विमान आए नजर

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुल्तानपुर में बनी एयरस्ट्रिप पर सुखोई 30, जैगुआर, मिराज गरजते हुए टच डाउन किया। इसके साथ ही वायुसेना के एमआई 17 हैलीकॉप्टर, ट्रांसपोर्टर सी 295, एएन 32 भी देखने को मिले। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बने एयरस्ट्रिप की लंबाई करीब 3.2 किलोमीटर है। यहां एयरस्ट्रिप की सतह की मोटाई लगभग 320 मिलीमीटर है।

## जेल में आतंकी साजिश मामले में सात दोषियों को सात साल की सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआईए की विशेष अदालत ने 2023 में बेंगलुरु की एक जेल में आतंकी साजिश रचने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता एवं लश्कर-ए-तैयबा सदस्य टी. नसीर सहित सात लोगों को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। अदालत ने नसीर के साथ ही आरोपी सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है तथा उन पर 48,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। इससे पहले आरोपियों ने बेंगलुरु के परप्पन्ना अग्रहारा केंद्रीय कारागार के अंदर नसीर द्वारा रची गई लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़ी आतंकी साजिश के आरोपों को स्वीकार कर लिया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अपने बयान में कहा है कि इस साजिश के तहत देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के मकसद से उन युवाओं की पहचान की गई जो जेल में बंद थे। साजिश के तहत उन्हें भर्ती किया जाना, प्रशिक्षण देना, धर्मांतरण करना और कट्टरपंथी बनाना शामिल था।बेंगलुरु केंद्रीय अपराध शाखा ने जुलाई 2023 में अपराधियों से हथियार, गोला-बारूद और डिजिटल उपकरण जब्त किए जाने के बाद यह मामला दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी ने कहा कि अपराधियों ने प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बेंगलुरु शहर में आतंकी हमले करने की साजिश रची थी। नसीर उस समय 2008 के बेंगलुरु सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में विचाराधीन कैदी था।

## एलपीजी की कमी पर हाईकोर्ट सख्त, जनहित याचिका खारिज कर कहा यह कार्यपालिका का विषय

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्च न्यायालय ने राजधानी में एलपीजी की कथित कमी को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यह मुद्दा पूरी तरह कार्यपालिका के दायरे में आता है। उच्च न्यायालय इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि जब केन्द्र सरकार पहले से ही स्थिति से निपटने के लिए कदम उठा रही है। तब पीठ किसी प्रकार का आदेश जारी नहीं कर सकती। यह याचिका वकील राकेश कुमार मित्तल ने दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आवश्यक वस्तु होने के बावजूद दिल्ली में एलपीजी की भारी कमी है, जिससे लोगों को गैस सिलेंडर लेने में कठिनाई हो रही है। काला बाजारी में ऊंचे दाम चुकाने पड़ रहे हैं। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे सभी मुद्दे पूरी तरह कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। पीठ ने यह भी कहा कि सरकार पहले से ही आपूर्ति व उत्पादन से जुड़ी आपात स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक प्रावधान कर चुकी है।

## बिजली दरों में बढ़ोतरी का खतरा, उपभोक्ताओं को '440 वोल्ट झटका' : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में बिजली दरों को लेकर सियासत तेज हो गई है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया है कि रेखा गुप्ता सरकार बिजली कंपनियों के हजारों करोड़ रुपये के बकाया ऋण की वसूली उपभोक्ताओं से करने की तैयारी में है, जिससे लोगों को भारी आर्थिक झटका लग सकता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि बिजली अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा दिल्ली विद्युत नियामक आयोग की याचिका खारिज किए जाने के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। उन्होंने बताया कि करीब 38,500 करोड़ रुपये की बकाया राशि को चार वर्ष में वसूलने का दबाव है, जबकि आयोग ने इसके लिए सात वर्ष का समय मांगा था। इस स्थिति में सरकार की निष्क्रियता उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ा सकती है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि बिजली कंपनियों को दरें बढ़ाने की अनुमति मिलती है, तो बिजली बिलों में 70 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। इससे अप्रैल 2026 से ही घरेलू और व्यावसायिक उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार पड़ने की संभावना है। देवेन्द्र यादव ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में पीपीएसी और अन्य शुल्कों के माध्यम से पहले ही बिजली दरों में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो चुकी है, लेकिन सरकारें इस पर मौन रहीं। उनका कहना है कि बिजली कंपनियां लगातार मुनाफा कमा रही हैं, फिर भी उपभोक्ताओं को राहत नहीं दी जा रही। उन्होंने कहा कि बीएसईएस और टाटा पावर जैसी कंपनियों पर वर्षों से हजारों करोड़ रुपये की नियामक संपत्ति बकाया है, जिसे अब उपभोक्ताओं से वसूलने की बात कही जा रही है। इसे उपभोक्ताओं के साथ अन्याय बताते हुए उन्होंने सरकार से बिजली दरों में बढ़ोतरी पर रोक लगाने और सब्सिडी के माध्यम से राहत देने की मांग की देवेन्द्र यादव ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उपभोक्ताओं के हित में निर्णय नहीं लिया, तो दिल्लीवासियों को भारी-भरकम बिजली बिलों का सामना करना पड़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी सीधे सरकार पर होगी।

## अर्थ दिवस पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को मिली अंतरराष्ट्रीय भागीदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजधानी में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को आगे बढ़ाते हुए नेहरू पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें कई देशों के विदेशी प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। इस विशेष कार्यक्रम में विभिन्न देशों के दूतावासों और उच्चायोगों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें पोलैंड, श्रीलंका, मलेशिया, पुर्तगाल, सेशेल्स, फिलीपींस और गुयाना के प्रतिनिधियों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस पहल के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सहयोग को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम के दौरान कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाएं और उसकी देखभाल कर आने वाली पीढ़ियों को हरित भविष्य प्रदान करें। उन्होंने बताया कि परिषद द्वारा इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। हर सप्ताह और विशेष अवसरों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सके। चहल ने यह भी कहा कि एनडीएमसी ने राजधानी में स्थित विभिन्न दूतावासों और उच्चायोगों को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया है, जिससे भारत की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता वैश्विक स्तर पर और मजबूत हो सके। कार्यक्रम में शामिल विदेशी प्रतिनिधियों ने परिषद की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक होते हैं, बल्कि देशों के बीच आपसी संबंधों को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने इसे एक सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम बताया। इस अवसर पर एनडीएमसी के विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, स्कूलों के शिक्षक और अन्य प्रतिभागी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर वृक्षारोपण कर पृथ्वी दिवस को सार्थक बनाने का संकल्प लिया। अंत में कुलजीत सिंह चहल ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे, ताकि दिल्ली को और अधिक स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सके।

## महिला आरक्षण पर विपक्ष पर बरसे बिधूड़ी, राष्ट्रहित के मुद्दों पर भी घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने अपनी संकीर्ण राजनीति के चलते महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय किया है। उन्होंने कहा कि देश की महिलाएं इस व्यवहार का जवाब अवश्य देंगी। एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बिधूड़ी ने कहा कि विपक्ष ने अयोध्या में भगवान राम के मंदिर निर्माण, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई जैसे कई राष्ट्रहित के मुद्दों पर सरकार का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इन सभी मामलों में विपक्ष की राजनीति बेनकाब हुई है। बिधूड़ी ने महिला आरक्षण को लेकर भी विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अत्यंत आवश्यक है, लेकिन विपक्ष ने इसे भी बाधित करने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय तक यह विधेयक राजनीतिक मतभेदों के कारण अटका रहा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सीमित है और यदि 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होता है, तो महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। इससे निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की आवाज अधिक प्रभावी ढंग से सामने आएगी और समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा। सांसद ने यह भी कहा कि महिलाओं को समान अधिकार देना संविधान की मूल भावना है, लेकिन विपक्षी दलों ने इस दिशा में सकारात्मक सहयोग नहीं किया।

# दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने पीतमपुरा में 'वॉटर एटीएम' का किया उद्घाटन, कहा- फ्री में मिलेगा शुद्ध पानी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के पीतमपुरा स्थित एयू ब्लॉक के एकता कैंप में बुधवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 'वॉटर एटीएम' का उद्घाटन किया। यह सुविधा इंडियन ऑयल की सीएसआर पहल के तहत शुरू की गई है, जिसका मकसद स्थानीय लोगों को साफ, सुरक्षित और सस्ता पीने का पानी उपलब्ध कराना है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समय पूरा देश भीषण गर्मी (हीटवेव) से गुजर रहा है। तापमान लगातार बढ़ रहा है और कई इलाकों में पानी की किल्लत लोगों की बड़ी परेशानी बनी हुई है। खासकर झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों को साफपानी की भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसी को देखते हुए दिल्ली में यह नया 'वॉटर एटीएम' मॉडल शुरू किया गया है, जो एक तरह का बड़ा आरओ प्लांट है।

उन्होंने बताया कि इस सिस्टम की क्षमता हर घंटे लगभग 2000 लीटर पानी को शुद्ध करने की है। इसके लिए लोगों को एक कार्ड दिया जाएगा, जिसे वॉटर एटीएम में इस्तेमाल करके वे रोजाना करीब 20 लीटर तक साफऔर मीठा पानी ले सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पानी पूरी तरह शुद्ध है और किसी भी बड़े आरओ सिस्टम से बेहतर तरीके से काम करता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसके लिए लोगों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में ऐसे लाखों लोग हैं जो लंबे समय से पानी की समस्या से जूझ रहे थे। कई जगह पाइपलाइन नहीं है या फिर पर्याप्त सप्लाई नहीं पहुंचती। ऐसे इलाकों में यह मॉडल काफी मददगार साबित होगा। अभी तक इंडियन ऑयल के सहयोग से आठ जगहों पर ऐसे वॉटर एटीएम लगाए जा चुके हैं और आगे इस योजना को और विस्तार दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि हर उस इलाके तक साफऔर पीने योग्य पानी पहुंचे, जहां अभी इसकी कमी है। इसके लिए सरकार तेजी से काम कर रही है और आगे भी कई नए प्रोजेक्ट लाए जाएंगे।

इसी मौके पर मुख्यमंत्री ने इलाके के विकास से जुड़ी कुछ और योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि इस बस्ती में लगभग 40 लाख रुपये की लागत से विकास कार्य किए जाएंगे। इसमें आंतरिक गलियों का निर्माण, नालियों और पाथवे का सुधार शामिल है। साथ ही हैंडपंप की

मरम्मत का काम पूरा किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर हो सके। इसके अलावा बच्चों के लिए एक शिशु वाटिका (पार्क) विकसित करने की योजना भी है, जिससे स्थानीय बच्चों को खेलने और सीखने के लिए बेहतर जगह मिल सके।

## धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात पर घिरे पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, प्रशांत भूषण ने उठाए सवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात के बाद विवाद खड़ा हो गया है। परिवार के साथ हुई इस मुलाकात की तस्वीर सामने आने के बाद विभिन्न वर्गों में आलोचना तेज हो गई है।

इस मुद्दे पर वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सामाजिक माध्यम पर तस्वीर साझा करते हुए कहा कि यह दृश्य देखकर उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा है। भूषण ने सवाल उठाया कि एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश द्वारा इस प्रकार की मुलाकात न्यायपालिका की गरिमा के संदर्भ में क्या संदेश देती है।

तस्वीर सार्वजनिक होने के बाद इस मुलाकात को लेकर बहस तेज हो गई है। आलोचकों का कहना है कि

संवैधानिक पद पर रहे व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है कि वह सार्वजनिक जीवन में संतुलन और मर्यादा बनाए रखें। वहीं, कुछ लोग इसे निजी आस्था का विषय बताते हुए इसे व्यक्तिगत निर्णय मान रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री पिछले कुछ समय से अपने बयानों और गतिविधियों को लेकर चर्चा में रहे हैं। वह मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के गढ़ा गांव स्थित बागेश्वर धाम से जुड़े हुए हैं और स्वयं को हनुमान भक्त बताते हैं। उनके दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, जहां उनके समाधान का दावा किया जाता है।

दूसरी ओर, प्रशांत भूषण देश के प्रमुख अधिवक्ताओं में गिने जाते हैं और जनहित से जुड़े मामलों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार, मानवाधिकार और न्यायिक सुधार जैसे मुद्दों पर लगातार आवाज उठाई है।

फिलहाल इस पूरे घटनाक्रम पर संबंधित पक्षों की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन यह मामला न्यायपालिका की छवि और सार्वजनिक जीवन में आचरण के मानकों को लेकर नई बहस को जन्म दे रहा है।

## मुख्यमंत्री ने मुनक नहर और छठ घाट का किया निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को शालीमार बाग के सीए ब्लॉक क्षेत्र में मुनक नहर की सफाई कार्य एवं निर्माणाधीन छठ घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली और मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नहर की सफाई और छठ घाट के निर्माण कार्य को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाए ताकि छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का समय पर और व्यवस्थित निर्माण सरकार की प्राथमिकता है, जिससे नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण मिल सके। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि दिल्ली सरकार चौबीसों घंटे और सातों दिन धरातल पर सक्रिय रहकर स्वच्छ, हरित और सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त एक सशक्त और विकसित दिल्ली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना, पारदर्शिता सुनिश्चित करना और नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# दिल्ली में 'मुख्यमंत्री पुरस्कार' की शुरुआत, 35 अधिकारियों को सम्मान

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सिविल सेवा दिवस के अवसर पर दिल्ली में प्रशासनिक सुधार और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की गई। पहली बार आयोजित 'मुख्यमंत्री उत्कृष्टता एवं नवाचार पुरस्कार 2026' के तहत विभिन्न विभागों के 35 अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चयनित अधिकारियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यह आयोजन प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य शासन व्यवस्था में पारदर्शिता, नवाचार और बेहतर सेवा वितरण को प्रोत्साहित करना है। दिल्ली सरकार ने घोषणा की कि यह पुरस्कार अब हर वर्ष सिविल सेवा दिवस पर दिए जाएंगे।

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने अपने संबोधन में कहा कि सिविल सेवा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनता के विश्वास को बनाए रखने का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि सुशासन की असली कसौटी यही है कि सरकारी सेवाएं कितनी पारदर्शिता, संवेदनशीलता और समयबद्ध तरीके से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सिविल सेवा राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों की भूमिका को शासन व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने यह भी बताया कि यह पहल प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए उत्कृष्टता पुरस्कार से प्रेरित है, जिसका उद्देश्य बेहतर कार्य संस्कृति और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है।

पुरस्कार विजेताओं का चयन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति द्वारा किया गया।

चयन प्रक्रिया में नवाचार, आपातकालीन प्रबंधन और डिजिटल प्रशासन जैसे मानकों को प्रमुखता दी गई। समिति ने विभिन्न श्रेणियों में नामों की सिफारिश की, जिसके बाद अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री द्वारा लिया गया।

इस वर्ष पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किए गए। इनमें विभिन्न विभागों के समूह 'क', 'ख' और 'ग' के कर्मचारी, तकनीकी क्षेत्र के अधिकारी तथा स्वायत्त एवं स्थानीय निकायों के कर्मचारी शामिल रहे। सम्मानित अधिकारियों में शिक्षा, राजस्व, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, नगर निगम, नई दिल्ली नगर परिषद, जल बोर्ड और मेट्रो सहित कई विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस पहल को प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो भविष्य में सरकारी तंत्र को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाने में सहायक साबित हो सकता है।

## केजरीवाल मामले से हटे हाईकोर्ट के जज, सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी के अन्य नेताओं से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई बुधवार को टल गई। न्यायमूर्ति तेजस कारिया ने इस मामले की सुनवाई से स्वयं को अलग कर लिया, जिसके चलते इसे अब किसी अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा।

दरअसल, यह मामला न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत में हुए घटनाक्रम से जुड़ा है। अदालत में दायर जनहित याचिका में अरविंद केजरीवाल, आम आदमी पार्टी के कई प्रमुख नेताओं और वरिष्ठ पत्रकार रवीश कुमार के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई है। आरोप है कि इन लोगों ने न्यायालय की कार्यवाही का अवैध रूप से वीडियो रिकॉर्ड कर उसे सामाजिक माध्यमों पर साझा किया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ के समक्ष यह मामला सूचीबद्ध था। हालांकि, सुनवाई के दौरान न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह प्रकरण किसी अन्य पीठ के सामने रखा जाए, क्योंकि न्यायमूर्ति कारिया इसमें शामिल नहीं रहेंगे। अदालत ने निर्देश दिया कि मामले को अगले दिन नई पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। न्यायमूर्ति कारिया के इस निर्णय के पीछे का कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। याचिका अधिवक्ता वैभव सिंह द्वारा दायर की गई है, जिसमें अदालत की अवमानना की कार्रवाई के साथ-साथ संबंधित वीडियो को हटाने की मांग भी की गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि यह कृत्य सुनियोजित तरीके से किया गया, ताकि न्यायपालिका की छवि को नुकसान पहुंचाया जा सके। प्रकरण की पृष्ठभूमि में अरविंद केजरीवाल द्वारा न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से स्वयं को अलग करने की मांग भी शामिल है। 13 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने स्वयं अदालत में पक्ष रखते हुए न्याय प्रक्रिया पर आशंका जताई थी। इसके बाद आम आदमी पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा उस कार्यवाही के वीडियो साझा किए गए थे। याचिका में जिन लोगों के खिलाफ शिकायत की गई है, उनमें अरविंद केजरीवाल के अलावा संजय सिंह, मनीष सिसोदिया, संजीव झा और अन्य नेता शामिल हैं। साथ ही कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का भी नाम लिया गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि इन सभी ने मिलकर एक रणनीति के तहत अदालत की कार्यवाही को रिकॉर्ड किया और उसे प्रसारित किया। इसमें विशेष जांच दल के गठन की भी मांग की गई है, ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नई पीठ इस मामले में आगे क्या रुख अपनाती है और क्या इस पर कोई सख्त कार्रवाई होती है।

## पालम-निलोठी में विकास को रफ्तार, मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को पालम और निलोठी क्षेत्रों में जल निकासी, सड़क संपर्क और जल-सीवर से जुड़ी कई अहम परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं से हजारों स्थानीय निवासियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है। इन कार्यों के तहत पालम लिंक ड्रेन के तटबंधों को मजबूत किया जाएगा, जिससे मानसून के दौरान जलभराव और बाढ़ की समस्या में कमी आएगी। साथ ही पालम क्षेत्र में चार आरसीसी बॉक्स कलवर्ट पुलों का निर्माण किया गया है, जिससे स्थानीय आवागमन सुगम होगा और यातायात का दबाव कम होगा। निलोठी क्षेत्र में भी कनेक्टिविटी सुधार के लिए एक नए डबल लेन पुल का निर्माण और नजफगढ़ ड्रेन के साथ सड़क का पुनर्निर्माण किया गया है। इससे आसपास की कॉलोनियों के निवासियों को बेहतर और सुरक्षित यात्रा सुविधा मिलेगी। इसके अलावा दिल्ली जल बोर्ड की ओर से लगभग आठ करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजना भी शुरू की गई है। इसके तहत महावीर एन्क्लेव, रामफल चौक, मधु विहार और साध नगर जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में नई पानी और सीवर लाइनों का विस्तार किया जाएगा। इससे लंबे समय से चली आ रही जल आपूर्ति और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं का समाधान होने की उम्मीद है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इस अवसर पर कहा कि विकास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि लोगों की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान से होता है। उन्होंने कहा कि जलभराव, ट्रैफिक और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी चुनौतियों को दूर करना सरकार की प्राथमिकता है।

## कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के साथ विश्वासघात किया: खंडेलवाल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** विधायिका में महिलाओं के आरक्षण से जुड़े 131वें संविधान संशोधन के लोकसभा में पूर्ण बहुमत से पारित नहीं होने को चाँदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में काला अध्याय बताया है और कहा है कि इस संशोधन विधेयक को गिराकर कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के साथ घोर विश्वासघात किया गया है।

श्री खंडेलवाल ने बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक संशोधन विधेयक की हार नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और भविष्य के साथ किया गया घोर विश्वासघात है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी सहित पूरे विपक्ष ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत इस संशोधन विधेयक को गिराने का शर्मनाक कार्य किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि श्री गांधी ने व्यक्तिगत और राजनीतिक स्वार्थों के चलते न केवल इस संशोधन विधेयक का विरोध किया, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बनकर खड़े हो गए। यह आचरण उनके नेतृत्व की विफलता, दूरदृष्टि के अभाव और महिला सम्मान के प्रति असंवेदनशीलता को उजागर करता है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद ने कहा कि जिस प्रकार श्री गांधी ने सदन के भीतर मेज ठोक कर इस संशोधन विधेयक के गिराने का ऐलान किया और इसके खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया और उसके बाद विपक्षी दलों द्वारा विधेयक के गिरने का जश्न मनाया गया, वह अत्यंत निंदनीय, दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र के मूल्यों का खुला उपहास है। यह स्पष्ट संकेत है कि श्री गांधी और उनके सहयोगी दल महिलाओं को अधिकार देने के बजाय उन्हें राजनीतिक लाभ-हानि के तराजू पर तौलते हैं।

श्री खंडेलवाल ने कहा कि जिस लोकसभा में श्री गांधी ने इस संशोधन विधेयक को गिरवाने का दुस्साहस किया है। वहीं, सदन भविष्य में इस ऐतिहासिक अन्याय को सुधारेगा और महिलाओं को उनका अधिकार देकर नया इतिहास रचेगा। उन्होंने कहा कि यदि यह संशोधन विधेयक पारित होता, तो कांग्रेस के भीतर प्रियंका गांधी एक सशक्त और प्रभावशाली नेतृत्व के रूप में उभर सकती थीं और संभवतः इसी राजनीतिक आशंका ने श्री गांधी को इस संशोधन विधेयक के विरोध के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए की गई इस ऐतिहासिक पहल को विफल करना ÷महापाप÷ से कम नहीं है। श्री गांधी और विपक्ष ने अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के चलते देश की महिलाओं के सपनों को कुचलने का काम किया है, जिसे देश कभी नहीं भूलेगा।

श्री खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास महिलाओं को केवल एक ÷वोट बैंक÷ के रूप में देखने का रहा है। दशकों तक इस महत्वपूर्ण मुद्दे को टालना और जब इसे लागू करने का समय आया, तब उसका विरोध करना,यह उनकी दोहरी नीति, अवसरवादी राजनीति और महिला विरोधी मानसिकता का स्पष्ट प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि शासन में महिला आरक्षण केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान अवसर और राष्ट्र के समग्र विकास का आधार है। इसे रोकना देश की प्रगति को रोकने जैसा है।

उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अभी

समाप्त नहीं हुआ है। देश की महिलाएं और जागरूक नागरिक इस विश्वासघात का लोकतांत्रिक जवाब देंगे और उन सभी को जवाबदेह ठहराएंगे जिन्होंने उनके अधिकारों को कुचला है।

इस दौरान चांदनी चौक भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री अरविंद गर्ग और केशवपुरम भाजपा के जिलाध्यक्ष अजय खटाना भी उपस्थित थे।

# हीट वेव को लेकर प्रशासन अलर्ट, दोपहर में सावधानी बरतने की अपील

**मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** जिले में लगातार बढ़ते तापमान और लू के प्रभाव को देखते हुए प्रशासन ने आमजन से सतर्क रहने की अपील की है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गजेंद्र कुमार द्वारा जारी एडवाइजरी में लोगों से सहयोग और जागरूकता के साथ इस भीषण गर्मी का सामना करने को कहा गया है।

एडवाइजरी के अनुसार दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच धूप सबसे अधिक तेज रहती है। ऐसे में इस समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। यदि किसी जरूरी कार्य से बाहर जाना पड़े तो पूरी सावधानी बरतने को कहा गया है।

प्रशासन ने पर्याप्त मात्रा में पानी पीने पर विशेष जोर दिया है, भले ही प्यास न लगे। इसके साथ ही लस्सी, छाछ, नींबू पानी और चावल का माड़ जैसे घरेलू पेय पदार्थों के सेवन की सलाह दी गई है, ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

बाहर निकलते समय हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने, सिर को ढककर रखने तथा छाता, टोपी या गमछे का उपयोग करने की सलाह दी गई है। साथ ही शरीर के खुले हिस्सों को ढकने और समय-समय पर ठंडक बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है।

एडवाइजरी में यह भी कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति को कमजोरी, चक्कर, सिरदर्द, उल्टी या अत्यधिक पसीना जैसे लक्षण महसूस हों, तो उसे तुरंत आराम दिया जाए और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह ली जाए।

प्रशासन ने बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और अस्वस्थ व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखने को कहा है। साथ ही बच्चों और जानवरों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ने की हिदायत दी गई है।

घर को ठंडा रखने के लिए दिन में पर्दे और खिड़कियां बंद रखने तथा शाम और रात के समय वेंटिलेशन बनाए रखने की सलाह दी गई है। कार्यस्थलों पर श्रमिकों के लिए पानी और विश्राम की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

अपर जिलाधिकारी गजेंद्र कुमार ने कहा कि थोड़ी सी सावधानी और जागरूकता से लू के प्रभाव से बचा जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इन सुझावों का पालन करें और दूसरों को भी जागरूक करें, ताकि सभी सुरक्षित रह सकें।

## जनगणना 2027 के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर शुरू, 116 कर्मियों ने सीखे गुर

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** आगामी जनगणना 2027 को सुव्यवस्थित और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में बुधवार को आरजेपी आर्य इंटर कॉलेज में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एडीएम (वित्त एवं राजस्व) वान्या सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण के प्रथम दिन 116 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर एडीएम वान्या सिंह ने कहा कि जनगणना किसी भी राष्ट्र की विकास योजनाओं की आधारशिला होती है, इसलिए इसमें जुटे सभी कर्मियों को पूर्ण गंभीरता, निष्ठा और सटीकता के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि एकत्रित किया गया आंकड़ा ही भविष्य की नीतियों और योजनाओं की दिशा तय करता है। शिविर के पहले चरण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रतिभागियों को मकान सूचीकरण और जनगणना प्रक्रिया की बारीकियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी और व्यावहारिक पहलुओं पर विशेष जोर दिया गया, ताकि कर्मी फील्ड में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करें। प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर मनोज यादव, शहजाद अहमद, तेजपाल वर्मा, आयुष बघेल, जगदीप शर्मा और राजेंद्र सोलंकी ने प्रगणकों को विभिन्न प्रक्रियाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन नगर पालिका परिषद बिजनौर के अधिशासी अधिकारी विकास कुमार द्वारा किया गया। शिविर को सफल बनाने में पालिका प्रशासन की ओर से कर अधीक्षक नरेंद्र पाल सिंह यादव, सफाई निरीक्षक गोविंद चौधरी, अवर अभियंता (जलकल) गौरव शर्मा तथा गणना लिपिक नदीम अहमद का विशेष सहयोग रहा। तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण शिविर में सभी चयनित कर्मियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि जनगणना कार्य को पूरी सटीकता और पारदर्शिता के साथ संपन्न कराया जा सके।

## धामपुर में स्मार्ट मीटरों को लेकर उबाल, ग्रामीणों का जोरदार प्रदर्शन

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जिले में स्मार्ट बिजली मीटर लगाए जाने का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। धामपुर क्षेत्र के गांव सुहागपुर में इस मुद्दे को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिला। पिछले तीन महीनों से उपभोक्ताओं द्वारा लगातार अधिक बिजली बिल आने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे लोगों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें महीने में कई-कई बार बिजली बिल जमा करना पड़ रहा है, जिससे घर का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। हजारों रुपये के बिल आने से उनके सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी चुनौती बन गया है। लोगों ने बताया कि अब उनके सामने यह स्थिति खड़ी हो गई है कि वे बिजली का बिल भरें या बच्चों की पढ़ाई और खान-पान का खर्च उठाएं। समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने कई बार संबंधित विद्युत विभाग से शिकायत की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर शुक्रवार को महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने एकजुट होकर सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शन के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर विद्युत विभाग के कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपते हुए समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की। साथ ही उन्होंने स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर पुनः लगाए जाने की मांग भी उठाई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन को और उग्र करने के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान कमला देवी, मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद वाजिद, नरगिस, नाहिद, रुस्तम, विमलेश, शाहनवाज, मुन्नी, रेहान, मोहम्मद जावेद, अनीता, कौशल, पूजा, ममता, जमशीदा, फरीदा, हसीना सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

## वीडियो वायरल करने पर महिला से मारपीट, मंदिर परिसर में विवाद

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** सीकरी खुर्द स्थित प्राचीन महामाया देवी मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करना एक महिला को भारी पड़ गया। मंगलवार शाम मंदिर में पूजा करने पहुंची महिला के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर दी, जिसमें वह घायल हो गई।

तिबड़ा रोड स्थित बात कॉलोनी निवासी पंकज कंसल की पत्नी सपना अग्रवाल रोजाना की तरह मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाती हैं। सपना के अनुसार दो दिन पहले जब वह मंदिर गई थीं, तब वहां कुछ लोग बैठकर सिगरेट पी रहे थे और परिसर में गंदगी फैली हुई थी। उन्होंने इस स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। आरोप है कि मंगलवार शाम जब सपना दोबारा मंदिर पहुंचीं, तभी कुछ महिला और पुरुषों ने उन्हें घेर लिया। पहले उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और फिर मारपीट शुरू कर दी गई। इसी दौरान किसी ने उन पर नुकीली वस्तु से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गईं। घटना के बाद बुधवार को सपना अग्रवाल एसीपी कार्यालय पहुंचीं और मामले की शिकायत दी। पुलिस का कहना है कि पूरे प्रकरण की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## मोदीनगर : 10 बीघा गन्ने की फसल में भीषण आग, लाखों का नुकसान

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** मोदीनगर निवाड़ी मार्ग पर डीजे डेंटल कॉलेज के सामने स्थित एक खेत में खड़ी करीब 10 बीघा गन्ने की फसल में बुधवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

बताया गया कि बेगमाबाद निवासी कृष्ण पाल सिंह और कुसुम पाल सहित अन्य लोगों की इस भूमि पर गन्ने की फसल खड़ी थी। दोपहर के समय अचानक खेत में आग लग गई, जो तेज हवा के कारण तेजी से फैलती चली गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि पास स्थित डीजे डेंटल कॉलेज के विद्यार्थियों में भी दहशत का माहौल बन गया और परिसर में अफरा-तफरी मच गई।सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक पूरी गन्ने की फसल जलकर राख हो चुकी थी, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। इस मामले में कृष्ण पाल सिंह की ओर से निवाड़ी थाने में तहरीर दी गई है। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

# खड़गे के बयान पर बवाल: विश्व हिन्दू रक्षा परिषद का विरोध, माफी की मांग

**लखनऊ (शिखर समाचार)।** मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए विवादित बयान पर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। इसी क्रम में विश्व हिन्दू रक्षा परिषद ने गोमती नगर स्थित अपने कार्यालय पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

संगठन के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि खड़गे का बयान न केवल प्रधानमंत्री का अपमान है, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों की भावनाओं को भी आहत करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह की भाषा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और यह लोकतांत्रिक मयार्दाओं के खिलाफ है।

गोपाल राय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी लगातार अपने राजनीतिक स्तर को गिरा रही है और इस प्रकार की बयानबाजी से लोकतंत्र की साख कमजोर हो रही है। उन्होंने मांग की कि मल्लिकार्जुन खड़गे अपने बयान के लिए प्रधानमंत्री और देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द माफी नहीं मांगी गई तो संगठन देशभर में उग्र आंदोलन शुरू करेगा।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखा गया। उन्होंने खड़गे के पोस्टर फाड़कर विरोध जताया और खड़गे माफी मांगो जैसे नारे लगाए। पूरे क्षेत्र में विरोध का माहौल बना रहा।

गोपाल राय ने यह भी कहा कि कांग्रेस बार-बार जनता की भावनाओं को नजरअंदाज करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि नारी वंदन अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी पार्टी का रुख जनता की अपेक्षाओं के विपरीत रहा है, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ा है।

इस अवसर पर बॉबी गुप्ता, राजेश सोनी, संग्राम सिंह, मानसी गुप्ता, ओम शंकर गुप्ता, कार्तिक माथुर, ममता चौधरी, अनिल यादव, निर्भय सिंह, शुभम मौर्या और मुकेश तिवारी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## गाजियाबाद को अपराध मुक्त बनाने के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ की बैठक

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद को अपराध मुक्त बनाने में पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ जुटे हुए है। पुलिसिंग, अभियान, पोर्टल व अन्य बिंदुओं पर पुलिस आयुक्त ने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने गाजियाबाद में संचालित सभी अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। महिला संबंधित अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए उस पर अंकुश लगाने की आदेश दिए। महिलाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाते हुए उन्हें जागरूक करने के आदेश दिए। इस दौरान उन्होंने मिशन शक्ति अभियान की प्रगति भी चेक की। उन्होंने आदेशित किया कि थानों व पुलिस कार्यालय पर आने वाली महिला फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए उसका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, जिससे महिला फरियादी को बार-बार थाने के चक्कर नहीं लगाने पड़े। इसके अलावा यक्ष एप्प पर मजबूती से कार्य

करने के लिए आदेश दिए, जिससे अपराधियों की पहचान करते हुए उनकी मॉनिटरिंग की जा सके। ऑपरेशन प्रहार के तहत लगातार कार्यवाही की जाए, जिससे मादक पदार्थ की तस्करी और बिक्री पर पूर्णतः रोक लग सकें। सीसीएमएस पोर्टल पर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा करते हुए मजबूती से कार्य करने के आदेश दिए। थानों पर मौजूद मालों का कोर्ट से आदेश आने के बाद गुणवत्ता के साथ निस्तारण करें। बीट प्रणाली पर मजबूती से कार्य किया जाए, जिससे लोग पुलिस पर विश्वास जताते हुए हमारा सहयोग करें।

## बीएसएम स्कूल में पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

**शामली। (शिखर समाचार)** शहर के बीएसएम स्कूल में पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों को पृथ्वी के संरक्षण के महत्व और प्रकृति के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, प्रबंधक छाया सिंह, अध्यक्ष सूर्यवीर सिंह और उप-प्रधानाचार्या आशु पंडित द्वारा तुलसी का पौधा रोपित कर किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इसके बाद नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बना दिया और सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने पृथ्वी संरक्षण से जुड़ी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें कुछ बच्चों ने पृथ्वी के सुंदर चित्र बनाकर उनका प्रभावशाली वर्णन किया और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ प्रेरित भी किया। विद्यालय के अध्यक्ष विजय वर्मा ने विद्यार्थियों को पृथ्वी दिवस के उद्देश्य, इसकी शुरूआत और इसे सार्थक रूप से मनाने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव अपनाकर पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। अंत में प्रधानाचार्य राहुल चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि पृथ्वी हमारी मां के समान है और इसकी रक्षा करना हम सभी का प्रथम कर्तव्य है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होकर दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

## भीषण गर्मी में छात्राओं से रैली: हापुड़ में सियासी प्रदर्शन पर बवाल

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** महिला आरक्षण विधेयक को लेकर निकाली गई जनाक्रोश रैली उस समय विवादों में घिर गई जब इंटर कॉलेज की छात्राओं को पढ़ाई बीच में छोड़कर रैली में शामिल कराया गया। भीषण गर्मी के बीच निकाले गए इस जुलूस में छात्राओं की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो गए। रामनिवास बालिका इंटर कॉलेज से शुरू हुई यह पदयात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए तगासराय गेट पर समाप्त हुई। रैली के दौरान महिलाओं ने विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी की और अखिलेश यादव व राहुल गांधी के पुतले फूंके। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में छात्राएं असहज नजर आईं, जिसके बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीआईओएस डॉ. श्वेता पूठिया ने स्कूल प्रबंधन को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कॉलेज की प्रिंसिपल ने बताया कि उन्हें जागरूकता रैली के नाम पर गुमराह किया गया था, जबकि आयोजकों ने इसे अलग कार्यक्रम बताया।

## झूठी शान की भेंट चढ़ी एक और बेटी: प्रेम प्रसंग से नाराज पिता ने नाबालिग पुत्री की गला दबाकर की हत्या

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** नगीना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां झूठी आन बान और शान के चलते एक पिता ने अपनी ही 17 वर्षीय नाबालिग बेटी की हत्या कर दी। बुधवार तड़के सोते समय आरोपी पिता ने पुत्री का गला दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगीना क्षेत्र के ग्राम बिन्जाहेड़ी निवासी नजाकत, जो बाहर एक बेकरी पर कार्य करता है, की 17 वर्षीय पुत्री का गांव के ही एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस संबंध को लेकर परिवार में काफी समय से तनाव बना हुआ था। परिजनों द्वारा कई बार समझाने के बावजूद जब किशोरी अपने निर्णय पर कायम रही, तो पिता ने क्रूर कदम उठाने की ठान ली। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब 4 बजे, जब परिवार के अन्य सदस्य सो रहे थे, तभी आरोपी पिता अपनी सबसे बड़ी बेटी के कमरे में पहुंचा और सोते समय उसका गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घर के भीतर से किशोरी का शव बरामद किया। मृतका अपने छह भाई बहनों में सबसे बड़ी थी, जिनमें पांच बहनें और एक भाई शामिल हैं। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार सोलंकी ने बताया कि आरोपी पिता ने पूछताछ के दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसने बताया कि वह बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। यह घटना एक बार फिर समाज में फैली झूठी प्रतिष्ठा और संकीर्ण मानसिकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है, जहां अपनी ही संतान की जिंदगी को तथाकथित सम्मान के नाम पर खत्म कर दिया जाता है।

राजेश सोलंकी

## गाजियाबाद में राष्ट्रीय संगोष्ठी : समरस समाज के निर्माण में गोरक्षपीठ की भूमिका पर मंथन

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** सामाजिक समरसता, समानता और सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सामाजिक समरसता में गोरक्षपीठ, गोरखपुर की भूमिका विषय पर बुधवार को हिंदी भवन गजप्रस्थ में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम ने समाज में सकारात्मक संवाद को नई दिशा दी। मानवमंदिर मिशन के अरुण योगी ने कहा कि समरसता जीवन की ऐसी पद्धति है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को जोड़ती है। उन्होंने गोरक्षपीठ की परंपरा को जनकल्याण और एकता का आधार बताया। जीवन दीप आश्रम से आए स्वामी पद्मानंद गिरी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म की मूल भावना समरसता है, जहां ह्यवसुधैव कुटुंबकम्ह्व सर्वोपरि है।

विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री मुकेश खांडेकर ने कहा कि गोरक्षपीठ ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक समरसता का संदेश पहुंचाया है और इस परंपरा को आगे बढ़ाना जरूरी है। वरिष्ठ पत्रकार अमिताभ अग्निहोत्री ने समरसता को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। ब्लॉसम इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह संगोष्ठी महंत अवेद्यनाथ की प्रेरणा से चल रही श्रृंखला का हिस्सा है। इससे पहले प्रयागराज, लखनऊ, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ और अंबेडकर नगर में भी ऐसे आयोजन हो चुके हैं।

संगोष्ठी में गोरक्षपीठ का इतिहास, समावेशी नीतियां, सनातन परंपरा का दार्शनिक आधार और सशक्त राष्ट्र निर्माण में समरसता की भूमिका पर चर्चा हुई। संयोजक शशिप्रकाश सिंह ने सभी अतिथियों का आभार जताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने में सहायक हैं।

## पोषण पखवाड़ा: कासना, सिरसा व लढ़पुरा में चला जागरूकता अभियान

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा 'पोषण पखवाड़ा' के तहत ब्लॉक दनकौर के कासना, सिरसा और लढ़पुरा क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य कुपोषण मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करना है।

इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर लाभार्थियों से संवाद किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सीडीपीओ संध्या सोनी ने किया, जबकि मुख्य सेविका ममता और माधुरी भी उपस्थित रहीं। अधिकारियों ने केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए पोषण संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की।

अभियान के दौरान बच्चों में बढ़ते स्क्रीन टाइम के दुष्प्रभावों पर विशेष चर्चा की गई। अभिभावकों को बच्चों के मोबाइल और टीवी उपयोग को सीमित करने तथा उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर ध्यान देने की सलाह दी गई। साथ ही संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने पोषण संबंधी संदेशों का प्रसार करते हुए सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और लाभार्थियों को उनसे जोड़ने की प्रक्रिया समझाई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

## संक्षिप्त समाचार

### यूपी में 40 आईएएस अफसरों के तबादले, आगरा के नए डीएम बने मनीष बंसल

आगरा, एजेंसी। सहारनपुर के जिलाधिकारी मनीष बंसल को आगरा का जिम्मा सौंपा गया है। मनीष बंसल देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के दामाद हैं। मनीष की पत्नी मेधा रूपम गाजियाबाद की जिलाधिकारी हैं। इसके साथ ही लंबे समय से दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक रहे नीतीश कुमार को अब उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड का प्रबंध निदेशक बनाया गया है। वहीं बुलंदशहर की जिलाधिकारी रहीं श्रुति को एमडी दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के पद पर तैनाती दी गई है।

### युवक ने पांच लाख की रंगदारी मांगने का लगाया आरोप

**मोदीपुरम, एजेंसी।** पल्लवपुरम थानाक्षेत्र के गांव पल्हैड़ा निवासी नूर मोहम्मद ने एक अज्ञात आरोपी पर पांच लाख की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पल्हैड़ा निवासी नूर मोहम्मद ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि 11 अप्रैल को उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई थी। कॉल करने वाले ने खुद को एक गैंगस्टर का साथी बताते हुए पांच लाख रुपये देने की मांग की। पीड़ित ने मजाक समझकर फोन काट दिया था। आरोप है कि 13 अप्रैल की शाम करीब सात बजे उसी नंबर से लगातार छह बार कॉल की गई थी। आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए धमकी दी। पैसे नहीं देने पर उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी। सीओ दौराला प्रकाशचंद्र अग्रवाल का कहना है कि रंगदारी का मामला नहीं है। पैसे के लेनदेन का मामला प्रकाश में आया है। तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

### पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल बढ़ाए जाने की मांग

**मेरठ, एजेंसी।** प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के समय पर संपन्न होने की अनिश्चितता को देखते हुए पंचायत प्रतिनिधि कार्यकाल बढ़ाने की मांग उठाने लगे हैं। राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के बैनर तले प्रतिनिधियों ने सोमवार को कलक्ट्रेट में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन दिया। इसमें वर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल यथावत बढ़ाने की मांग की गई है। संगठन ने तर्क दिया है कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर प्रशासकों को नियुक्त करना संविधान के भाग-9 की मूल भावना के विरुद्ध होगा। लिहाजा मध्य प्रदेश और राजस्थान की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही जिम्मेदारी सौंपी जाए। उन्होंने दावा किया कि इस निर्णय से आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार के प्रति जनता का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा। ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। ज्ञापन देने वालों में संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा, मेरठ मंडल अध्यक्ष पदमेंद्र सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष ऋषिपाल मलिक और जिला अध्यक्ष (मेरठ) सतीश भड़ाना, महेंद्र सिंह, ऋतु चौधरी, भंवर सिंह और अंकित आदि शामिल रहे।

### गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारे का काम शुरू

**मेरठ, एजेंसी।** गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे खरखौदा-बिजौली में औद्योगिक गलियारे का काम शुरू हो गया है। 214 हेक्टेयर भूमि पर चहारदीवारी और अन्य काम शुरू करने के लिए एक कंपनी ने कार्यालय खोल दिया है। यह पहल क्षेत्र में औद्योगिक वृद्धि और रोजगार सृजन की नई उम्मीदें जगा रही है। पहले चरण में किसानों से भूमि खाली कराई जाएगी। इसके बाद चहारदीवारी का काम शुरू होगा। चयनित कंपनी औद्योगिक इकाइयों को भूखंड तैयार करके देगी। सीवर, बिजली व पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराएंगी। मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेसवे बनकर तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को इसका उद्घाटन करेंगे। यह एक्सप्रेसवे यूपी के 12 जिलों से गुजरता है। इसके किनारे 11 जिलों में औद्योगिक गलियारा विकसित किया जाएगा। कुल 506 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक गलियारे के लिए चिह्नित की गई है। पहले चरण में मेरठ के खरखौदा-बिजौली में 214 हेक्टेयर भूमि पर ही नींव रखी जानी है। उप्र औद्योगिक एक्सप्रेसवे विकास प्राधिकरण ने 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले औद्योगिक गलियारे को विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए एक कंपनी का चयन किया गया है जिसने बिजौली में कार्यालय स्थापित कर लिया है। यह कंपनी औद्योगिक इकाइयों को सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करेंगी। इनमें भूखंडों का नियोजन और आवश्यक ढांचागत विकास शामिल है। प्रदेश सरकार के आह्वान पर देश और विदेश की कई कंपनियां यहां उद्योग लगाने में रुचि दिखा रही हैं। विदेशी कंपनियों के प्रतिनिधिमंडलों ने जिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण भी किया है।

**काशी में 44 डिग्री तापमान: दो किलोमीटर में दो घंटे जाम...**

# बिलबिलाते रहे लोग, नहीं मिली राहत

**वाराणसी एजेंसी।** भीषण गर्मी के बीच शहर में लगे जाम ने लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी। 44 डिग्री तापमान और तेज धूप के बीच घंटों जाम में फंसे लोग बिलबिलाते नजर आए। खासकर लहरतारा क्षेत्र में हालात बेहद खराब रहे, जहां लहरतारा बौलिया से पुल तक करीब दो किलोमीटर लंबे जाम में लोग सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक फंसे रहे।

स्थिति यह रही कि सामान्य दिनों में पांच मिनट में तय होने वाला सफर 20 मिनट या उससे अधिक समय में पूरा हो सका। दो घंटे तक वाहनों के पहिए लगभग थम गए। जाम में फंसे लोग पसीने से तरबतर हो गए और छांव की तलाश में इधर-उधर भटकते दिखे। कई लोग अपनी गाड़ियों से उतरकर सड़क किनारे खड़े हो गए, जबकि बाइक सवार किसी तरह किनारे से निकलने की कोशिश करते रहे।

जाम का मुख्य कारण लहरतारा पुल के पास चल रहा निर्माण कार्य बताया जा रहा है। निर्माण के चलते सड़क का बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। इसके अलावा लहरतारा स्थित निजी बस स्टैंड से बसों के अव्यवस्थित संचालन ने समस्या को और गंभीर बना दिया। बसों के बेतरतीब तरीके से सड़क पर निकलने के कारण यातायात पूरी तरह चरमरा गया। करीब दो किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालात इतने खराब थे कि पैदल चलने वालों को भी निकलने के लिए जगह नहीं मिल पा रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान यातायात प्रबंधन के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए, जिससे समस्या बढ़ी।

#### रात में भी दिक्कत

सबसे चिंताजनक बात यह रही कि इतनी व्यस्त सड़क पर जाम के दौरान मौके पर यातायात नियंत्रित करने के लिए महज दो होमगार्ड समेत चार पुलिसकर्मी ही मौजूद थे। पुलिस बल की कमी के कारण स्थिति बेकाबू हो गई और वाहन रेंगने को मजबूर हो गए।

जाम की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई। एडीसीपी ट्रैफिक अंशुमान मिश्रा ने बताया कि लहरतारा आरओबी पर तत्काल अतिरिक्त पुलिस बल भेजा गया। टीआई समेत आधा दर्जन पुलिसकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर यातायात को धीरे-धीरे सामान्य कराया। उन्होंने कहा कि जाम के कारणों की जांच कर स्थायी समाधान निकाला जाएगा, ताकि भविष्य में लोगों को ऐसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

दान कर्ताओं की राशि के अनुसार आईआईटी बीएचयू ने चार कैटेगरी बनाई हैं। मिलेनियम ग्रुप, दूसरा पायनियर ग्रुप, तीसरा फाउंडेशन क्लब और चौथा ट्रेल ब्लेजर ग्रुप। इन सबमें अलग-अलग राशि तय की गई है। सबसे ज्यादा दानकर्ता ट्रेल ब्लेजर में हैं।

### कड़क फैसले, साफ नीयत: आईएएस अरविंद मल्लप्पा बंगारी बने जनता के हीरो

**आगरा, एजेंसी।** यूपी कैडर के 2011 बैच के आईएएस अधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने आगरा में जिलाधिकारी के रूप में अपने कार्यकाल में अमिट छाप छोड़ी है। उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि उटंगन नदी पर चलाया गया देश का सबसे बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन रहा, जिसने उनकी संकट प्रबंधन क्षमता का लोहा मनवाया।

शहर की बढ़ती आबादी और शहरीकरण की जरूरतों को देखते हुए अटलपुरम और ग्रेटर आगरा जैसी महत्वाकांक्षी टाउनशिप परियोजनाएं लंबे समय से अधर में थीं। जिलाधिकारी ने स्वयं रुचि लेकर किसानों और प्रशासन के बीच संवाद कायम किया। उन्होंने पारदर्शिता के साथ मुआवजा वितरण सुनिश्चित कराया, जिसके परिणामस्वरूप इन प्रोजेक्ट्स की राह आसान हो सकी। स्कूलों में मनमानी फीस और नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ उन्होंने सख्त रुख अपनाया। अरविंद मल्लप्पा बंगारी को सही मायनों में जनता का जिलाधिकारी कहा गया।

प्रशासनिक व्यस्तताओं के बावजूद उनकी प्राथमिकता हमेशा आम आदमी की समस्याओं को सुनना और उनका त्वरित समाधान करना रही। उनके आने से पहले आईजीआरएस और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण से असंतुष्टि का स्तर लगभग 70 प्रतिशत तक रहता था। जिलाधिकारी की प्रभावी मॉनिटरिंग और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने का ही परिणाम था कि उनके जाने से पहले यह ग्राफ गिरकर 25 प्रतिशत से भी कम रह गया।

### टैक्स चोरी पकड़ने गई जीएसटी टीम पर हमला दबंगों ने सहायक आयुक्त को जमकर पीटा

**कानपुर, एजेंसी।** कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के सनिगवां के गणेशपुर रोड में राज्य कर के सचल दल के सहायक आयुक्त ने चेकिंग के दौरान एक ट्रक को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान ट्रक चालक और उसके साथियों ने अभद्रता कर मारपीट की। इस पर सहायक आयुक्त ने चकेरी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। राज्य कर विभाग की सचल दल दशम इकाई के सहायक आयुक्त योगेंद्र कुमार की दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक बीती 18 अप्रैल की शाम को वह अपनी टीम के साथ चकेरी के गणेशपुर में चेकिंग कर रहे थे।

इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि एक ट्रक में पेट बोतल स्क्रैप लोड है, जिसका बिल और ई- बिल कहीं और का बना है और माल की लोडिंग यहां से हो रही है। टीम ने ट्रक को रोककर चालक से संबंधित दस्तावेज मांगे, लेकिन चालक ने कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं किए। जिसके बाद सहायक आयुक्ता ने जीएसटी पोर्टल पर देखा तो पता चला कि ई-बिल बिहार की एक फर्म सुशील ट्रेडर्स द्वारा जारी कर फतेहपुर से माल का डिस्पैच करते हुए दिल्ली की फर्म विनोद इंटरप्राइजेज को परिवहन किया जाना दिखाया गया।

वहीं, मौके पर परिस्थितियां संदिग्ध थी। इसी बीच अचानक 10 से 15 अज्ञात लोग मौके पर पहुंच गए। इनमें से एक लंबी मूंछों वाले व्यक्ति ने खुद को आर्मी से रिटायर्ड बताते हुए ट्रक का मालिक होने का दावा किया। आरोपियों ने सरकारी कार्रवाई में बाधा डालते हुए टीम के साथ गाली-गलौज शुरू कर मारपीट कर सहायक आयुक्त को जान से मारने की धमकी दी।इस दौरान उन्होंने धमकी दी कि यदि गाड़ी जीएसटी कार्यालय ले जाई गई तो गोली मार देंगे। आरोपियों ने जबरन ट्रक को मौके से हटाकर एक गोदाम में खड़ा करा दिया। जिससे जांच प्रक्रिया प्रभावित हुई। एसीपी चकेरी अभिषेक पांडे ने बताया कि सरकारी अफसर से मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा डालने, गाली-गलौज करने समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

**इंडस्ट्रीज की जरूरतों के अनुसार रिसर्च करेंगे बीटेक छात्र**

# एक करोड़ के फंड से मिलेगी सहायता

**वाराणसी एजेंसी।** आईआईटी बीएचयू के टेक्नोसेवी अब बीटेक के साथ ही इंडस्ट्रीज की जरूरतों के अनुसार रिसर्च भी कर सकेंगे। इंडस्ट्रीज का दौरा कर उनकी मांग के अनुसार तकनीक विकसित कर सकेंगे। वर्कशॉप के साथ ही लैब में भी काम करने का मौका मिलेगा। इसके लिए संस्थान को एक करोड़ रुपये का फंड मिला है।

इस फंड के तहत उन छात्रों के रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा तो कोर्स के हटकर कुछ काम कर रहे हों। जिन छात्रों का मानसिक स्तर बिजनेस में कुछ नया और बड़ा करके दिखाने का हो, उनको इस फंड का फायदा दिया जाएगा। संस्थान के ही पूर्व छात्र वेंकट मोक्कापति की ओर से आईआईटी बीएचयू को एक करोड़ की धनराशि दी गई है। इन्हें आईआईटी बीएचयू फाउंडेशन की ओर से दानकर्ताओं के पायनियर क्लब में शामिल कर लिया है।

1986 बैच के छात्र रहे मोक्कापति ने इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक किया था। वहीं, इसी साल फरवरी महीने में उन्होंने आईआईटी बीएचयू में आकर 40 रियूनियन मनाया था। इस फंड की सहायता से आईआईटी बीएचयू के जो छात्र कोर्स के अलावा रिसर्च कार्य करते हैं, उनकी पहचान कर उनको आगे बढ़ाने में मदद की जाएगी। क्लास रूम और उद्योगों की वास्तविक चुनौतियों के बीच खाई पाटा जाएगा। यानी क्लास रूम के बाहर कंपनियों की जरूरतों के आधार पर रिसर्च करते हुए बीटेक कराया जाएगा। अंतर विषयक अनुसंधान और नवाचार की गति और विस्तार को बढ़ाया जाएगा।

आईआईटी बीएचयू की शैक्षणिक और रिसर्च प्रतिष्ठा मजबूत होगी। चिह्नित टेक्नोसेवियों को ऐसे स्किल और मेंटालिटी से लैस किया जाएगा जो कि सिर्फ क्लासरूम के ही समीकरणों का हल नहीं ढूंढेंगे बल्कि वास्तविक दुनिया की समस्याओं को भी खत्म करने का माद्दा रखते हो।

# इनर रिंग रोड का तीसरा चरण होने जा रहा शुरू

**आगरा, एजेंसी।** आगरा इनर रिंग रोड के तीसरे चरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। ये 8 किमी. का है, जिसे नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) बना रही है। ये दो महीने में पूरा हो जाएगा। 30 जून से इसे शुरू किया जा सकता है। ऐसा होने से जाम से भी मुक्ति मिलेगी।

इनर रिंग रोड 24 किमी लंबा है। ये 6 लेन है। इसकी लागत करीब 400 करोड़ रुपये है। इसका तीन चरणों में निर्माण हो रहा है। पहले दो चरणों के 16 किमी का रोड तैयार हो गया है। इसे एडीए ने बनाया है। अंतिम चरण का 8 किमी रोड एनएचएआई बना रहा है। इसका कार्य तेज कर दिया है। ये 50-60 दिन में पूरा हो जाएगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक संदीप यादव ने बताया कि तीसरे चरण का कार्य तेज कर दिया है। ये जल्द तैयार हो जाएगा। इसके शुरू करने की तिथि 30 जून प्रस्तावित की है।

**ये हो जाएगी सुविधा:** इनर रिंग रोड ताजमहल के पास से गुजरते हुए नेशनल हाईवे-19 को जोड़ता है। इससे पर्यटकों की सुविधा भी हो जाएगी। शहर में वाहनों की संख्या कम हो जाएगी। इससे जाम से बचाव होगा।

# हाईस्पीड रेल कॉरिडोर पर 300 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें, तीन राज्यों का मेंटीनेंस हब बनेगा बरेली

**बरेली।** गाजियाबाद से मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, रोजा, सीतापुर के बीच 403 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेल लाइन को मंजूरी देने के साथ ही रेलवे ने रोजा-लखनऊ के बीच 158 किलोमीटर के रेलखंड में फोर लाइन प्रोजेक्ट पर काम तेज कर दिया है। गाजियाबाद-लखनऊ के बीच फोर लाइन प्रोजेक्ट के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का काम गति शक्ति योजना के तहत पिछले साल ही पूरा हो चुका है।

**इन ट्रेनों के लिए आरक्षित होगा कॉरिडोर :** केंद्र सरकार ने इसी वर्ष बजट में सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर को मंजूरी दी है। इनमें दिल्ली-वाराणसी के बीच 790 किलोमीटर का हाई स्पीड रेल कॉरिडोर बरेली होकर प्रस्तावित है। हाईस्पीड रेल कॉरिडोर पर गाड़ियां 300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकेंगी। यह कॉरिडोर फास्ट, सुपर फास्ट और तेजस, वंदे भारत, राजधानी, दुरंतो, अमृत भारत जैसी गाड़ियों के लिए आरक्षित होगा। तीसरी व चौथी रेल लाइन के बाद पूर्वांचल समेत पूर्वोत्तर के राज्यों तक बेहतर कनेक्टविटी हो जाएगी। मुख्य रेल लाइन पर दबाव कम होगा। इससे ज्यादा संख्या में मालगाड़ियों का संचालन हो सकेगा।

इससे अतिरिक्त माल ढुलाई का रास्ता साफ होगा। कोयला खाद्यान्न, रासायनिक खाद और तैयार इस्पात आदि की ढुलाई के लिए सड़क संसाधनों पर निर्भरता घटेगी। सड़क परिवहन वर्ष आने वाली अरबों रुपये की लॉजिस्टिक्स लागत की बचत से देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

**तीन राज्यों का मेंटीनेंस हब बनेगा बरेली :** दिल्ली-लखनऊ रेलखंड पर बरेली एक प्रमुख स्टेशन है। भविष्य में बरेली को उत्तर प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड के मेंटीनेंस हब के रूप में विकसित करने की योजना है। इसके लिए बरेली जंक्शन, बरेली सिटी, इज्जतनगर, सीबीगंज, बरेली कैंट, रामगंगा, भोजीपुरा स्टेशनों के लिए 20 से ज्यादा बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। बरेली में वंदे भारत का मेंटीनेंस शेड भी प्रस्तावित है। इसके अलावा भिटौरा स्टेशन पर कंटेनर डिपो प्रस्तावित है। दिल्ली-लखनऊ के बीच 493 किलोमीटर के मेंटीनेंस कॉरिडोर के लिए सर्वे चल रहा है।

मुरादाबाद मंडल के सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने बताया कि बरेली को रेलवे हब के रूप में विकसित करने की योजना है। दिल्ली-वाराणसी हाईस्पीड रेल कॉरिडोर की दिशा में भी काम चल रहा है। गाजियाबाद-सीतापुर के बीच तीसरी और चौथी लाइन को मंजूरी मिल चुकी है। रोजा-लखनऊ के बीच फोर लाइन प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

# बरेली में भीषण गर्मी, तापमान 40 डिग्री के पार, यलो अलर्ट जारी; स्कूलों का समय बदला

**बरेली, एजेंसी।** बरेली में शुष्क हवा से घट रही नमी से अब दिन के साथ ही रात भी गर्म होने लगी है। इससे दिन भर तपिश के बाद रात में भी सुकून छिन रहा है। भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल है। मौसम विभाग ने एक सप्ताह के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। दिन का पारा 40 डिग्री पार और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान है।

मंगलवार को सुबह से ही चटख धूप गर्मी का अहसास कराने लगी। 11 बजे के बाद राहगीर छांव तलाशने लगे। तेज गर्म हवा लू का अहसास करा रही है। इससे पहले सोमवार को भी यही हाल रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 40.7 डिग्री और न्यूनतम भी सामान्य से एक डिग्री अधिक 22.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, सक्रिय विक्षोभ न होने से आसमान साफ है और तेज धूप निकल रही है। आगामी दिनों में गर्मी और बढ़ेगी।

**भीषण गर्मी के कारण स्कूलों का समय बदला :** भीषण गर्मी के कारण सोमवार को बिथरी चैनपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय सैदपुर खजुरिया में कक्षा पांच की छात्रा नमृता की नाक से खून बहने लगा। शिक्षकों ने तत्परता दिखाते हुए छात्रा को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया और उसके परिजनों को सूचित किया। स्थिति सामान्य होने पर छात्रा को सुरक्षित घर भेज दिया गया।

बीएसए डॉ. विनीता ने जिलाधिकारी को स्कूलों के समय में बदलाव का प्रस्ताव भेजा। इस पर डीएम परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और सभी बोर्डों के कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों का समय बदल दिया है। अब 7:30 से दोपहर 12:30 तक संचालित किए जाएंगे।

**कैंपियरगंज के भाजपा विधायक को जान से मारने की धमकी**

# 6:46 मिनट का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल

**गोरखपुर एजेंसी।** प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व कैंपियरगंज क्षेत्र से भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह और उनके सहयोगियों को जान से मारने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि धमकी देने वाले आरोपी की लोकेशन मध्य प्रदेश के इटारसी में मिली है। धमकी से जुड़ा एक ऑडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पुलिस ने मामले में आरोपी रजनीकांत, उसके परिवार और सहयोगियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। नगर पंचायत चौमुखा के शक्तिनगर वार्ड निवासी नवीन सिंह ने कैंपियरगंज थाना पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वार्ड नंबर-1 (पठनपुरवा बड़का) निवासी रजनीकांत क्षेत्र में भय का माहौल बना रहा है।

आरोप है कि रामचौरा निवासी सूरज के मोबाइल फोन पर बातचीत के दौरान उसने क्षेत्रीय विधायक फतेह बहादुर सिंह, उनके प्रतिनिधि गणेशदत्त त्रिपाठी, सहयोगी शमसेर सिंह और चेयरमैन प्रतिनिधि गोपाल सिंह समेत कई लोगों के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए नौ मई तक जान से मारने की धमकी दी।

उन्होंने बताया कि करीब 6:46 मिनट का यह ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके चलते पूरे इलाके में डर का माहौल है। पीड़ित के अनुसार, धमकी के बाद उनका परिवार सहम गया है। उनके पिता हृदय रोग से पीड़ित हैं, उनकी तबीयत भी बिगड़ गई है।

एसपी नार्थ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि मामले में आरोपी रजनीकांत, उसके परिवार और सहयोगियों के खिलाफ धमकी देने और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की तलाश चल रही है। प्राथमिकी जांच में नशे में धुत युवक की ओर से धमकी दिए जाने की बात सामने आई है। मामले की जांच जारी है।

इस संबंध में विधायक फतेह बहादुर सिंह ने कहा कि मेरे कार्यकर्ता के पास धमकी भरा फोन आया था। कार्यकर्ता ने ऑडियो की रिकॉर्डिंग पुलिस को सौंप दी है। एसएसपी और डीएम के संज्ञान में मामला लाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# अर्थ डे : नगर निगम ने महा अभियान चलाते हुए प्लांटेशन का दिया संदेश

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** नगर निगम ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर शहर में अनेको कार्यक्रम आयोजित किये, जिसमें विशेष रूप से पांचों जोन अंतर्गत पार्कों में भव्य रूप से प्लांटेशन के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज के नेतृत्व में लगभग 5000 से अधिक पौधे लगाए गए। इंदिरापुरम, मोहन नगर, लोहिया नगर, विजयनगर, कवि नगर, वैशाली के पार्कों में प्लांटेशन किया गया, जिसमें कई स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा भी प्रतिभाग करते हुए, विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम सीमा अंतर्गत विश्व पृथ्वी दिवस पर प्लांटेशन के कार्यक्रम आयोजित हुए। लोहिया नगर में कंपोजिट विद्यालय लोहिया नगर की छात्राओं द्वारा पौधे लगाए गए। इसी कड़ी में अन्य 50 स्थान पर पौधारोपण किया गया। पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने तथा हरा भरा बनाए रखने के लिए जन-जन को स्वच्छता का संदेश भी दिया गया।गाजियाबाद नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन की टीम द्वारा ट्रैफिक सिगनलों पर रेड लाइट ऑन होने पर इंजन बंद करने के लिए भी अपील की गई। शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए यात्रियों को जागरूक किया गया। मैस्कॉट के माध्यम से भी सिग्नल ऑन इंजन बंद का संदेश दिया गया। वेस्ट तो आर्ट के अंतर्गत रिड्यूस रीयूज रीसाइकिल को बढ़ावा देते हुए एक्टिविटी कराई गई। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पृथ्वी को हरा-भरा बनाने के लिए प्लांटेशन का कार्यक्रम आयोजित किया शहर वासियों को भी अधिक से अधिक प्लांटेशन करने के लिए जागरूक किया गया। शहर को प्लास्टिक मुक्त कचरा मुक्त बनाने के लिए भी अभियान चलाए गए माननीय पार्षदों की उपस्थिति में गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हुए जन-जन को स्वच्छता और पर्यावरण बचाओ प्रदूषण हटाओ का संदेश दिया। लोहिया नगर में आयोजित कार्यक्रम में पार्षद कुलदीप व निगम अधिकारियों ने प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। कई सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी विश्व पृथ्वी दिवस पर आयोजित निगम के कार्यक्रमों में सहयोग किया गया।

## पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश, वृक्षारोपण पर दिया जोर

**शामली। (शिखर समाचार)** शहर के श्री सत्यनारायण इंटर कॉलेज में पृथ्वी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी हमारी जननी है, अब इसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने पृथ्वी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जीवन के अस्तित्व के लिए पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते पृथ्वी को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। पृथ्वी को हो रहे नुकसान के प्रमुख कारणों में वृक्षों की अंधाधुंध कटाई को बताते हुए उन्होंने कहा कि मनुष्य वनों को नष्ट कर और कंक्रीट के जंगल खड़े कर प्रकृति को भारी क्षति पहुंचा रहा है। प्रधानाचार्य ने पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए सभी से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने की अपील की और वृक्ष लगाओ, पृथ्वी बचाओ का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार कश्यप ने किया। इस अवसर पर महेश नारायण गौड़, फूल कुमार, ज्योति तायल, सतीश आत्रेय, धनश्याम सारस्वत, रामनाथ, शिवकुमार तथा साकेत निर्वाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## जनसुनवाई में उठीं जनसमस्याएं, जिलाधिकारी ने दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जनपद की नवागत जिलाधिकारी कविता मीना ने बुधवार को प्रातः 10 बजे से अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई कर आमजन की शिकायतें सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे।
जनसुनवाई में मुख्य रूप से अवैध खनन, आयुष्मान कार्ड, बिजली आपूर्ति तथा सड़कों पर जलभराव जैसी समस्याएं सामने आईं। शिकायतकताओं ने अपनी अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया।
जिलाधिकारी कविता मीना ने सभी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक पीड़ित को न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

## विश्व पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, चित्रकला प्रतियोगिता और शपथ कार्यक्रम आयोजित

**मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जड़ौदा स्थित होली चाइल्ड पब्लिक इंटर कॉलेज में बुधवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यालय परिसर में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पृथ्वी को बचाने का संकल्प लिया।
इस वर्ष हमारी शक्ति, हमारा ग्रह थीम के तहत विद्यालय में विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया गया। छात्र छात्राओं ने अपनी कल्पनाओं को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करते हुए पर्यावरण संरक्षण, हरियाली, स्वच्छता और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व को प्रभावी ढंग से दशार्या। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक वानिकी प्रभाग के प्रभागीय निदेशक अभिनव राज के मार्गदर्शन में किया गया। संचालन डॉ. राजीव कुमार द्वारा किया गया तथा अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाचार्य प्रवेन्द्र दहिया ने की।
कार्यक्रम के दौरान माता भूमिः पुत्रो अहं पृथिव्याः मंत्र के साथ छात्र छात्राओं को पृथ्वी को हरा भरा और सुरक्षित बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। बच्चों ने पेड़ पौधे लगाने, एकल उपयोग प्लास्टिक का त्याग करने, जल और बिजली की बचत करने, प्रदूषण कम करने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा-6 की अनन्या, आराध्या, तानिया शर्मा, आरव, शौर्य; कक्षा-4 की आयूषी; कक्षा-5 की शिदरा, प्रज्ञा, समद; कक्षा-7 के समद; कक्षा-8 की खुशी, साहिल; तथा कक्षा-6 की विधि एवं सदफ सहित अन्य विद्यार्थियों ने आकर्षक और प्रेरणादायक चित्र प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने कहा कि विश्व पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पृथ्वी के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। विद्यालय परिवार ने भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेखा, धीरज बालियान, शुभम शुक्रलिया और नितिन का विशेष योगदान रहा।

## जनसुनवाई में एक समस्या का तत्काल समाधान, चार पर कार्रवाई के निर्देश

**सहारनपुर (शिखर समाचार)।** नगर निगम में आयोजित जनसुनवाई के दौरान प्राप्त पांच शिकायतों में से एक का अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव ने मौके पर ही समाधान करा दिया, जबकि शेष चार समस्याओं के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।
वार्ड 63 राजपूत कॉलोनी निवासी नसीब खान ने क्षेत्र में साफ सफाई की समस्या को लेकर प्रार्थना पत्र दिया। इस पर अपर नगरायुक्त ने त्वरित संज्ञान लेते हुए क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक और सफाई कर्मियों को मौके पर भेजकर सफाई कार्य कराते हुए समस्या का समाधान कराया। नसीब खान ने एलईडी लाइट खराब होने की शिकायत भी दर्ज कराई, जिस पर पथ-प्रकाश प्रभारी को स्थल निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।
इसके अतिरिक्त वार्ड 07 मिगलानी बिल्डिंग चौक निवासी उसमान मलिक ने चौक की हाईमास्ट लाइट ठीक कराने, वार्ड 19 गोपाल नगर निवासी समर वितराना ने सड़क पर अवैध धुलाई केंद्र द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाने तथा वार्ड 14 शिवपुरी कॉलोनी निवासी सोनू जाटव ने क्षेत्र में पाइपलाइन दुरुस्त कराने की मांग रखी। इन सभी प्रकरणों में संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर निरीक्षण कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।
जनसुनवाई के दौरान मुख्य अभियंता निर्माण सुरेश कुमार और महाप्रबंधक जल पुरुषोत्तम कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## सड़क दुर्घटनाओं और जनहानि में कमी, परिवहन व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई रंग लाई

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के कड़ाई से पालन को लेकर पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियानों का सकारात्मक असर दिखने लगा है। वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 की पहली तिमाही (01 जनवरी से 31 मार्च) में सड़क दुर्घटनाओं, मृतकों और घायलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।
सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) डॉ. उदित नारायण पांडेय के अनुसार उपलब्ध आंकड़ों में स्पष्ट सुधार सामने आया है। वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जहां 300 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई थीं, वहीं वर्ष 2026 में यह संख्या घटकर 231 रह गई। इस प्रकार 69 दुर्घटनाओं की कमी के साथ करीब 23 प्रतिशत गिरावट दर्ज की गई।
मृतकों की संख्या में भी कमी देखने को मिली है। वर्ष 2025 में 121 लोगों की मृत्यु हुई थी, जो वर्ष 2026 में घटकर 105 रह गई। यानी 16 लोगों की जान बच सकी, जो लगभग 13.2 प्रतिशत कमी को दशार्ता है। वहीं घायलों की संख्या 219 से घटकर 181 हो गई, जो 38 मामलों की कमी और करीब 17.3 प्रतिशत गिरावट को दशार्ती है।
विभागीय अधिकारियों का कहना है कि यह सुधार सख्त प्रवर्तन, चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स के सुधार और व्यापक जनजागरूकता अभियानों का परिणाम है। सड़क सुरक्षा को लेकर लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनका प्रभाव अब आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है।
जनसामान्य से अपील की गई है कि सभी लोग यातायात नियमों का पालन करें, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीटबेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें तथा निर्धारित गति सीमा का पालन करें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को और कम किया जा सके।
परिवहन विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि भविष्य में प्रवर्तन कार्रवाई को और मजबूत किया जाएगा। इसके लिए कैमरा आधारित निगरानी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जाएगा, जिससे यातायात प्रबंधन को और प्रभावी बनाते हुए सड़कों को सुरक्षित बनाया जा सके।

## पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल, पैर में गोली लगने के बाद दबोचा

**दादरी (शिखर समाचार)।** कोतवाली दादरी पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस, बाइक और नकदी बरामद हुई है।
एसीपी जितेंद्र कुमार ने बताया कि बिसाहड़ा रोड स्थित दुर्गा विशाल मंदिर के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह भाग निकला। पुलिस ने पीछा करते हुए जीटी रोड पर घेराबंदी की, जहां से वह नई बस्ती की ओर भागा।
कच्चे रास्ते पर बाइक फिसलने से गिरने के बाद बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पूछताछ में उसकी पहचान आमका रोड ईदगाह निवासी शाकिर के रूप में हुई।
तलाशी में उसके पास से 2400 रुपये नकद, तमंचा और कारतूस बरामद हुए। आरोपी ने पूछताछ में 4 अप्रैल को आरवी नॉर्थलैंड कॉलेज के सामने लूट की वारदात को अंजाम देना कबूल किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

## गाली गलौज का विरोध पड़ा भारी, युवक पर लाठी डंडों से हमला

**रबूपुरा (शिखर समाचार)।** क्षेत्र के गांव फलैदा में गाली-गलौज का विरोध करने पर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
पीड़ित अभिषेक के अनुसार वह मंगलवार शाम गांव के मैदान में टहल रहा था। इसी दौरान गांव के ही प्रियांशु, दीपांश और रोबिन वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया।
घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

## शादी में थूक लगाकर रोटी सेंकने का वीडियो वायरल, मचा हड़कंप

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में आयोजित विवाह समारोह में तंदूर पर रोटी बनाते समय कारीगर द्वारा थूक लगाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से हड़कंप मच गया।
वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कारीगर तंदूर में रोटी सेंकते समय उस पर थूक लगा रहा है। मौके पर मौजूद एक व्यक्ति ने इस घटना को अपने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर डाल दिया।
सूत्रों के अनुसार मामला गांव मुक्तेश्वर का बताया जा रहा है, जिसके बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया है।
थाना प्रभारी मुनीश प्रताप सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

## नारी सम्मान के समर्थन में उमड़ा जनसैलाब, महिला पदयात्रा ने शहर की सियासत को दी नई धार

**मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार)** महिला अधिकारों और आरक्षण के मुद्दे पर बुधवार को मुजफ्फरनगर में भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले निकाली गई महिला पदयात्रा ने शहर के सियासी माहौल को नई धार दी। टाउनहाल मैदान से शुरू होकर शिव चौक तक पहुंची इस पदयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और नारी सम्मान, सुरक्षा तथा राजनीतिक भागीदारी के समर्थन में जोरदार उपस्थिति दर्ज कराई।
पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने तख्तियां और झंडे लेकर नारेबाजी की तथा महिलाओं के अधिकारों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर लोगों का समर्थन भी मिलता रहा, जिससे यह आयोजन जनआंदोलन का रूप लेता नजर आया।
कार्यक्रम में वक्ताओं ने महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि समाज में महिलाओं की बराबर भागीदारी ही वास्तविक प्रगति का आधार है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष के रुख की आलोचना करते हुए इसे महिलाओं के हितों के खिलाफ बताया गया। अंत में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने का संकल्प लिया गया। इस पदयात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सुधीर सैनी, एमएलसी वंदना वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, ब्लॉक प्रमुख अक्षय पुंडीर, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान, पूर्व सांसद अनुराधा चौधरी, पूर्व विधायक उमेश मलिक, अशोक कंसल, सुशीला अग्रवाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष आंचल तोमर, सहकारी बैंक चेयरमैन ठाकुर रामनाथ सिंह, मीडिया प्रभारी पवन अरोरा, पूर्व जिलाध्यक्ष रूपेंद्र सैनी, विजय शुक्ला, जिला महामंत्री शरद शर्मा, संजय गर्ग, सुनील दर्शन, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कविता सैनी, जिला मंत्री ममता अग्रवाल, रोहिताश पाल, विशाल गर्ग, भाजयुमो जिलाध्यक्ष कार्तिक काकरान, अंजली चौधरी, श्वेता कौशिक, रजत त्यागी, विजय प्रजापति, सभासद मनोज वर्मा, राजीव शर्मा, बॉबी सिंह, ऋतु त्यागी, ममता बालियान सहित अनेक गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## जनसंपर्क क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान पर पंकज नरायण सक्सेना सम्मानित

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (दिल्ली चैप्टर) द्वारा जनसंपर्क क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पंकज नरायण सक्सेना को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान पीआरएसआई दिल्ली चैप्टर की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भूमिका और उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस (21 अप्रैल) के अवसर पर स्कोप कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। समारोह में पूर्व जज भंवर सिंह, एएएफटी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप मारवाह, भारतीय विदेश सेवा अधिकारी अखिलेश मिश्रा, पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक एवं दिल्ली चैप्टर की चेयरपर्सन डॉ. चारु लता सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि पंकज नरायण सक्सेना ने एनटीपीसी में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में करीब 33 वर्षों तक अपनी सेवाएं देकर महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

## विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने मलकपुर स्थित कार्यालय परिसर में मोलश्री के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने की अपील की। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि वृक्ष वायु को शुद्ध करने के साथ-साथ जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी रजनीकांत मित्तल समेत वन विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

## पृथ्वी को हरा भरा व प्रदूषण मुक्त रखना हम सबका कर्तव्य : शीतल टण्डन

**सहारनपुर। (शिखर समाचार)** विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल की जिला इकाई द्वारा रेलवे रोड स्थित जिला मुख्यालय कार्यालय पर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण और पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने पर जोर दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन ने कहा कि पृथ्वी ने मानव को जीवन के लिए आवश्यक सभी संसाधन दिए हैं, लेकिन लालच में आकर मनुष्य ने प्रकृति का अत्यधिक दोहन किया है। इसके कारण आज पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को हरा-भरा और स्वच्छ बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी के वातावरण में नाइट्रोजन, ऑक्सीजन और अन्य गैसों का संतुलन जीवन के लिए आवश्यक है, लेकिन प्रदूषण के कारण यह संतुलन बिगड़ रहा है। औद्योगिक क्रांति के बाद संसाधनों के अंधाधुंध उपयोग से जल, वायु, भूमि और ध्वनि प्रदूषण तेजी से बढ़ा है, जिससे अनेक बीमारियां फैल रही हैं। श्री टण्डन ने वृक्षों की कटाई और अवैध खनन को पर्यावरण के लिए बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि इससे जल संकट भी गहरा रहा है। उन्होंने सभी से पर्यावरण जागरूकता अभियान में भाग लेने और पृथ्वी की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री रमेश अरोड़ा, जिला कोषाध्यक्ष कर्नल संजय मिड्ढा, पवन गोयल, मेजर एस.के. सूरी, अभिषेक भाटिया, अशोक मलिक, संजीव सचदेवा, मुरली खन्ना, भोपाल सिंह सैनी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

## स्मार्ट मीटर के खिलाफ महिलाओं का हंगामा, कार्यालय का घेराव

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** आवास विकास क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाए जाने के विरोध में महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाओं ने अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया और हंगामा किया। आक्रोशित महिलाओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी हो रही है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। प्रदर्शन के दौरान महिलाएं कार्यालय के अंदर पहुंच गईं और विरोध जताते हुए बिजली आपूर्ति भी बाधित कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। अधिकारियों ने महिलाओं को समझाकर शांत करने का प्रयास किया। अधीक्षण अभियंता सुभाष चंद ने कहा कि स्मार्ट मीटर सरकार की पारदर्शी बिलिंग व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण भ्रम फैल रहा है। विभाग द्वारा लोगों को इसके फायदे समझाने के लिए अभियान चलाया जाएगा।

# संपादकीय

## संवैधानिक मयार्दा बनाम राजनीतिक टकराव : लोकतंत्र के लिए चेतावनी का क्षण

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थाओं की गरिमा और उनके बीच संतुलन सबसे अहम आधार होता है। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा ममता बनर्जी की उस कार्रवाई पर जताई गई कड़ी नाराजगी, जिसमें उन्होंने जनवरी में प्रवर्तन निदेशालय की जांच प्रक्रिया के दौरान हस्तक्षेप किया था, इसी संतुलन के संकट को उजागर करती है। यह मामला केवल एक राज्य या एक नेता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश में संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता, राजनीतिक हस्तक्षेप और कानून के शासन पर व्यापक बहस को जन्म देता है।

मामले की पृष्ठभूमि में जनवरी 2026 की वह घटना है जब ईडी की टीम एक कथित घोटाले से जुड़े मामले में कार्रवाई कर रही थी। उस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मौके पर पहुंचना और जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करना सवालों के घेरे में आ गया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि किसी भी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति को जांच एजेंसियों के कार्य में बाधा डालने का अधिकार नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि कानून का शासन सभी पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वह आम नागरिक हो या उच्च पदस्थ राजनेता।

यहां यह समझना जरूरी है कि लोकतंत्र में जांच एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। ईडी जैसी एजेंसियां वित्तीय अपराधों और भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करती हैं, जिनका सीधा संबंध शासन की पारदर्शिता और जवाबदेही से होता है। हालांकि, यह भी एक वास्तविकता है कि समय-समय पर इन एजेंसियों पर राजनीतिक दुरुपयोग के आरोप भी लगते रहे हैं। विपक्षी दल अक्सर यह आरोप लगाते हैं कि केंद्र सरकार इन एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों को दबाने के लिए करती है। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि न्यायपालिका इस पूरे तंत्र की निगरानी करे और संतुलन बनाए रखे।

ममता बनर्जी का पक्ष भी इस संदर्भ में पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनका यह तर्क रहा है कि ईडी और अन्य केंद्रीय एजेंसियां राज्य सरकार को अस्थिर करने और राजनीतिक दबाव बनाने के लिए सक्रिय हैं। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में कई नेताओं और अधिकारियों पर ईडी की कार्रवाई हुई है, जिससे राज्य और केंद्र के बीच टकराव की स्थिति बनी है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस आशंका के आधार पर कोई मुख्यमंत्री जांच एजेंसी के काम में सीधे हस्तक्षेप कर सकता है? लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसका उत्तर स्पष्ट रूप से ह्यनहींह्ण है।

सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक व्यापक संदेश देती है कि संवैधानिक मयार्दा का पालन हर स्तर पर अनिवार्य है। यदि मुख्यमंत्री या कोई अन्य जनप्रतिनिधि जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करता है, तो यह न केवल न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करता है बल्कि आम जनता के विश्वास को भी कमजोर करता है। लोकतंत्र की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि संस्थाएं स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकें और उनके कार्यों में अनावश्यक राजनीतिक हस्तक्षेप न हो।

दूसरी ओर, केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के लिए भी यह आत्ममंथन का समय है। यदि लगातार यह धारणा बनती है कि एजेंसियां निष्पक्ष नहीं हैं, तो उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। इसलिए यह आवश्यक है कि ईडी जैसी संस्थाएं अपनी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि उनकी कार्रवाई केवल कानून के दायरे में और ठोस साक्ष्यों के आधार पर हो। इससे न केवल विपक्ष के आरोपों का जवाब मिलेगा, बल्कि न्याय व्यवस्था में

~ मौलिक चिंतन ~

**दूसरों से जुड़ने के फितूर में व्यक्ति खुद से दूर हो जाता है।**

© विनय संकोची

# नारी शक्ति वंदन पर राष्ट्र के नाम रुंदन भरा संबोधन

निर्मल रानी

मध्य एशिया में छिड़े संघर्ष के परिणामस्वरूप पूरे विश्व में मंहगाई व बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। भारत में भी गैस व सिलेंडर के अभाव के कारण लगने वाली लंबी लंबी कतारों के साथ ही हजारों छोटे व मध्यम उद्योगों के बंद होने के समाचार मिल रहे हैं। विभिन्न औद्योगिक नगरियों से कामगारों के ऐसे दर्दनाक दृश्य दिखाई दे रहे हैं जो कोरोना काल के समय हुये प्रवासियों के पलायन की याद दिला रहे हैं। परन्तु हमारे देश की सरकार व यहाँ के नेता इन वास्तविकताओं से मुंह मोड़कर हमेशा की तरह आज भी चुनावी मोड में हैं। प्रायः ऐसा देखा गया है कि चुनावी बेला में कुछ न कुछ ऐसा शगूफा जरूर छोड़ा जाता है जो सत्ता के पक्ष में,चुनाव को प्रभावित करने,विपक्ष को बदनाम करने,चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने तथा सत्ता का दुरूपयोग करने वाला हो। परन्तु इन चुनावी महारथियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि चुनाव आयोग सहित अनेक संस्थाओं पर सत्ता ने अपनी पकड़ मजबूत जो कर ली है ?

देश ने पिछले दिनों एक ऐसा ही हाई प्रोफाइल राजनैतिक ड्रामा देखा। केंद्र सरकार ने अचानक 16 से 18 अप्रैल 2026 तक संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुला लिया। सरकार की तरफ से पहले तो इस आपात सत्र को बुलाने के कारण को भी सांसदों से गुप्त रखा गया। फिर एन वक़्त पर बताया गया कि इस विशेष सत्र का मुख्य उद्देश्य महिला आरक्षण विधेयक जिसे वर्तमान सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम का नाम दिया है इसे जल्द लागू करने के लिए लोकसभा की सीटों का परिसीमन करना व इनकी संख्या 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने संबंधी संशोधन विधेयक पारित कराना है। सरकार का कहना है कि ऐसा करने से 2029 के आम चुनावों से पहले 33% महिला आरक्षण लागू हो सकेगा। यही बताकर लोकसभा में विगत 17 अप्रैल को 131 वां संविधान संशोधन विधेयक सरकार द्वारा पेश किया गया जो मतदान के बाद पारित नहीं हो सका। क्योंकि इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित होने के लिये लोकसभा में विशेष यानी दो तिहाई बहुमत की जरूरत थी। गोया वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सदस्य हैं और कुल सदस्यों का सामान्य बहुमत लगभग 272 होता है जोकि सरकार के गठन के लिये तो पर्याप्त है परन्तु संविधान संशोधन के लिये उपस्थित और मतदान करने वालों सदस्यों में दो-तिहाई बहुमत के लिए सामान्यतः 362 या इससे अधिक वोट चाहिए। परन्तु चूँकि केवल 298 मत विधेयक के पक्ष में और 230 इस के विपक्ष में पड़े इसलिये यह विधेयक पारित नहीं हो सका। वैसे भी इतना महत्वपूर्ण विधेयक सदन की पटल पर लाने से पूर्व जिसपर परिसीमन को लेकर चर्चा की जाने थी, सत्ता पक्ष ने विपक्ष से बात करना,सर्वदलीय बैठक बुलाना या विपक्ष को विश्वास में लेना भी जरूरी नहीं समझा।

अब इस नारी शक्ति वंदन नामक विधेयक के गिरने के बाद सत्ता ने एक बड़ा है हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू किया जिस के तहत पहले तो प्रधानमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में विधेयक गिरने का ठीकरा विपक्ष पर फोड़ा और बाद में प्रधानमंत्री ने राष्ट्र के नाम संबोधन किया जो कि एक रुन्दन भरा व शत प्रतिशत चुनावी भाषण जैसा सम्बोधन था। जनता के टैक्स के पैसों से संचालित होने वाले दूरदर्शन,संसद टी वी व ऑल इंडिया रेडिओ जैसे चैनल्स पर इसे लाइव प्रसारित किया गया। जबकि सत्ता के गुणगान में लगे गोदी मीडिया के अधिकांश निजी चैनल्स ने भी इसे लाईव प्रसारित किया। यह संबोधन पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित, विपक्षी दलों को बदनाम करने,कई राज्यों में चल रहे चुनावों के बीच चुनाव को प्रभावित करने वाला तथा चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन था। सही मायने में सरकार की जितनी फजीहत विधेयक के पारित न होने से हुई थी उससे कहीं ज्यादा इस तथाकथित राष्ट्र संबोधन से हो गयी। 18 अप्रैल को राष्ट्र के नाम सम्बोधन के नाम पर दिये गये इस 29 मिनट के चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन किया बल्कि अन्य कई विपक्षी दलों के अतिरिक्त 58 बार केवल कांग्रेस पार्टी का नाम लेकर उसे खूब कोसा। इसके बाद देश के 700 से अधिक पूर्व नौकरशाहों व विशिष्ट लोगों ने भारतीय चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई कि प्रधानमंत्री के प्रसारण में चुनाव अचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाई गयीं और प्रधानमंत्री का भाषण चुनाव अचार संहिता का सरासर उल्लंघन है। क्योंकि चुनाव अचार संहिता के लागू होने के बावजूद सरकारी टी वी प्रसारण के द्वारा चुनाव प्रचार किया गया और पार्टी प्रोपेगैंडा करने के लिए सरकारी मास मीडिया प्लेटफार्म का दुरूपयोग किया गया जोकि चुनाव नियमों का गंभीर उल्लंघन है। निश्चित रूप से देश के इतिहास में यह पहला मौका था जबकि किसी प्रधानमंत्री ने केवल विपक्ष को बदनाम करने व उसकी आलोचना करने के लिए राष्ट्र को संबोधित करने के बहाने इस तरह से सरकारी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल किया हो। इसके बाद मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने जिसतरह आंकड़ों व तथ्यों के साथ भाजपा को आइना दिखाना शुरू किया उससे तो भाजपाइयों के लेने के देने पड़ गये। ,सबसे पहले तो कांग्रेस ने कहा कि जो महिला आरक्षण विधेयक पहले ही संसद में पारित हो चुका है उसे पुनः पारित करने का अर्थ क्या है ? नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि ये दरअसल महिला आरक्षण विधेयक नहीं है बल्कि भारत के वर्तमान चुनावी ढांचे को बदलने की साजिश है। राहुल गांधी ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री महिला आरक्षण चाहते हैं तो 2023 का पारित हो चुका महिला विधेयक लायें और उसे आज ही लागू करें तो पूरा विपक्ष समर्थन देगा। साथ ही इस विधेयक के गिरने के बाद महिलाओं की हमदर्दी में घड़ियाली आंसू बहाने व विपक्ष पर ही हमलावर होने वाली भाजपा से इसी विपक्ष ने ऐसे सवाल पूछने शुरू कर दिए जिसका भाजपा के लफ़्फाजी नेताओं के पास कोई जवाब नहीं। महिला आरक्षण के इन स्वयंभू सत्ताधारी हमदर्दों से विपक्ष ने यह भी पूछा कि सबसे ज्यादा सांसद होने के बाद भी बीजेपी की महिला सांसदों की संख्या का अनुपात अन्य राजनैतिक दलों की तुलना में सबसे कम क्यों है ? गौरतलब है कि वर्तमान लोकसभा में बीजेपी के 240 लोकसभा सांसदों में केवल 31 महिलाएं हैं अर्थात उनकी संख्या मात्र 12.90% है। जबकि कांग्रेस के 98 सांसदों में 14 यानी 14.30% इसी प्रकार टीएमसी के 29 में 11 महिला सांसद यानी 37.90% महिलाएं हैं। इसी तरह समाजवादी पार्टी में भी 37 में 5 यानी 13.50% महिला सांसद हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने भाजपा का यह चिट्ठा भी खोलकर रख दिया कि भाजपा के शासन में यहाँ तक कि स्वयं अनेक भाजपा नेताओं द्वारा नारियों का किस तरह शोषण व अपमान किया गया है व किया जा रहा है। इसलिये यह कहना गलत नहीं होगा कि नारी शक्ति वंदन विधेयक के गिरने पर प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम रुन्दन भरा संबोधन कोरी राजनीति,आचार संहिता का उल्लंघन ,जनता के टैक्स के पैसों का दुरूपयोग और भाजपा की हताशा के सिवा और कुछ नहीं था।

# ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

नीरज कुमार दुबे

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।

# पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

ललित गर्ग

**पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं।**

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटेस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

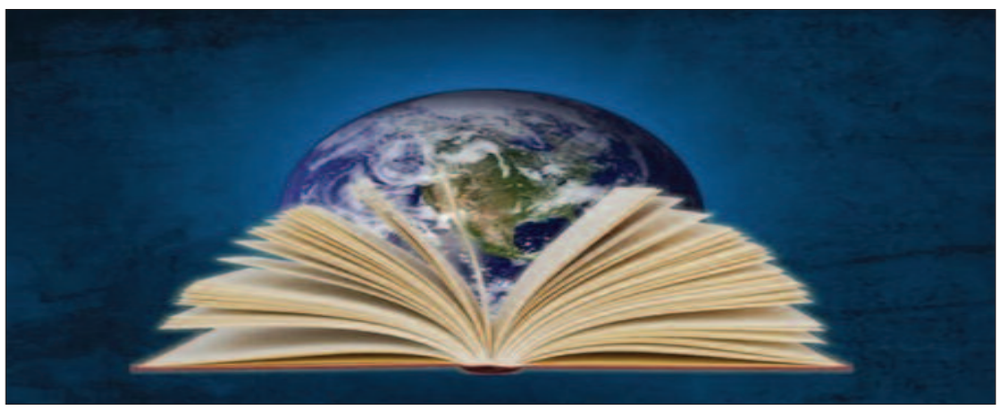

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि ह्यअज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश।ह्ण इसी प्रकार महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं। पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

## बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने-जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता-पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना - अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना

एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट

अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना

बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण

पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत
जी घबराना या उल्टी होना
सांस लेने में तकलीफ
ज्यादा पसीना आना
ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार-बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने-जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए-नए बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

# केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

**दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।**

### मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

### मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

### मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

### सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

### आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

### कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

## केरल में भी हैं जम्मू-कश्मीर जैसी जगहें, जानें कहां और कैसा है वहां का नजारा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में तनाव का माहौल है. कई लोग अब जम्मू-कश्मीर जाने से डर रहे हैं. ऐसे में इस ठंडे राज्य में गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए जिन लोगों ने पहले से टिकट बुक कर रखे थे, उनमें से ज्यादातर लोग अपनी टिकट कैंसिल करा रहे हैं. इन सभी के दिमाग में एक बात जरूर आ रही होगी कि अगर वो जम्मू-कश्मीर की टिकट कैंसिल करा रहे हैं तो इस गर्मी के मौसम में भारत के किस राज्य में जाना बेहतर रहेगा. ऐसे में आज इस खबर के जरिए जानिए कि गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए भारत में कौन सी जगह सबसे अच्छी रहेगी...

केरल के वायनाड जिले में स्थित कलपेट्टा नामक इलाका बेहद शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर जगह है. यह जगह आपको बेहद पसंद आएगी. प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह हिल स्टेशन पर्यटकों को एक नया अनुभव देता है. आइए अब इस जगह के बारे में पूरी जानकारी जानते हैं.

केरल के बारे में सोचते ही सबसे पहले उनके दिमाग में मुन्नार या थेक्कडी जैसी जगहें आती हैं. दरअसल, ये दोनों ही जगहें लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं. लेकिन केरल में और भी कई नई और अनोखी जगहें . इनमें से एक है कलपेट्टा. जी हां ! हममें से कई लोगों ने अब तक कलपेट्टा के बारे में नहीं सुना होगा. लेकिन यह एक ऐसी जगह है जो लोगों के दिलों को मोह लेती है. यह ऊंची पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों का एक सुंदर मिश्रण दृश्य प्रस्तुत करता है.

कलपेट्टा केरल के वायनाड जिले में स्थित एक जगह है. यहां चारों तरफ हरे-भरे पेड़ और प्राकृतिक सुंदरता है. यहां जाने वाले हर व्यक्ति के लिए यह एक अच्छा अनुभव होगा. यह बहुत ही शांत वातावरण वाली जगह है. यह समुद्र तल से लगभग 780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. पश्चिमी घाटों के बीच स्थित इस जगह पर मौसम हमेशा ठंडा रहता है. गर्मियों में भी ठंड कभी कम नहीं होती. यही कारण है कि यह पूरे साल घूमने के लिए एक आदर्श जगह है.

कलपेट्टा के आसपास मेप्पाडी नामक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चाय के बागान हैं. इन हरे-भरे क्षेत्रों के बीच घूमना एक अद्भुत एहसास देता है. हर पर्यटक इनके बीच के रास्तों पर घूमना और फोटो लेना पसंद करता है. कलपेट्टा से 15 किमी दूर एक खूबसूरत झील है. वहां नाव से यात्रा करना और पक्षियों को देखना बहुत आनंददायक है. इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है. यह प्राकृतिक झील समय बिताने के लिए एक शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करती है.

यदि आप कहीं ठंडी जगह जाना चाहते हैं, चाहे गर्मी की छुट्टियों में या मानसून के मौसम में, तो कलपेट्टा सबसे अच्छा विकल्प है. यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जिसकी प्राकृतिक सुन्दरता के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है. यदि आप कुछ नया देखना चाहते हैं और यातायात और अराजकता से दूर एक शांत, ठंडी जगह में समय बिताना चाहते हैं, तो आपको निश्चित रूप से कलपेट्टा की यात्रा करनी चाहिए.

# रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे, बदलाव देख रह जाएंगे हैरान

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी

आंवला पाउडर - 1 चम्मच सूखा
जीरा पाउडर - 1 चम्मच भुना हुआ
पानी - 1 गिलास गुनगुना

इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

### पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

### इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

### वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

## भारतीय रियल एस्टेट में पूंजी निवेश बढ़कर रिकॉर्ड 5.1 अरब डॉलर- सीबीआरई

### बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर ने आकर्षित किया सर्वाधिक पूंजी

**नई दिल्ली ।**

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र ने जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में रिकॉर्ड पूंजी निवेश आकर्षित किया है। रियल एस्टेट सलाहकार सीबीआरई की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में कुल 5.1 अरब डॉलर (लगभग 42,500 करोड़ रुपये) का निवेश हुआ, जो सालाना आधार पर 72 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। यह आंकड़ा पिछली तिमाही और पिछले वर्ष की समान अवधि के निवेश से काफी अधिक है, जो क्षेत्र के बढ़ते आत्मविश्वास को रेखांकित करता है। सीबीआरई की भारत बाजार निगरानी, पहली तिमाही 2026 निवेश रिपोर्ट बताती है कि इस रिकॉर्ड पूंजी प्रवाह में डेवलपर्स की अहम हिस्सेदारी (लगभग 42 फीसदी) रही, जिसके बाद रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (रीट) का स्थान रहा, जिन्होंने किराये पर देने वाले कार्यालयों और खुदरा परिसंपत्तियों के अधिग्रहण एवं निर्माण में लगभग 40 फीसदी निवेश किया। उल्लेखनीय है कि कुल निवेश का 96 प्रतिशत हिस्सा घरेलू निवेशकों से आया, जिसमें डेवलपर्स की भूमिका प्रमुख रही। भौगोलिक रूप से, बेंगलुरु, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर ने संयुक्त रूप से कुल निवेश का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा आकर्षित किया। सीबीआरई के एक अे धिकारी ने इस वृद्धि को भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में घरेलू और संस्थागत निवेशकों के उच्च विश्वास का प्रमाण बताया, जो भारत की मजबूत आर्थिक संरचना को दर्शाता है।

## पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र योजना, अब 115 महीने में करें अपनी पूंजी दोगुनी

### 7.5 फीसदी की सालाना ब्याज दर से पाएं आकर्षक रिटर्न, सिर्फ 1000 रुपये से शुरुआत

**नई दिल्ली ।** शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव और जोखिमों से दूर, सुरक्षित निवेश की तलाश कर रहे लोगों के लिए पोस्ट ऑफिस की किसान विकास पत्र (केवीपी) च्योजना एक भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरी है। भारत सरकार द्वारा 100 फीसद ी समर्थित यह स्कीम, निवेशकों को तय समय में अपनी पूंजी दोगुनी करने का सुनहरा अवसर प्रदान करती है, वो भी बिना किसी बाजार जोखिम के। केवीपी की सबसे बड़ी खासियत इसका गारंटीड रिटर्न है। मौजूदा ब्याज दरों के अनुसार इसमें निवेश किया गया पैसा लगभग 115 महीने यानी 9 साल 7 महीने में दोगुना हो जाता है। उदाहरण के लिए, यदि आप इसमें 5 लाख रुपये का निवेश करते हैं, तो परिपक्वता अवधि पूरी होने पर आपको लगभग 10 लाख रुपये मिलेंगे। यह सुविधा इसे दीर्घकालिक और सुरक्षित बचत के लिए अत्यंत लोकप्रिय बनाती है। वर्तमान में, किसान विकास पत्र पर 7.5 फीसदी की सालाना ब्याज दर मिल रही है, जो कई पारंपरिक निवेश विकल्पों जैसे फिक्स्ड डिपॉजिट की तुलना में अधिक आकर्षक है। इस योजना में निवेश की शुरुआत मात्र 1,000 रुपये से की जा सकती है, जबकि इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। इससे छोटे से छोटे निवेशक से लेकर बड़े निवेशक तक, सभी अपनी वित्तीय क्षमता के अनुसार लाभ उठा सकते हैं। कोई भी वयस्क भारतीय नागरिक अकेले या संयुक्त रूप से केवीपी खाता खोल सकता है। माता-पिता अपने बच्चों के नाम पर भी इसमें निवेश कर सकते हैं। इसमें नॉमिनेशन की सुविधा भी उपलब्ध है, जो भविष्य में राशि प्राप्त करना आसान बनाती है। निवेशक देश के किसी भी पोस्ट ऑफिस से यह खाता खोल सकते हैं और जरूरत पड़ने पर इसे दूसरे पोस्ट ऑफिस में ट्रांसफर भी कराया जा सकता है। केवीपी में लगभग 2.5 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जिसके बाद निवेशक जरूरत पड़ने पर अपना पैसा निकाल सकते हैं। इसके अतिरिक्त केवीपी सर्टिफिकेट को बैंक में गिरवी रखकर लोन लेने की सुविधा भी मिलती है, जिससे आकस्मिक वित्तीय जरूरतों को पूरा किया जा सकता है, वहीं आपका मूल निवेश सुरक्षित बना रहता है। ये विशेषताएं केवीपी को उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाती हैं जो सुरक्षित, भरोसेमंद और स्थिर रिटर्न वाले निवेश की तलाश में हैं।

# शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

## सेंसेक्स 756, निफ्टी 198 अंक गिरा

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 756.84 अंक टूटकर 78,516.49 पर बंद हुआ। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 198.50 अंक नीचे आकर 24,378.10 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह 831 अंक की गिरावट के साथ सेंसेक्स 79,019.34 पर खुला था। वहीं निफ्टी 224 अंक नीचे आकर 24,470.85 पर खुला।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजार सूचकांक का प्रदर्शन अच्छा रहा। ।

निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स और निफ्टी मिडकैप में बढ़त रही। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मीडिया, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी फार्मा में भी तेजी रही जबकि निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा 3.89 फीसदी की गिरावट आई।

इसके बाद निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.87 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 0.73 फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.66 फीसदी की गिरावट रही।

दूसरी ओर निफ्टी में टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, एचयूएल, एनटीपीसी, टीएमपीवी, हिंडाल्को, अदाणी इंटरप्राइजेज, इटरनल और नेस्ले इंडिया के शेयरों में तेजी रही।

एचसीएल टेक के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। इसके साथ ही इंफोसिस, एमएंडएम, टीसीएस, टेक महिंद्रा, बजाज-ऑटो, मैक्सहेल्थ, एचडीएफसी लाइफ और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी 3-1.5 गिरावट आई।जानकारों के अनुसार ये गिरावट अमेरिकी-ईरान में तनाव बने रहने और होर्मुज को लेकर संघर्ष बढ़ने से आई है।

## रुपया 31 पैसे टूटकर 93.75 प्रति डॉलर पर

### रुपया पिछले कारोबारी दिन 93.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

**मुंबई ।**

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में लगातार तीसरे सत्र में कमजोर बना रहा और 31 पैसे टूटकर 93.75 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पश्चिम एशिया शांति समझौते को लेकर अनिश्चितताओं के बीच कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी ने भारतीय मुद्रा पर और दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.69 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में 93.76 तक लुढ़क गया। बाद में यह 93.75 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 28 पैसे की गिरावट के साथ 93.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

## आरबीआई गवर्नर ने विदेशी निवेशकों को किया आश्वस्त, भारत की आर्थिक बुनियाद मजबूत

### अल्पकालिक उतार-चढ़ाव पर केंद्रीय बैंक करीब से रख रहा है नजर

न्यूयॉर्क । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने न्यूयॉर्क में विदेशी निवेशकों को आश्वस्त किया है कि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) निकासी और विनिमय दर में बदलाव जैसे अल्पकालिक उतार-चढ़ाव चक्रीय प्रकृति के होते हैं और इन पर केंद्रीय बैंक करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने नियामकीय ढांचे को सरल बनाने, कारोबार सुगमता बढ़ाने, विदेशी निवेशकों के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करने और घरेलू व विदेशी बाजारों के एकीकरण को मजबूत करने के लिए जारी सुधारों का भी उल्लेख किया। गवर्नर मल्होत्रा ने यह बात न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा हाल ही में आयोजित एक गोलमेज बैठक में कही। इस महत्वपूर्ण सत्र में वित्तीय संस्थानों, निवेश कंपनियों और नीतिगत क्षेत्र से जुड़े 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें बैंक, परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां, फैमिली ऑफिस, कैपिटल मैनेजमेंट कंपनी, संस्थागत निवेशक और धन प्रबंधक शामिल थे। सत्र के दौरान, आरबीआई की मुख्य महाप्रबंधक डिंपल भांडिया ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें देश की मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद, स्थिर वित्तीय क्षेत्र और सुसंगत नीतिगत ढांचे को रेखांकित किया गया। उन्होंने भारत को सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बताया और आने वाले वर्ष में वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में उसकी प्रगति को भी दर्शाया। चर्चा के दौरान, निर्धारित सीमा के भीतर कम मुद्रास्फीति, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग 1.1 प्रतिशत का प्रबंधनीय चालू खाता घाटा और 700 अरब अमेरिकी डॉलर का मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार जैसे प्रमुख आर्थिक संकेतकों पर विशेष प्रकाश डाला गया, जो भारत की आर्थिक स्थिरता और आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में उसकी स्थिति को पुष्ट करते हैं।

# गेल इंडिया का अत्याधु निक एलएनजी पोत एनर्जी फिडेलिटी भारत रवाना

### 1.74 लाख घन मीटर क्षमता का यह पोत दोनों देशों के मजबूत ऊर्जा संबंधों का प्रतीक

**ह्यूस्टन।**

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी प्राकृतिक गैस कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड का अत्याधुनिक एलएनजी मालवाहक पोत 'एनर्जी फिडेलिटी' 20 अप्रैल को अमेरिका के साबाइन पास टर्मिनल से भारत के लिए रवाना हो गया है।

1,74,000 घन मीटर क्षमता वाला यह पोत देश की ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गेल ने एक बयान में बताया कि पोत के प्रस्थान समारोह की अध्यक्षता ह्यूस्टन (टेक्सास) में भारत के महावाणिज्य दूत डी. सी. मंजूनाथ ने की।

मंजूनाथ ने इस अवसर पर कहा कि यह समारोह भारत-अमेरिका ऊर्जा साझेदारी के मजबूत और बढ़ते संबंधों का प्रतीक है, जो विश्वसनीयता, नवाचार और दीर्घकालिक सुरक्षा जैसी साझा प्राथमिकताओं पर आधारित है। उन्होंने जोर दिया कि यह भारत के 3टी व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन पर केंद्रित दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो ऊर्जा सुरक्षा के साझा लक्ष्यों पर आधारित सहयोग को दर्शाता है। एनर्जी फिडेलिटी गेल के भविष्य-उन्मुख शिपिंग बेड़े का एक प्रमुख हिस्सा है। अधिकतम दक्षता के लिए डिज़ाइन किया गया यह पोत उन्नत एयर लुब्रिकेशन सिस्टम और विशेष प्रणोदन प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है, जिससे समुद्री यात्रा के दौरान कार्बन उत्सर्जन काफी कम होता है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार यह उन्नत एलएनजी पोत भारत को एक मजबूत और

भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा प्रणाली बनाने की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है, जो देश की वृद्धि को समर्थन देने के लिए स्वच्छ ईंधन की स्थिर एवं विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करेगा।

इसकी तैनाती भारत के मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047 का भी समर्थन करती है, जिसका उद्देश्य एक विश्वस्तरीय और टिकाऊ बेड़ा तैयार कर देश को गैस-आधारित आर्थिक गतिविधियों की ओर अग्रसर करना है। गेल के लिए, 'एनर्जी फिडेलिटी' केवल एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि भारत की आंतरिक विकास यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

# खुलासा 500 का नोट छापने में सरकार को आता है सिर्फ 2.29 रुपए का खर्च!

### भारतीय रिजर्व बैंक ने साझा की अहम जानकारी, जानें नोटों की छपाई की पूरी प्रक्रिया और वास्तविक लागत

**नई दिल्ली ।**

रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाले 500 रुपए के नोट की असली लागत कितनी है? यह सवाल अक्सर लोगों के मन में आता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में इस जिज्ञासा को शांत करते हुए नोटों की छपाई से जुड़ी अहम जानकारी साझा की है।

इसके अनुसार, 500 रुपए का एक नोट बनाने में सरकार को बेहद कम खर्च उठाना पड़ता है, जो उम्मीद से कहीं ज्यादा किफायती है।

आरबीआई ने न केवल छपाई की लागत बताई है, बल्कि नोटों के बाजार में आने से लेकर पुराने नोटों के निस्तारण तक की पूरी प्रक्रिया का भी विवरण दिया है। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, 500 के एक नोट को छापने में मात्र 2.29 रुपए का खर्च आता है।

यह लागत विभिन्न सुरक्षा विशेषताओं और गुणवत्ता को बनाए रखने के बावजूद काफी कम है। अन्य नोटों की बात करें तो, 200 के नोट पर लगभग 2.37, 100 के नोट पर 1.77 रुपए और 10 व 20 जैसे छोटे नोटों पर करीब 95 पैसे का खर्च आता है। नोट बनाने की यह प्रक्रिया किसी भी सामान्य छपाई से काफी अलग और सुरक्षित होती है। नोटों की छपाई के लिए पहले उनका डिजाइन, रंग और सुरक्षा फीचर्स तय किए जाते हैं। इसके बाद विशेष प्रकार के कागज और स्याही का इस्तेमाल होता है, जो नोटों को विशिष्ट पहचान और

सुरक्षा प्रदान करते हैं। भारत में नोटों की छपाई चार हाई-सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस में होती है- महाराष्ट्र के नासिक, मध्य प्रदेश के देवास, कर्नाटक के मैसूर और पश्चिम बंगाल के सालबोनी।

## अजंता फार्मा के पैठण प्लांट पर यूएसएफडीए की तलवार, निरीक्षण में 5 आपत्तियां

### पैठण विनिर्माण इकाई में 13 से 21 अप्रैल 2024 तक चला था अमेरिकी नियामक का निरीक्षण

**नई दिल्ली।** भारतीय फार्मा कंपनी अजंता फार्मा को अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक यूएसएफडीए (यूएसएफडीए) से एक महत्वपूर्ण सूचना मिली है। नियामक ने महाराष्ट्र के पैठण स्थित उसके विनिर्माण संयंत्र के हालिया निरीक्षण के बाद फॉर्म-483 जारी किया है, जिसमें पांच आपत्तियां दर्ज की गई हैं। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह निरीक्षण 13 अप्रैल से 21 अप्रैल 2024 तक चला था। निरीक्षण पूरा होने के बाद यूएसएफडीए ने अजंता फार्मा को फॉर्म-483 जारी किया, जिसमें विनिर्माण प्रक्रियाओं से संबंधित कुल पांच आपत्तियां दर्ज की गई हैं। अजंता फार्मा ने आश्वस्त किया है कि वह इन टिप्पणियों पर निर्धारित समयसीमा के भीतर अमेरिकी नियामक को विस्तृत जवाब प्रस्तुत करेगी और सभी आवश्यक सुधारवादी कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि यूएसएफडीए फॉर्म-483 किसी भी दवा कंपनी को तब जारी करता है, जब उसके निरीक्षक को खाद्य, औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम और संबंधित कानूनों के संभावित उल्लंघन से जुड़ी स्थितियां या कमियां मिलती हैं। यह आमतौर पर अच्छी विनिर्माण प्रथाओं के पालन में संभावित खामियों को इंगित करता है।

## अक्षय तृतीया पर महिंद्रा ने बनाया कीर्तिमान.. एक दिन में 610 से अधिक ईवी की ब्रिकी की

**मुंबई।**

भारतीय वाहन बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता के बीच महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अक्षय तृतीया के शुभ मौके पर एक नया कीर्तिमान बनाया है। कंपनी ने एक ही दिन में 610 से अधिक इलेक्ट्रिक एसयूवी की डिलीवरी कर बता दिया कि ग्राहकों के बीच उसकी इलेक्ट्रिक वाहनों की श्रृंखला को लेकर जबरदस्त उत्साह है।

यह उपलब्धि केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलती ग्राहक पसंद और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेजी से बढ़ते रुझान का स्पष्ट संकेत है। महिंद्रा ने यह जानकारी साझा की, जिसमें बताया गया कि इस खास दिन पर महिंद्रा बीई6, महिंद्रा एक्सईवी 9ई और महिंद्रा एक्सईवी 9एस जैसे मॉडलों की सबसे ज्यादा मांग रही। इसके पहले भी कंपनी उगादी के मौके पर एक दिन में 600 से अधिक इलेक्ट्रिक एसयूवी ग्राहकों तक पहुंचा चुकी है, जिससे ग्राहकों के मजबूत भरोसे और कंपनी की इलेक्ट्रिक रणनीति की सफलता का पता चलता है।महिंद्रा की इस उपलब्धि को और भी खास बनाता है, जब प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के मासिक बिक्री आंकड़ों से तुलना की जाती है। मार्च 2026 में हुंडई मोटर इंडिया ने 508, किआ इंडिया ने 469 और बीवाईडी ने 428 इलेक्ट्रिक वाहन की ब्रिकी की थी, जबकि महिंद्रा ने केवल मार्च महीने में ही 5461 इलेक्ट्रिक एसयूवी बेचकर करीब 71 प्रतिशत की मासिक वृद्धि हासिल की, जो इस क्षेत्र में उसकी मजबूत पकड़ को दिखाता है।

इस सफलता का सबसे बड़ा कारण महिंद्रा की आधुनिक इलेक्ट्रिक श्रृंखला है, जिसमें बीई6, विशेष संस्करण बीई6 फॉर्मूला ई, एक्सईवी 9ई, एक्सईवी 9ई सिनेलक्स और हाल ही में शामिल एक्सईवी 9एस जैसे मॉडल शामिल हैं। ये सभी मॉडल आधुनिक प्लेटफॉर्म पर आधारित हैं, जो दमदार लुक, आकर्षक डिजाइन और विभिन्न क्षमता वाले बैटरी विकल्पों के साथ ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करते हैं। महिंद्रा आने वाले समय में अपनी इलेक्ट्रिक श्रृंखला को और विस्तारित करने की तैयारी में है, जिसमें बीई 07 और एक छोटे आकार की इलेक्ट्रिक एसयूवी जैसे नए मॉडल शामिल हो सकते हैं।

## एसीएमई सोलर ने राजस्थान में दो गीगावाट से अधिक बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता चालू की

### कंपनी ने 2027 तक 10 गीगावाट क्षमता चालू करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा

**नई दल्ली ।**

एसीएमई सोलर ने बुधवार को घोषणा की कि उसने राजस्थान में 2 गीगावाट-घंटे (जीडब्ल्यूएच) से अधिक बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) क्षमता को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। इस उपलब्धि के साथ, कंपनी भारत की उन पहली नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों में शामिल हो गई है जिसने इतनी बड़ी ऊर्जा भंडारण क्षमता हासिल की है। कंपनी का लक्ष्य 2027 तक अपनी बीईएसएस क्षमता को बढ़ाकर 10 जीडब्ल्यूएच करना है। राजस्थान में विभिन्न अनुषंगी कंपनियों के अंतर्गत, एसीएमई सोलर की कुल परिचालन बीईएसएस क्षमता अब 591.18 मेगावाट/2031.24 मेगावाट-घंटा हो गई है। ये बीईएसएस परियोजनाएं ग्रिड की विश्वसनीयता बढ़ाने, बिजली उपयोग को बेहतर बनाने और ऊर्जा आपूर्ति एवं मांग के बीच संतुलन सुनिश्चित करके समग्र ग्रिड स्थिरता में सुधार के लिए तैयार की गई हैं।

एसीएमई सोलर के पास वर्तमान में सौर, पवन, ऊर्जा भंडारण और हाइब्रिड समाधान सहित 8,071 मेगावाट का एक विविध पोर्टफोलियो है। कंपनी की अनुबंधित परिचालन क्षमता 2,990 मेगावाट है, जिसमें 2.0 गीगावाट बीईएसएस भी शामिल है।

इसके अलावा, 5,081 मेगावाट की अनुबंधित क्षमता निर्माणाधीन है, जिसमें 15 गीगावाट बीईएसएस स्थापना शामिल है।

बिजली खरीद समझौतों के साथ निर्माणाधीन परियोजनाओं का इसका खंड 3,280 मेगावाट का है।

## 1800 करोड़ के भुगतान से एनएसई आईपीओ का रास्ता साफ

### सेबी के विशेषज्ञ पैनल ने प्रमुख नियामकीय मामलों को सुलझाने के प्रस्ताव को दी मंजूरी

**नई दिल्ली।**

लंबे समय से प्रतीक्षित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बहुप्रतीक्षित आईपीओ अब जल्द ही शेयर बाजार में दस्तक दे सकता है। बाजार नियामक सेबी (सेबी) के एक विशेषज्ञ पैनल ने एनएसई के प्रमुख नियामकीय मामलों को करीब 1800 करोड़ रुपये का भुगतान कर सुलझाने के प्रस्ताव को अपनी हरी झंडी दे दी है। इस मंजूरी से दुनिया के सबसे बड़े डेरिवेटिव्स एक्सचेंज के आईपीओ का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है, जो गवर्नेंस से जुड़े विवादों के कारण लगभग एक दशक से अटका हुआ था। एक रिपोर्ट के अनुसार सेबी ने एक बाहरी पैनल का गठन किया था, जिसने एनएसई को अपने पुराने कानूनी मामलों को सुलझाने के लिए 1800 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक भुगतान करने का सुझाव दिया था।

एनएसई पर गवर्नेंस में कमी और सभी ट्रेडिंग सदस्यों को समान अवसर न देने जैसे आरोप लगे थे, जिसके चलते यह आईपीओ अक्टूबर 2016 में ड्राफ्ट दस्तावेज जमा करने के बावजूद लगभग 10 साल से अटका हुआ था। कोलोकेशन मामले और तकनीकी सिस्टम व आंतरिक नियंत्रणों में खामियां भी इसकी प्रमुख वजहें थीं। पिछले एक साल में एनएसई ने कई कानूनी मामलों को निपटाया है और अब मार्च तिमाही के नतीजों के बाद अगले महीने के अंत तक आईपीओ के लिए आवेदन कर सकता है। सेबी भी जल्द ही भुगतान के लिए डिमांड लेटर जारी करेगा, जिसके बाद सेटलमेंट को अंतिम रूप दिया जाएगा। एनएसई ने अपने आईपीओ प्रबंधन के लिए रिकॉर्ड 20 बैंकों को नियुक्त किया है। भारत के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज होने के साथ-साथ, एनएसई देश की सबसे बड़ी गैर-सूचीबद्ध कंपनी भी है जिसके लगभग 1,90,000 निवेशक हैं। इन मौजूदा निवेशकों को आईपीओ में अपने शेयर बेचने के लिए 27 अप्रैल तक रुचि जताने का निमंत्रण भेजा गया है।

# ईरान तनाव से कच्चा तेल और डॉलर मजबूत, गैस सस्ती

### होरमुज में गतिरोध और अमेरिका-ईरान वार्ता टूटने से अनिश्चितता बढ़ी

**नई दिल्ली ।**

ईरान से जुड़ा बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव वैश्विक बाजारों में बड़ी हलचल पैदा कर रहा है। इसके चलते कच्चे तेल के दाम आसमान छू रहे हैं, डॉलर मजबूत हो रहा है,

जबकि प्राकृतिक गैस की कीमतों में गिरावट दर्ज की जा रही है। ईरान से तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें 89 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बनी हुई हैं, जिसमें हाल ही में 2 फीसदी से अधिक की तेजी आई।

वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग होरमुज जलडमरूमध्य में व्यवधान और अमेरिका-ईरान वार्ता के टूटने से बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति से रोजाना 4-5 मिलियन बैरल तेल की मांग प्रभावित हो सकती है, जिसका सबसे ज्यादा असर एशिया पर दिखेगा। इस माहौल में डॉलर इंडेक्स 98.3 के पार मजबूत बना हुआ है, क्योंकि निवेशक अनिश्चितता के बीच इसे सुरक्षित निवेश मान रहे हैं।

फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक नीति के संकेत भी डॉलर को सहारा दे रहे हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में प्राकृतिक गैस की कीमतें 2.67 डॉलर गिर गई हैं। उच्च एलएनजी आपूर्ति, औसत से 7 फीसदी अधिक भंडार और गर्म मौसम से कम मांग के कारण गैस की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। बाजारों में डर और सतर्कता स्पष्ट नजर आ रही है।

# आईपीएल में आज होगा सीएसके और मुम्बई इंडियंस में मुकाबला

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** मुम्बई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग के इस 19 वे सत्र में दो पूर्व चैम्पियनों चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुम्बई इंडियंस के बीच गुरुवार को यहां के वानखेड़े स्टेडियम में मुकाबला होगा। इस सत्र में इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य ये मैच जीतना रहेगा। मुम्बई की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी। ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इस सत्र में दोनो ही टीमों ने अब तक छह में से केवल दो-दो मुकाबले ही जीते है। मुंबई इंडियंस को तीन मैचों में उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा है हालांकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिछले मैच में तिलक वर्मा के शानदार शतक से उसे जीत मिली थी जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे टीम अंक तालिका में 7वें स्थान पर है। वहीं सीएसके 8वें स्थान पर है। मुम्बई की बल्लेबाजी तिलक के अलाव सूर्यकुमार यादव और कप्तान हार्दिक पंड्या पर आधारित रहेगी। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा फिट नहीं होने के कारण इस मैच में भी नहीं खेलेंगे जिससे भी टीम को झटका लगा है। टीम की गेंदबाजी भी इसबार प्रभावी नहीं रही है। मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस बार असफल रहे हैं, इससे भी टीम की चिन्ताएं बढ़ी हैं। वहीं सीएसक की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी ओर गेंदबाजी भी अच्छी नहीं रही है हालांकि इस मैच में अनुभवी पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की वापसी की संभावनाओं को लेकर टीम में उत्साह है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब फार्म से टीम की परेशानी बढ़ी है। अब तक उसकी ओर से केवल संजू सैमसान ने दो अर्धशतक लगा पाये हैं। ऐसे में उनसे इस मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। गेंदबाजी की कमान अंशुल कंबोज के पास रहेगी। कंबोल ने इस सत्र में सबसे अधिक 13 विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ऐसे में मुम्बई के बल्लेबाजों को उनसे सावधान रहना होगा। दोनो टीमों के आंकड़ों पर नजर डालें तो इनमें कुल 39 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 21 मैच जीते हैं, जबकि सीएसके ने 18 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो मुकाबला करीबी रहा है। मुम्बई की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है, ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनना तय है।

### टीम इस प्रकार है

**चेन्नई सुपर किंग्स-** रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), उर्विल पटेल, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, शिवम दुबे, एमएस धोनी, जेमी ओवरटन, अकील होसेन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद।

इम्पैक्ट प्लेयरः गुरजापनीत सिंह

**मुंबई इंडियंस-** हार्दिक पंड्या (कप्तान), दानिश मालेवार, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), नमन धीर, सूर्यकुमार यादव,तिलक वर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, मिशेल सेंटनर, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर।

इम्पैक्ट प्लेयरः अश्वनी कुमार

# धोनी वापसी के लिए तैयार नजर आ रहे, बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग का किया अभ्यास

**मुम्बई (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब गुरुवार को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मैच में वापसी कर सकते हैं। इसका संकेत इससे मिलता है कि धोनी ने गत दिवस वानखेड़े स्टेडियम में जमकर विकेटकीपिंग का अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने नेट्स में बल्लेबाजी की। धोनी के अलावा सरफराज खान और उर्विल पटेल ने भी अभ्यास किया। आयुष म्हात्रे के टूर्नामेंट से बाहर होने के कारण इस मैच में युवा उर्विल को भी अवसर मिल सकता है। धोनी ने अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं खेला है। जिससे सीएसके का प्रदर्शन बेहद खराब हुआ है। अभी टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर है और उनका नेट रन रेट भी निगेटिव है। ऐसे में अगर धोनी को टीम में जगह मिलती है तो ये टीम के लिए फायदेमंद होगा। धोनी निचले क्रम में छोटी-छोटी पारियां खेलते हैं, तो यह सीएसके के लिए बड़ा फायदमंद होगा कयोंकि इस सत्र में सीएसके की बल्लेबाज काफी कमजोर रही है। .वहीं मुंबई इंडियंस की ओरे इंग्लैंड के विल जैक्स भी टीम में वापसी करेंगे। जैक्स ने निजी कारणों से अब तक के मैच नहीं खेले थे। इस खिलाड़ी के आने से मुंबई इंडियंस को लाभ होगा। इस मैच में अगर रोहित शर्मा नहीं खेलते हैं, तो जैक्स को क्विंटन डिकॉक के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है।

# भारतीय मूल के यूएई के क्रिकेटर यशराज ने डेब्यू मैच में किया प्रभावित

नई दिल्ली । आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे भारतीय मूल के यूएई के क्रिकेटर यश राज पुंजा ने पहले ही मैच में अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। यश राज को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था। यश राज ने अपने डेब्यू मैच में कोलकाता नाइटराइडराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उन्होंने चार ओवरों में एक विकेट लिया। यश राज के भाई योधिन ने भी यूएई की ओर से सबसे कम उम्र में जूनियर स्तर पर खेला है पर उसे चोटिल होने के कारण खेल छोड़ना पड़ा था। ऐसे में यश के माता-पिता नहीं चाहते थे कि वह क्रिकेट खेलें पर अपनी जिद से यश ने आईपीएल तक का सफर तय किया है। यश ने अबु धाबी में क्रिकेट खेलने की शुरुआत की थी। वह पहले तेज गेंदबाज थे पर बाद में भाई की सलाह के बाद लेग-स्पिनर बन गये। इससे उन्हें काफी फायदा हुआ। उनकी गेंदों में उछाल ओर विविधता है जिसका सामना करना किसी भी बल्लेबाज के लिए परेशानी भरा है। यश साल 2023 में क्रिकेट में कैरियर बनाने भारत आ गये। इसके बाद उन्होंने बेंगलुरु स्थित राहुल द्रविड़ एकेडमी में प्रवेश ले लिया। दो साल के बाद ही साल 2025 में हुए महाराजा टी-20 ट्रॉफी में इस क्रिकेटर ने 10 मैच में 7.45 की इकॉनमी रेट से 23 विकेट लिए और दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गये। इसके बाद यश राज को नेट गेंदबाज के तौर पर आईपीएल में अवसर मिल गया। .जिस प्रकार से ये खिलाड़ी निखर रहा है उससे भविष्य में इसके स्टार खिलाड़ी के तौर पर उभरने की संभावना है।

# अब तक खेलने का अवसर नहीं मिलने से निराश नहीं हैं होल्डर

**मुम्बई (एजेंसी)।** आईपीएल में गुजरात टाइटंस टीम में शामिल वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा है कि अब तक अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से निराश नहीं हैं। होल्डर ने कहा है कि वह अपनी ओर से पूरी तरह तैयार हैं और जो भी अवसर मिलेगा उसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगे। होल्डर के अनुसार उनका मुख्य काम केवल अपने को तैयार रखना है। अंतिम ग्यारह में किसे अवसर मिलता है ये उसका काम नहीं है।

वहीं होल्डर को अब तक अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान हैं। इस सत्र में वह अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाये हैं। इस क्रिकेटर ने कहा , कब खेलना है, कौन खेलेगा इन बातों में वह नहीं पड़ते। उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम की जरूरतें उनके लिए सबसे ऊपर हैं और वह किसी भी भूमिका के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। चाहे वह बल्लेबाजी क्रम में कोई भी स्थान हो या गेंदबाजी में , होल्डर का कहना है कि अब उनका ध्यान हालातों के अनुसार अपेन को ढालने पर है। टीम जहाँ भी उन्हें इस्तेमाल करेगी, वही उनके लिए सही भूमिका होगी।

टाइटंस ने अब तक के मैचों में अन्य विदेशी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है पर इस ऑलराउंडर को अवसर नहीं दिया है। हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली हार के बाद टीम संयोजन में बदलाव की संभावना प्रबल हो गई है, जिससे होल्डर जैसे खिलाड़ियों को मौका मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। होल्डर ने बताया, हारना हमेशा कठिनहोता है, लेकिन हमने ड्रेसिंग रूम में बैठकर सुधार के रास्तों पर चर्चा की है। उन्होंने टीम के साथियों में भरोसा जताते हुए कहा कि वे अगले मैचों में निश्चित रूप से बेहतर प्रदर्शन करेंगे और उनका पूरा ध्यान अब मजबूत वापसी पर केंद्रित है।

# खतरनाक पिच के कारण रद्द हुआ मैच, सील्स नहीं बना पाये रिकार्ड



**जमैका (एजेंसी)।** वेस्टइंडीज में पारी प्रथम श्रेणी क्रिकेट लीग में त्रिनिदाद एंड टोबैगो के युवा तेज गेंदबाज जेडन सील्स के पास 10 विकेट लेने का अवसर था पर वह ये उपलब्धि हासिल नहीं कर पाये। सील्स लीवार्ड आइलैंड की पूरी टीम को अकेले ऑलआउट करने जा रहे थे पर इस मैच को बीच में ही रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इससे सील्स एक ऐतिहासिक रिकार्ड बनाने से रह गया। मैच रद्द होने का कारण पिच का खतरनाक और अप्रत्याशित व्यवहार था, जिसने खिलाड़ियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

यह वाकया लीवार्ड आइलैंड और त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बीच खेला जा रहा था। इसमें लीवार्ड आइलैंड ने अपनी पहली पारी में 131 रन बनाए थे, जिसके जवाब में त्रिनिदाद एंड टोबैगो ने 175 रन बनाकर बढ़त हासिल की। जब लीवार्ड आइलैंड दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी, तो पिच काफी अजीब व्यवहार कर रही थी। गेंद कभी बेहद नीची रहती, तो कभी असामान्य उछाल लेती, जिससे बल्लेबाजों के लिए खेलना बेहद कठिन हो गया था। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के पेसर जेडन सील्स ने कहर बरपाना शुरू कर दिया। पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले सील्स ने दूसरी पारी में अपनी रफ्तार और सटीकता से विरोधी टीम के शुरुआती सात बल्लेबाजों को पवेलियन भेज दिया था। वे अकेले ही पूरी पूरी टीम को आउट करने की ओर बढ़ रहे थे तभी खेल को अचानक रोक दिया गया।

मैच के बीच में रुकने का तात्कालिक कारण एक शॉर्ट पिच गेंद थी, जो लीवार्ड आइलैंड के बल्लेबाज जेरेमिया लुईस के हेलमेट पर जा लगी। गेंद की अप्रत्याशित उछाल ने लुईस को गंभीर रूप से हैरान किया। उन्होंने हेलमेट उतारा और मैदान पर ही गिर गए। इसके बाद उन्होंने निराशा में अपने हेलमेट को पैर से भी मारा, जो पिच की खतरनाक प्रकृति को स्पष्ट रूप से दिखाता था। इससे पहले भी पूरे दिन पिच पर असामान्य उछाल देखने को मिल रहा था, जिसे क्रिकेट में खतरनाक पिच की श्रेणी में रखा गया। ऐसी पिच पर खिलाड़ियों के गंभीर रूप से चोटिल होने का खतरा बहुत अधिक होता है। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मैच के तीसरे दिन ही खेल को रोकने के बाद रद्द कर दिया गया। इस फैसले से सील्स फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पूरी टीम के दस विकेट लेने का रिकार्ड अपने नाम नहीं कर पाये।

# डिविलियर्स ने किया था ताजमहल के सामने प्रपोज

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एबी एबी डिविलियर्स अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण क्रिकेट जगत में छाये रहे हैं। मैदान पर चारों ओर शॉट खेलने के कारण वह मिस्टर 360 के नाम से भी लोकप्रिय रहे हैं। डिविलियर्स ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ये कहते हुए संन्यास ले लिया था कि उन्हें अपने परिवार के साथ समय बिताना है। उन्होंने अपने 14 साल के शानदार करियर में सबसे तेज शतक सहित कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। खेल के साथ ही मैदान के बाहर भी अपने अफेयर ओर शादी के लिए वह चर्चाओं में रहे हैं। इस दौरान भारत से भी उनका जुड़ाव इस कारण रहा कि उन्होंने शादी के लिए आगरा के ताजमहल के सामने प्रपोज किया था1 डिविलियर्स की पत्नी डेनियल डिविलियर्स भी एक सफल उद्यमी और सामाजिक कार्यकर्ता रही हैं। वह प्रिटोरिया में एक इंडोर प्लेग्राउंड और कैफे चलाती हैं। डेनियल अक्सर चैरिटी के कामों में सक्रिय रहती हैं; आईपीएल 2016 के दौरान उन्होंने बच्चों के लिए धन जुटाने के उद्देश्य से शेन वॉटसन के साथ एक गाना भी गाया था, जिससे पता चलता है कि वह सामाजिक जिम्मेदारियों को भी निभाती हैं। डिविलियर्स और डेनियल का अफेयर साल 2007 में हुई, जब डिविलियर्स डेनियल के माता-पिता के होटल में दोपहर के भोजन के लिए गए थे। यहीं पहली बार डिविलियर्स ने डेनियल को देखा और प्रभावित हो गये। कुछ साल बाद, डिविलियर्स के भाई की शादी में दोनों की फिर मुलाकात हुई। इस बार डेनियल की सुरीली आवाज से डिविलियर्स मुग्ध हो गये। इसके बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी और धीरे-धीरे प्यार हुआ। पांच साल तक डेटिंग के बाद इस क्रिकेटर ने डेनियल को प्रपोज कर दिया। डिविलियर्स ने साल 2012 में भारत दौरे के समय आगरा के ताजमहल के सामने घुटनों पर बैठकर डेनियल को शादी के लिए प्रपोज किया था। इस यादगार प्रस्ताव के ठीक एक साल बाद, 30 मार्च 2013 को, दोनों ने उसी होटल में शादी की, जहां उनकी पहली मुलाकात हुई थी। आज इन दोनो के तीन बच्चे अब्राहम डिविलियर्स, जॉन रिचर्ड डिविलियर्स और बेटी येंटे डिविलियर्स हैं। ये जोड़ सुखी जीवन जीत रहा है।

# इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे ड्रेपर , फ्रैंच ओपन से कर सकते हैं वापसी

लंदन। इंग्लैंड के टेनिस स्टार जैक ड्रेपर चोटिल हो गये हैं। इस कारण वह इटली की राजधानी रोम में इसी माह के अंत में शुरुा होने वाले इटालियन ओपन में भी नहीं खेलेंगे। ड्रेपर के घुटने में चोट लगी है। इसी कारण वह मैड्रिड ओपन से भी बाहर हैं। ड्रेपर के नहीं खेलने से उनके प्रशंसकों को निराशा हुई है। ड्रेपर कुछ समय पहले ही हड्डी में चोट से उबरे थे । उस चोट के कारण वही व विंबलडन से भी बाहर रहे थे। अब मैड्रिड के बाद रोम से उनके नाम वापस लेने से उनकी फिटनेस को लेकर चिन्ता जतायी जा रही है हालांकि ये भी कहा जा रहा है कि वह 18 मई से शुरु हो रहे फ्रैच ओपन में खेल सकते हैं। घुटने की समस्या से वह पहले भी परेशान रहे है। इसी के कारण वह मोंटे कार्लो मास्टर्स में भी नहीं खेल पाये थे। इसके अलावा बार्सिलोना में भी क्ले कोर्ट मैच के बीच में ही उन्हें हटना पड़ा था। इससे साफ है कि घुटने की चोट उनके लिए बड़ी परेशानी बन रही है। ड्रेपर ने रोम ओपन से बाहर होने की घोषणा करते हुए कहा, मेरे घुटने की नस में चोट बढ़ जाने के कारण मैं रोम में नहीं खेल पाऊंगा। साथ ही कहा कि मैं इस बार से राहत का अनुभव कर रहा हूं कि मुझे कोई बहुत गंभीर चोट नहीं है और तेजी से सुधार हो रहा है। ऐसे में मुझे उम्मीद है कि मैं फ्रेंच ओपन तक ठीक हो जाउंगा। जिससे मेरा वापसी का इरादा है।



# कप्तान के तौर पर धोनी और रोहित को टक्कर देते नजर आ रहे श्रेयस




मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कप्तानी के आंकड़ों की बात करें तो चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके ) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का रिकार्ड सबसे बेहतर माना जाता है। इन दोनों दिग्गजों ने अपनी-अपनी टीमों को पांच-पांच बार खिताब जिताया है। वहीं अब पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर इन दोनो ही दिग्गजों को टक्कर देते हुए नजर आ रहे हैं। श्रेयस ने अपनी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को जीत दिलायी थी जबकि पिछली बार उनकी कप्तानी में पंजाब उपविजेता रही थी। हाल के आंकड़ों को देखें तो अय्यर कप्तानी के मामले में तेजी से आगे आये है। उन्होंने अब तक कुल 93 आईपीएल मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम ने 55 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि उसे केवल 35 में ही हार मिली है। इस प्रकार उनका जीत का प्रतिशत 59.13 है, जो उन्हें आईपीएल इतिहास के सबसे सफल कप्तानों की सूची में शीर्ष स्तर पर पहुंचा रहा है। उन्होंने केकेआर और पंजाब के अलावा दिल्ली कैपिल्स की भी कप्तानी की है। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को जबकि रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस को चैम्पियन बनाया पर जीत के प्रतिशत के मामले में श्रेयस इन दोनो के करीब पहुंच गये हैं। धोनी और रोहित ने जहां कई साल तक कप्तानी वहीं अय्यर कम समय में ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। श्रेयस एक एक परिपक्क कप्तान नजर आते है। जिस प्रकार उन्होंने साल 2024 में केकेआर की युवा टीम को एकजुट कर विजेता बनाया था उससे पता चलता है कि वह रणनीत बनाने में भी माहिर हैं। जिस प्रकार से वह आगे बढ़ रहे है उससे तय है कि आने वाले समय में वह काफी आगे निकल जाएंगे।

# ला लीगा फुटबॉल में रियल मैड्रिड, बेटिस और एथलेटिक ने अपने-अपने मुकाबले जीते



**मैड्रिड (एजेंसी)।** यहां जारी स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में रियल मैड्रिड, रियल बेटिस और एथलेटिक क्लब ने जीत के साथ ही खिताबी मुकाबले के लिए अपने-अपने कदम बढ़ाये हैं। रियल मैड्रिड ने जहां अलावेस को 2-1 से हराकर, वहीं रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से और एथलेटिक क्लब ने ओसासुना को 1-0 से हराया। अब रियल मैड्रिड और नंबर पर चल रही बार्सिलोना के बीच अंतर कम होकर 6 अंक ही रह गया है। इससे खिताबी दौड़ और कड़े होने के संकेत मिले हैं। अब बार्सिलोना का सामना सेल्टा विगो से होगा और एटलेटिको मैड्रिड एल्चे का सामना करेगा।

मैड्रिड की टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। खेल के 29वें मिनट में ही स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने एक गोल दागकर टी को 1-0 से बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ में भी मैड्रिड हावी रही और विनिसियस जूनियर ने एक गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। अलावेस के लिए टोनी मार्टिनेज ने इंजरी टाइम में एक गोल जरूर किया पर तब तक काफी देर हो गयी थी।

वहीं एक अन्य मुकाबले में, रियल बेटिस ने गिरोना को 3-2 से हराकर सात मैचों के बी पहली जीत दर्ज की। इस मैच में शुरुआती गोल गिरोना के विक्टर त्सिगांकोव ने किया पर बेटिस की ओर से मार्क रोका और अब्दे एजालजौली ने गोल दागकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत से बेटिस की लीग में स्थिति मजबूत हुई है।

एक अन्य मैच में एथलेटिक क्लब ने भी ओसासुना के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। इस जीत उसे उसपर लटक रहा रेलीगेशन का खतरा टल गया। इससे टीम ने तालिका में अपनी स्थिति को और बेहतर की है। टीम के लिए एकमात्र और निर्णायक गोल गोर्का गुरुजेटा ने किया। वहीं, टीम के गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार बचाव करते हुए टीम की जीत पक्की की। की, जिसने मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी ओर, मैलोर्का और वालेंसिया के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। इससे दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला। ।

# तिलक वर्मा ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतकीय पारी का राज खोला, रोहित शर्मा को दिया श्रेय



मुंबई । तिलक वर्मा ने IPL में शतक लगाकर अपनी फॉर्म में लौटने में मदद के लिए रोहित शर्मा को धन्यवाद दिया जिन्होंने मैच की स्थिति के बारे में ज्यादा सोचे बिना पहली 15-20 गेंदें खेलने के लिए कहा था। तिलक ने 101 रन बनाकर मुंबई इंडियंस को 99 रनों की बड़ी जीत दिलाई जिससे मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में गुजरात टाइटंस को हराकर लगातार चार मैच हारने का सिलसिला तोड़ दिया। तिलक का 45 गेंदों पर बनाया गया नाबाद शतक, जिसमें आठ चौके और सात छक्के शामिल थे, एक धीमी शुरुआत के बाद आया जो एक समय 22 गेंदों पर 19 रन बनाकर खेल रहे थे। तिलक ने कहा, 'मैं खास तौर पर रोहित भाई से बात कर रहा था। उन्होंने मुझसे कहा, '15-20 गेंदें खेलो' और 'तुम जानते हो कि तुम क्या कर सकते हो। (रोहित ने कहा) अगर तुम 15 गेंदें खेल लेते हो, तो हर कोई जानता है कि उसके बाद तुम क्या करोगे। बस स्थिति या किसी और चीज पर ध्यान मत दो, 15 गेंदें खेलो और हम देखेंगे कि नतीजा क्या होता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला और मैंने अपने मन में ठान लिया कि मैं 15 गेंदें खेलूंगा और उसके बाद बाकी चीजें देखूंगा। जब मैंने वे 15 गेंदें खेल लीं, तो अपने आप ही वह सहज-ज्ञान आ गया कि अब मुझे मारना है।' तिलक ने कहा कि IPL की खराब शुरुआत के बाद उन्होंने खुद पर कोई दबाव नहीं लिया जिसमें इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 20, 0, 14, 1 और 8 रन बनाए थे। तिलक ने कहा, '(कुछ मैचों में) मुझे विकेट पर ज्यादा समय नहीं मिला और मुझे शुरू से ही तेजी से खेलना पड़ा। कभी-कभी यह मेरे पक्ष में जाता है और कभी-कभी मैं आउट हो जाता हूं, इसलिए मैंने खुद पर ज्यादा (दबाव) नहीं लिया कि मैं अच्छी फॉर्म में नहीं हूं।'

# एकादश से बाहर बैठने का आदी नहीं लेकिन टीम माहौल के मुताबिक ढलना मेरी जिम्मेदारी : वेंकटेश

**बेंगलुरु(एजेंसी)।** वेंकटेश अय्यर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की एकादश में नियमित तौर पर जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन यह हरफनमौला खिलाड़ी टीम की उन परिस्थितियों को भली-भांति समझता है जिनकी वजह से उन्हें बेंच पर बैठना पड़ रहा है। वह टीम मैनेजमेंट द्वारा दी गई भूमिका की स्पष्टता से संतुष्ट हैं। IPL 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के विजयी अभियान का हिस्सा रहे वेंकटेश IPL 2026 से पहले RCB से जुड़े, लेकिन अब तक उन्हें केवल एक ही मैच खेलने का मौका मिला है, क्योंकि बेंगलुरु टीम के शीर्ष और मध्यक्रम में कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

वेंकटेश ने यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में कहा, 'मुझे बाहर बैठने की आदत नहीं है, लेकिन यह एक टीम का माहौल है। एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में जो टीम को सबसे ऊपर रखता है, मेरा कर्तव्य है कि मैं इस माहौल का पालन करूं।' वेंकटेश इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि आरसीबी उस संयोजन में बदलाव करने से हिचकेगी जिसने एक साल पहले उन्हें उनका पहला आईपीएल खिताब दिलाया था। उन्होंने कहा, 'हम गत चैंपियन हैं। खिताब दिलाने वाले संयोजन में बदलाव करना मुश्किल होता है। यह समझदारी भरा कदम नहीं होता। ऐसे में टीम से जुडे नये खिलाड़ी के तौर पर मेरा कर्तव्य है यह समझना कि मैं किस भूमिका में योगदान दे सकता हूं। इसका श्रेय मो (बोबाट), एंडी (फ्लावर) और डीके (दिनेश कार्तिक) को जाता है।'

उन्होंने कहा, 'उन्होंने टीम में मेरी भूमिका को लेकर बातचीत में शानदार स्पष्टता दी है। ईमानदारी से कहूं तो बाहर बैठना मुश्किल है। यह ऐसी चीज है जिसके लिए आप तैयारी नहीं कर सकते। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। यह 'अगर' नहीं बल्कि 'कब' का सवाल है।' RCB ने IPL 2025 से पहले हुई नीलामी में 31 वर्षीय वेंकटेश को सात करोड़ रुपए में खरीदा था, जो इससे पहले चयक्रसे मिले 23.75 करोड़ रुपए की तुलना में काफी कम है। उनकी कीमत में आई गिरावट की तरह उनके लिए ऋष्क्रमें खेलने के मौके भी कम हुए हैं, लेकिन वेंकटेश का मानना है कि इससे उनकी प्रेरणा पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा, 'यह आसान नहीं है, लेकिन प्रेरित रहना बेहद जरूरी है क्योंकि आप आसानी से हताश हो सकते हैं और अपनी कार्यशैली को पीछे छोड़ सकते हैं। इसलिए मैं अपने मन को इस तरह तैयार करता हूं कि मैं हर मैच खेलने वाला हूं। 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के साथ कुछ भी हो सकता है।'

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ड छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

## काकुरो पहेली - 3867

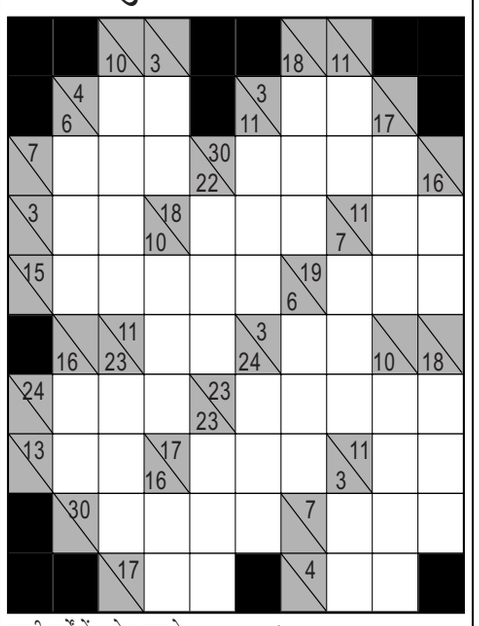

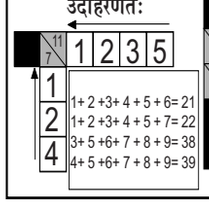

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणत:**

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3866 का हल

## हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- 'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली- 'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा- 'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

## फिल्म वर्ग पहेली- 3867

**बायें से दायें:-**

१. संजीव कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आँखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता की फिल्म-३
१६. शाहरूख, पूजा भट्ट, रम्या की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'सरकाय लेओ' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं लव तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके ब्रजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली राज बब्बर, राखी, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

**ऊपर से नीचे:-**

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरो गाम काथा पारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. डिनो मारिया, बिपाशा बसु की 'रूठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे चेहरे पे' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१२. अमोल, राखी की 'जो राह चुनी तूने राही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, मास्टर सुशांत, रंजना, गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लल्ला लल्ला लोरी दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3866

## सूडोकु -3867

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | | | | 2 | 6 | | 3 |
| | | | 4 | | | | | |
| 1 | 3 | 5 | | 8 | | | | |
| | 2 | | | 1 | | | 7 | 8 |
| | | | | | | | | |
| 6 | 7 | | | 9 | | | 2 | |
| | | | | 6 | | 5 | 9 | 2 |
| | | | | | 3 | | | |
| 2 | | 8 | 5 | | | | 6 | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3866 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 3 | 2 | 9 | 5 | 6 | 1 | 7 | 8 |
| 6 | 8 | 5 | 7 | 1 | 4 | 9 | 2 | 3 |
| 9 | 1 | 7 | 3 | 8 | 2 | 4 | 5 | 6 |
| 3 | 4 | 8 | 6 | 2 | 7 | 5 | 1 | 9 |
| 5 | 6 | 1 | 8 | 4 | 9 | 2 | 3 | 7 |
| 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 | 6 | 8 | 4 |
| 1 | 9 | 3 | 4 | 7 | 5 | 8 | 6 | 2 |
| 8 | 2 | 4 | 1 | 6 | 3 | 7 | 9 | 5 |
| 7 | 5 | 6 | 2 | 9 | 8 | 3 | 4 | 1 |

## शब्द पहेली - 3867

**बाएँ से दाएँ**

2. पिता की बहन-2
5. कठोर-2
7. खून,रुधिर-2
8. मशरुम,फफूंद-3,2
9. इसे मकड़ी बुनती है-2
10. अपशिष्ट पदार्थ-2
11. धैर्य,संयम-2
13. स्फूर्ति,चंचलता-4
15. ओस,निशाजल-4
17. राशि निर्धारण-5
18. हलकापन-5
20. खालीपन,रिक्तता-4
23. स्नान करवाना-4
26. दंड-2
27. कार्य-2
28. कुर्बानी-2
29. कहानी का लेखक-5
30. प्रतिबिंब-2
31. गाना,नगमा-2
32. मां की मां-2

**ऊपर से नीचे**

1. बंदूक की गोली-4
3. व्याकुलता-4
4. दौरान,मध्य में-5
5. सत्ताधारी-4
6. नरम,अकठोर-4
10. शराब,सुरा-2
12. ईश्वर-2
14. गतिशीलता-5
16. नवीन,नया -2,3
19. उद्योगपति अनिल अंबानी की पत्नी का पूर्व नाम-5
20. प्रतिपूर्त व अनुपुर्त करना (अंग्रेजी-4)
21. मवाद-2
22. नाजुकता-4
23. मना करना-4
24. मैं का बहुवचन -2
25. नाकारा,बेकार-4

शब्द पहेली -3866 का हल



# वर्चुअल मेकओवर

**हर** लड़की खूबसूरत दिखना चाहती है, इसके लिए वह ढेरों कॉस्मेटिक यूज भी कर रही है। लेकिन पिछले कुछ सालों में वह मेकअप या हेयर कट करवाने से पहले यह जानना चाहती है कि वह उन पर फबेगा या नहीं। इसी के चलते कई ब्यूटी एक्सपर्ट व कॉस्मेटिक कंपनी ने अपने कस्टमर को रिव्यू लुक दिखाने की पहल की है। मैरीके कॉस्मेटिक कंपनी की मैनेजर हीना नागराजन के मुताबिक, 'आज हर लड़की अपने लुक्स को लेकर कॉन्शियस है। वह बिना जाने कोई प्रॉडक्ट व मेकअप यूज करने से कतराती है। उनकी इसी सोच को देखते हुए वर्चुअल मेकआवर वेबसाइट लॉन्च किए गए हैं, जिसमें कोई भी लड़की खुद मेकअप और हेयर स्टाइल ट्राई कर सकती है।

हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब हेयर कट करने से पहले अपने क्लाइंट को कंप्यूटराइज्ड हेयर कट दिखाते हैं। उसके बाद ही फाइनल करते हैं कि उनके क्लाइंट पर कौन सा कट सूट करेगा। अगर आप खुद देखना चाहती हैं कि आप पर कैसा मेकअप और हेयर कट फबेगा, तो कई वेबसाइट हैं, जो अपने क्लाइंट को वर्चुअल मेकआवर की सुविधाएं दे रही हैं। इन वेबसाइट पर आप खुद अपना मेकअप व हेयर कट कर सकती हैं और मेकआवर के बाद अपनी फोटो अपने दोस्तों को मेल करके उनकी राय भी जान सकती हैं। इसके लिए वर्चुअल वेबसाइट पर जाकर अपनी फोटो डाउनलोड कर लें। फिर अपनी फोटो पर लिपस्टिक, आईलाइनर, मस्कारा, आईशैडो वगैरह ट्राई करें। इनमें कई शेड्स हैं। आप यहां खुद जान सकती हैं कि आप पर डार्क व लाइट मेकअप में क्या सूट करेगा। ब्यूटी एक्सपर्ट गोप्पिका पिल्लई कहती हैं कि कस्टमर कोई भी मेकअप व हेयर कट ट्राई करने से पहले ही रिजल्ट जानना चाहते हैं।

इस कंडीशन में यह सबसे बेस्ट ऑप्शन है। अब खुद अपने लुक और हेयर कट के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। इसके जरिए आप यह भी जान सकते हैं कि आप पर काजल, ब्लशर और लिप लाइनर किस स्टाइल का फबेगा।

इसमें इन्हें चौड़ा व पतला करने के टूल्स भी हैं, जिनके जरिए आप इन्हें कम-ज्यादा कर सकती हैं। फिर देर किस बात की तैयार हो जाइए वर्चुअल मेकआवर के लिए।

# आटे का हलुआ

**सामग्री :** 100 ग्राम गेहूँ का आटा, 100 ग्राम चीनी, 1 बड़ा चम्मच शुद्ध घी, इलायची पावडर, 4-5 केसर के लच्छे, कटा मेवा इच्छानुसार।

**विधि :** कड़ाही में घी गरम करके आटा डालकर मंदी आँच पर गुलाबी होने तक सेकें। अब एक अलग बर्तन में गर्म पानी करके आटे में डाल कर जल्दी-जल्दी चलाएँ। थोड़ा गाढ़ा होने पर चीनी मिलाएँ और चलाएँ।

अब ऊपर इलायची पावडर, मेवा डाल दें। जब हलुआ घी छोड़ दे, तब उतार लें। गर्म गर्म हलुवा परोसें।




RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words



Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

| | | |
|---|---|---|
| Front Page (Semi) - 50% | Island Position - 50% | Strip Advt. - 15% |
| Front Page (Solus) - 75% | Right Hand Page - 10% | Political Advt. - 50% |
| Back Page - 25% | Top of AD Column - 15% | Pull Outs - 50% |
| Page Three - 20% | Any Other Spl. Position - 10% | Discount as per deal |

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस :

# जैकलीन की अप्रूवर बनने की अर्जी पर सुनवाई टली

## अब 8 मई को होगा फैसला

200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस की ओर से सरकारी गवाह (अप्रूवर) बनने के लिए दाखिल अर्जी पर पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी। जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए और समय मांगा है, साथ ही एजेंसी ने जैकलीन की इस अर्जी का विरोध भी किया है।

सुनवाई के दौरान ईडी ने अदालत के सामने कहा कि जैकलीन की ओर से दायर की गई अर्जी आधारहीन है। साथ ही कोर्ट से अतिरिक्त समय की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार किया। इससे पहले पिछली सुनवाई में कोर्ट ने जैकलीन की अर्जी पर ईडी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा हुआ है, जिस पर 200 करोड़ रुपए की ठगी और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर आरोप हैं। इस हाई-प्रोफाइल केस में जैकलीन फर्नांडिस का नाम तब सामने आया था, जब जांच एजेंसी ने दावा किया कि सुकेश ने ठगी के पैसों से उन्हें कई महंगे गिफ्ट्स दिए थे। इसी आधार पर ईडी ने उन्हें इस मामले में आरोपी बनाया था।

# अक्षय के छूटे पसीने!

## वामिका गब्बी के 'बेतुके' जोक्स ने खिलाड़ी कुमार को किया परेशान

**अभिनेता** अक्षय कुमार इंडस्ट्री में अपने प्रैंक्स को लेकर काफी मशहूर हैं। उनके प्रैंक और मजाकिया लहजे को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा रहती है। अक्सर इंडस्ट्री के सेलेब्स भी उनके इस लहजे से परेशान रहते हैं, लेकिन इस बार अक्षय किसी से परेशान होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने बेतुके जोक्स से अक्षय को परेशान कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेत्री अक्षय से कुछ पंजाबी जोक्स पूछ रही हैं, और अभिनेता का रिएक्शन देखने लायक है। पहले जोक में वामिका कहती हैं, 'सर, अगर किसी की मौसी दूर रहती है तो उसे इंग्लिश में क्या कहेंगे?' इसका जवाब खुद अभिनेत्री देते हुए कहती हैं, 'फार्मेसी।' इसके बाद वामिका ने दूसरा सवाल पूछते हुए कहा, 'दो लोग बैडमिंटन खेल रहे थे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। क्यों?' जब अक्षय जवाब नहीं दे पाए तो वामिका ने बताया, 'क्योंकि वे रैकेट का इस्तेमाल कर रहे थे। फिर वामिका ने तीसरा जोक मारा - 'ऐसी जगह का नाम बताओ जहां गाना गाने की इजाजत नहीं है?' उन्होंने जवाब दिया, 'नागालैंड'। ये सुनकर अक्षय कुमार हंसते हुए बोले, 'बस करो यार।' वामिका ने इस क्लिप को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, 'प्रेमिका के पीजे पर हंसी हुई फरार, अक्षय सर बोले, 'बस करो यार।' भूत बंगला अब सिनेमाघरों में है। अपने टिकट अभी बुक करें।' ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है।

यूजर्स वामिका के जोक्स और अक्षय के रिएक्शन पर खूब हंस रहे हैं। फिल्म 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल के अलावा, राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं। हॉरर- कॉमेडी फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'भूलभुलैया' बनाई थी। यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

# जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म की रिलीज टली

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अपने एक्शन अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म का एक धमाकेदार पोस्टर रिलीज हुआ। इसमें फिल्म से जुड़ी जानकारी और बदली हुई रिलीज डेट भी मेकर्स ने साझा की है।

साउथ फिल्म 'आरआरआर' और बॉलीवुड फिल्म 'वॉर 2' में अपने एक्शन से जूनियर एनटीआर ने सबको अपना कायल बना दिया था। आगे भी उनका एक्शन अंदाज फैंस को देखने को मिलेगा। वह अपनी नई एक्शन भी फिल्म की तैयारियों में जुट गए हैं। मंगलवार को मेकर्स ने जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है। साथ ही बताया है कि यह फिल्म कब रिलीज होगी?

### एक्टर के जन्मदिन पर मिलेगी फिल्म की पहली झलक

जूनियर एनटीआर की अपकमिंग फिल्म के पोस्टर में उनका इंटेंस लुक नजर आ रहा है। साथ ही इसकी पहली झलक या टीजर दर्शकों को 20 मई को देखने को मिलेगा। यह दिन मेकर्स ने इसलिए चुना है क्योंकि इस दिन जूनियर एनटीआर का जन्मदिन होता है। इस फिल्म को प्रशांत नील निर्देशित करेंगे।

कब रिलीज होगी जूनियर एनटीआर की फिल्म?

जूनियर एनटीआर की आगामी फिल्म पहले 25 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह टल गई है। जूनियर एनटीआर की फिल्म की नई रिलीज डेट भी मेकर्स ने शेयर की है। अब यह फिल्म अगले साल तक बनकर तैयार होगी। मेकर्स ने पोस्टर पर ही 11 जून 2027 की तारीख दी है।

### फिल्म की कहानी को लेकर भी दिया हिंट

फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर जूनियर एनटीआर ने भी साझा किया है। इस पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा है, 'उसका राज, उसकी धरती।' इस एक लाइन से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह फिल्म में कोई दमदार किरदार करेंगे। साथ ही इस फिल्म में एक्शन की डबल डोज भी दर्शकों को मिल सकती है।

# सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा पर टूटा दुखों का पहाड़, दादा के निधन से टूटीं अभिनेत्री

यश राज फिल्म्स की फिल्म 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाली अनीत पड्डा एक बार फिर निर्देशक मोहित सूरी की अपकमिंग फिल्म 'सतरंगा' में अहान पांडे के साथ दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच अभिनेत्री पर दुखों का पहाड़ टूट चुका है क्योंकि जीवन के सबसे प्यारे इंसान ने उन्हें अलविदा कह दिया है। अनीत पड्डा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दादा जी के निधन की जानकारी दी है, जो काफी समय से अल्जाइमर रोग से जूझ रहे थे। अभिनेत्री ने अपने दादा के हाथ की फोटो शेयर की है और अपने इमोशन को शब्दों के जरिए जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'मेरे जीवन का एकमात्र प्यार। आप मुझसे दूर जा रहे थे, लेकिन मक्खन (अनीत का निकनेम) को नहीं भूले। आपने प्यार को थामे रखा, भले ही आप यादों को थामे नहीं रख सके। मैं दोनों को थामे रहूंगी। मैं हमारे साथ बिताए सभी पलों को संजोकर रखूंगी। मैं एक अच्छा इंसान बनूंगी। मैं आपके चुटकुले याद रखूंगी और जब भी मौका मिलेगा उन्हें दोहराऊंगी। मैं आपकी दयालुता और आपकी रोशनी को हर अंधेरे कमरे में ले जाऊंगी। मैं आपकी कहानियां याद रखूंगी और दुनिया को सुनाऊंगी। मैं आपके प्यार को थामे रहूंगी। आपने मुझे सबसे शुद्ध और सबसे निशर्त प्यार करना सिखाया।' अनीत पड्डा ने लिखा, 'आज मैंने आकाश में सबसे चमकीला तारा देखा और मैं जान गई कि आप कहां गए। मैं आपसे प्यार करती हूं दादाजी और हमेशा अपनी सीमाओं से परे करती रहूंगी। अभिनेत्री के पोस्ट से साफ है कि वे अपने दादाजी के साथ कितना लगाव रखती थीं। बता दें कि सैयारा रिलीज के समय भी अभिनेत्री के दादाजी की तबीयत खराब होने के वजह से थिएटर नहीं आ पाए थे, लेकिन फोन में कुछ वीडियो को देखकर उन्होंने अनीत को पहचान लिया था और चेहरे पर बड़ी स्माइल आ गई थी। यह पल अभिनेत्री के लिए बहुत खास रहा था।

# पहली बार इस एक्टर संग काम करेंगे सूरज बड़जात्या

'हम साथ साथ हैं', 'हम आपके हैं कौन' और 'विवाह' जैसी हिट फिल्मों के डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने अपनी अगली फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। सूरज बड़जात्या ने आखिरी फिल्म 'ऊंचाई' डायरेक्ट की थी। अब इन दिनों वे अपनी अगली फिल्म बनाने में व्यस्त हैं। फिल्म की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी डायरेक्टर ने कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर ये अपडेट शेयर किया, और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी भी दी।

### क्या है फिल्म का नाम?

सूरज बड़जात्या की अगली फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'ये प्रेम मोल लिया' रखा गया है। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की और इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया है।

### फिल्म की स्टार कास्ट

इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी लीड रोल में नजर आएंगे। अब तक इस प्रोजेक्ट की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई थी, लेकिन मंगलवार सुबह मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट दोनों अनाउंस कर दिए।

### हिमेश रेशमिया देंगे म्यूजिक

फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। राजश्री फिल्म्स इस फिल्म को महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। आने वाले हफ्तों में फिल्म से जुड़ी और जानकारी सामने आने की उम्मीद है।

# 'अब मैं बस वरुण का पापा रहूंगा'

## डेविड धवन की आखिरी फिल्म होगी 'है जवानी तो इश्क होना है'? डायरेक्टर बोले-

डेविड धवन की आने वाली फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, लेकिन इससे पहले डायरेक्टर ने बड़ा बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था। इस फिल्म को डेविड धवन ने डायरेक्ट किया है। फिल्म जल्द ही थिएटर्स में रिलीज होगी, लेकिन इससे पहले डेविड ने अपने करियर से जुड़ा एक बड़ा बयान दिया है, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में डेविड धवन ने कहा कि 'है जवानी तो इश्क होना है' फिल्म उनकी आखिरी फिल्म हो सकती है। अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि अब मुझे और फिल्में करना चाहिए।

# राजा शिवाजी' के ट्रेलर लॉन्च पर छलके रितेश के आंसू

**अभिनेता** रितेश देशमुख की बहुप्रतीक्षित पीरियड ड्रामा फिल्म 'राजा शिवाजी' का ट्रेलर सोमवार को जारी कर दिया गया। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक पीरियड ड्रामा है, जो मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ट्रेलर लॉन्च के लिए मुंबई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान फिल्म की पूरी टीम मौजूद नजर आई। इस दौरान रितेश और जेनेलिया काफी भावुक नजर आए। दोनों की आंखों में आंसू साफ नजर आ रहे थे। भावुक रितेश ने कहा, 'मैंने पहले सभी से कहा था कि अपने रुपए संभालकर रखिए। हमारे सिर पर छत्रपति शिवाजी महाराज का हाथ है। मुझे अच्छे से याद है कि स्कूल के समय एनुअल डे के दौरान बांसुरी बजाई थी और एक राजा का रोल भी किया था। वही मेरा घर था। आज वही शिवाजी महाराज का सैनिक इस मंच पर खड़ा है। महाराज की कृपा से मुझे आप सभी की तरफ से जोरदार तालियां मिल रही हैं। चाहे मंच हो, दिवाली हो, शिव जयंती हो या कोई भी नाटक-कला का रूप हो, वह इंसान बहुत भाग्यशाली होता है जिसे कोई किरदार निभाने का मौका मिलता है। मुझे यह मौका बचपन में ही मिल गया था।' उन्होंने आगे कहा, 'जियो स्टूडियोज और ज्योति देशपांडे ने इस प्रोजेक्ट में पूरा जोर लगाया है। मैं उनका बहुत आभारी हूं। संजू सर का भी मैं दिल से शुक्रिया अदा करता हूं।' अभिनेता संजय दत्त ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'यह फिल्म बहुत खास है। रितेश मेरा छोटा भाई जैसा है। मैं खुश हूं कि हमारे पिता के समय से ही हमारा परिवार एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। इस फिल्म में काम करके मुझे बहुत अच्छा लगा। ज्योति और पूरी टीम को बहुत बहुत धन्यवाद।' अभिनेता अभिषेक बच्चन ने ट्रेलर की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'ट्रेलर देखकर मेरे रोंगटे खड़े हो गए। ज्योति, रितेश और पूरी टीम को शानदार फिल्म बनाने के लिए बधाई। इस फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि, एक भावना है।

## चरोतर में भूकंप के झटके से दहशत, आणंद समेत कई इलाकों में लोग घरों से बाहर निकले

आणंद(एजेंसी)। गुजरात में पिछले कुछ समय से भू-स्तरीय हलचलों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसी बीच आज आणंद जिले के चरोतर में आए भूकंप के झटकों ने लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया। शाम के समय आणंद और आसपास के क्षेत्रों में धरती हिलने से लोग घबरा गए। सावधानी के तौर पर कई लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर खुले मैदानों में एकत्र हो गए। हालांकि अब तक किसी बड़े नुकसान की सूचना सामने नहीं आई है, लेकिन लोगों में डर का माहौल अभी भी बना हुआ है। गांधीनगर स्थित सिस्मोलॉजी रिसर्च सेंटर (आईएसआर) के अनुसार, आज शाम 4:35 बजे आणंद और उसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके दर्ज किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र आणंद से लगभग 36 किलोमीटर दूर बताया गया है। गौरतलब है कि हाल के दिनों में गुजरात में आए हल्के भूकंप के झटकों ने स्थानीय लोगों में चिंता और घबराहट बढ़ा दी है। राहत की बात यह है कि इस बार भी झटका हल्का होने के कारण किसी प्रकार की जनहानि या बड़े नुकसान की खबर नहीं है। हालांकि अचानक आए इन झटकों से लोगों में कुछ समय के लिए भय का माहौल जरूर बना रहा।

## ऑनलाइन गेम से शुरू हुआ प्यार, शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केरल से आरोपी गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। शहर के पुना क्षेत्र की एक युवती ऑनलाइन गेम फ्री फायर और पबजी खेलने की शौकीन थी। गेम खेलने के दौरान उसकी पहचान केरल निवासी हिशाम मुनीर नामक युवक से हुई। खेल के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाया। प्रेम संबंध बनने के बाद युवती केरल में पीजी में रहने चली गई। इस दौरान आरोपी हिशाम मुनीर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लगातार शोषण के कारण युवती गर्भवती हो गई। जब युवती ने गर्भवती होने और शादी करने की बात कही, तब आरोपी ने अपना असली चेहरा दिखाते हुए उसे बेसहारा हालत में छोड़ दिया और फरार हो गया। अपने साथ हुए विश्वासघात और अन्याय के खिलाफ युवती सूरत लौट आई और पुना पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केरल निवासी आरोपी हिशाम मुनीर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

## ऑनलाइन गेम से शुरू हुआ प्यार, शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, केरल से आरोपी गिरफ्तार

सूरत (एजेंसी)। शहर के पुना क्षेत्र की एक युवती ऑनलाइन गेम फ्री फायर और पबजी खेलने की शौकीन थी। गेम खेलने के दौरान उसकी पहचान केरल निवासी हिशाम मुनीर नामक युवक से हुई। खेल के दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। आरोप है कि युवक ने युवती को प्रेमजाल में फंसाकर शादी का भरोसा दिलाया। प्रेम संबंध बनने के बाद युवती केरल में पीजी में रहने चली गई। इस दौरान आरोपी हिशाम मुनीर ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लगातार शोषण के कारण युवती गर्भवती हो गई। जब युवती ने गर्भवती होने और शादी करने की बात कही, तब आरोपी ने अपना असली चेहरा दिखाते हुए उसे बेसहारा हालत में छोड़ दिया और फरार हो गया। अपने साथ हुए विश्वासघात और अन्याय के खिलाफ युवती सूरत लौट आई और पुना पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। युवती की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केरल निवासी आरोपी हिशाम मुनीर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

## लेंसकार्ट विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईवियर कंपनी लेंसकार्ट के ड्रेस कोड को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू संगठनों से जुड़े लोग 4 दिनों से कई शहरों के लेंसकार्ट स्टोर में जाकर कर्मचारियों को तिलक लगाकर कलावा बांध रहे हैं। इस बीच बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री ने कंपनी के प्रमोटर्स से कहा, 'तू अपनी कंपनी लाहौर में खोल ले, भारत में काहे को मर रहा है? तेरो कक्का का भारत है क्या? हां! हमारे बाप का भारत है।' बीते सप्ताह सोशल मीडिया पर कंपनी का एक पॉलिसी डॉक्यूमेंट वायरल हुआ था। इसमें कर्मचारियों को बिंदी, तिलक, कलावा और बुर्का पहनने पर रोक की बात थी। हिजाब और पगड़ी को कुछ शर्तों के साथ अनुमति थी। सामाजिक कार्यकर्ता शेफाली वैद्य ने लेंसकार्ट का ड्रेस कोड को लेकर डाक्यूमेंट शेयर किया। उन्होंने कंपनी के फाउंडर से पूछा कि पीयूष बंसल, क्या आप स्पष्ट कर सकते हैं कि लेंसकार्ट में हिजाब ठीक है लेकिन बिंदी और कलावा क्यों नहीं? इसके बाद लोगों ने लेंसकार्ट को ट्रोल कर कंपनी की नीति पर सवाल उठाए। इसके बाद कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल ने 15 अप्रैल को बताया कि वायरल डॉक्यूमेंट पुराना है। यह कंपनी की मौजूदा गाइडलाइन नहीं दिखाता है। कंपनी सभी धर्मों का सम्मान करती है। देश में हमारे हजारों टीम मेंबर्स हैं, जो हर दिन अपने विश्वास और संस्कृति को गर्व के साथ अपनाते हैं।

## कर्नाटक में होमस्टे में अमेरिकी महिला के साथ रेप, दो आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के कोडागु जिले के कुट्टा गांव स्थित होमस्टे में अमेरिकी महिला के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि घटना करीब एक हफ्ते पहले हुई थी। पुलिस के अनुसार, होमस्टे में काम करने वाले एक स्टाफ को मामले में गिरफ्तार किया है। आरोपी झारखंड निवासी है। पुलिस ने होमस्टे के मालिक को भी गिरफ्तार किया है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और फिर रेप किया। जब पीड़ित महिला ने होमस्टे मालिक से शिकायत की, तब मालिक ने मामला दबाने की कोशिश की। होमस्टे मालिक ने तीन दिनों तक वाई-फाई सेवा बंद कर दी, जिससे वह किसी से संपर्क नहीं कर सकी। बाद में इंटरनेट सेवा मिलने पर वह मैसूर जाने के बहाने वहां से निकली।

# महिला आरक्षण के मुद्दे पर मायावती ने किया साफ... कार्यकर्ता किसी भी भ्रम से बचें

**लखनऊ (एजेंसी)।** बहुजन समाज पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर पार्टी का रुख एक बार फिर स्पष्ट कर कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार के भ्रम से बचने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल 2026 को पार्टी द्वारा जो आधिकारिक स्टैंड तय किया गया था, वहीं अब भी लागू है और उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने संगठन को मजबूत करने, जनाधार बढ़ाने और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

मायावती ने पोस्ट के जरिए पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पार्टी की नीतियों और दिशा-निर्देशों का पूरी ईमानदारी और निष्ठा से पालन करें। उन्होंने बताया कि वह पार्टी कार्यों के सिलसिले में दिल्ली जा रही हैं और जल्द ही वापस लौटेंगी, लेकिन इस दौरान संगठनात्मक कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से 31 मार्च 2026 को लखनऊ में हुई प्रदेश स्तरीय बैठक का जिक्र कर कहा कि उसमें संगठन को मजबूत करने, कैडर के जरिए जनाधार बढ़ाने और आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के जो निर्देश दिए गए थे, उन पर लगातार काम किया जाना चाहिए। इसके अलावा 22 फरवरी को आयोजित ऑल-इंडिया स्तर की बैठक में दिए गए निर्देशों को भी समयबद्ध तरीके से लागू करने पर जोर दिया। मायावती ने कहा कि वे जनता के बीच जाकर बीएसपी सरकार के दौरान किए गए विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी दें। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में बने कई एक्सप्रेस-वे और नोएडा में विकसित हो रहे जेवर एयरपोर्ट जैसी परियोजनाओं की रूपरेखा बीएसपी सरकार के दौरान ही तैयार की गई थी। उनका आरोप था कि तब केंद्र में रही कांग्रेस सरकार की नीतियों के कारण इन योजनाओं को पूरा होने में बाधाएं आईं।ः उन्होंने 'कानून द्वारा कानून का राज' और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की विचारधारा पर कहा कि उत्तर प्रदेश के समग्र विकास, बेहतर कानून व्यवस्था और सभी वर्गों की उन्नति के लिए बीएसपी का शासन मॉडल ही सबसे उपयुक्त है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन मुद्दों को जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर मायावती ने साफ कहा कि पार्टी इसका समर्थन करती है, लेकिन इस कानून को पूरी तरह प्रभावी बनाने के लिए सामाजिक संतुलन बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि यदि महिला आरक्षण में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग से कोटा सुनिश्चित नहीं किया गया, तब समाज के वंचित वर्गों को इसका पूरा लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला सशक्तिकरण तभी सार्थक होगा जब सभी वर्गों की महिलाओं को समान अवसर और प्रतिनिधित्व मिले। महिलाओं की आबादी के अनुपात को ध्यान में रखते हुए उन्हें पर्याप्त हिस्सेदारी मिलनी चाहिए और कमजोर वर्गों की महिलाओं के हितों की विशेष सुरक्षा भी जरूरी है।

## यासीन मलिक को मौत की सजा देने की एनआईए की मांग वाली याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को मौत की सजा देने की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई टली है। अब मामले में 21 जुलाई को सुनवाई होगी। दिल्ली हाईकोर्ट में मलिक की ओर से दाखिल जवाब पर एनआईए ने भी अपना जवाब दाखिल किया। साथ ही कहा कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में चल रहे सबरीमाला मामले में व्यस्त हैं, इसकारण सुनवाई टाल दी जाए। दिल्ली हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई तय कर एनआईए के जवाब की कॉपी यासीन मलिक को देने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि कि पूरा मामला 2017 के टेरर फंडिंग केस से जुड़ा है, इसमें मलिक पर हवाला, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से फंडिंग और जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने के आरोप हैं। मलिक को पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने 24 मई 2022 को दोषी करार देकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद एनआईए ने 2023 में फैसले को चुनौती दी थी। एनआईए ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मलिक को मौत की सजा देने की मांग की है। एनआईए का दावा है कि मलिक ने 1990 के दशक में कई हत्याओं और अपहरणों में भूमिका निभाई, जिसमें वायुसेना के चार अधिकारियों की हत्या भी शामिल है। जांच एजेंसी ने सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का हवाला देकर कहा कि इसतरह के मामले रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी में आते हैं और मलिक को मौत की सजा मिलनी चाहिए। वहीं, अलगाववादी नेता मलिक ने दिल्ली हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर कहा था कि 1990 के बाद से केंद्र में सत्ता में रही छह सरकारों ने कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए मुझसे बात की थी। इसमें वी.पी. सिंह, चंद्रशेखर, पी.वी. नरसिम्हा राव, एच.डी. देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारें शामिल हैं।

## देश में बढ़ रहा तापमान, मध्यप्रदेश समेत कई राज्यों में लू का अलर्ट जारी

**-जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी और चल सकती हैं तेज हवाएं**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ सकता है पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में लू चलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिण भारत के कई इलाकों में गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र, कोंकण, गोवा, गुजरात और केरल में भी चिपचिपाने वाली गर्मी पड़ेगी। कुछ जगहों पर रात में भी गर्मी बनी रहने के आसार हैं, जिससे लोगों को राहत कम मिलेगी।

मौसम विभाग का कहना है कि इस बार सामान्य से ज्यादा दिन लू चल सकती है। खासतौर पर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, पूर्वी तट और पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर जा सकता है। गर्मी से बचाव के लिए विभाग लगातार अलर्ट जारी कर रहा है। खासकर बाहर काम करने वाले लोगों जैसे रेहड़ी-पटरी वाले और खेतों में काम करने वाले मजदूरों को मोबाइल और अन्य माध्यमों से जानकारी दी जा रही है, ताकि वे सावधानी बरत सकें। जहां एक तरफ गर्मी बढ़ रही है, वहीं देश के कुछ हिस्सों में मौसम बदलने के संकेत भी हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बारिश या बर्फबारी के साथ गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मणिपुर में भी आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं, जिससे थोड़ी राहत मिल सकती है।

दिल्ली में आने वाले दिनों में गर्मी और तेज होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री बढ़ सकता है, जिससे हीटवेव जैसे हालात बनेंगे। इस दौरान तापमान सामान्य से ऊपर या काफी ज्यादा रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय धूप में कम निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है।

# मई में नॉर्वे, नीदरलैंड और इटली यात्रा पर जाएंगे पीएम मोदी, शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

### दौरे का उद्देश्य यूरोपीय संघ के साथ व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** पीएम नरेंद्र मोदी मई के मध्य में यूरोप की एक सप्ताह की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य यूरोपीय संघ के साथ व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करना और महाद्वीप के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी को नई दिशा देना है। इस यात्रा में पीएम मोदी कई विदेश दौरे करेंगे। वे नॉर्वे, नीदरलैंड और इटली भी जाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी की यात्रा का एक प्रमुख पड़ाव नॉर्वे की राजधानी ओस्लो होगा, जहां वे तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इस सम्मेलन में स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैंड और आइसलैंड के नेता भी शामिल होंगे। इससे पहले यह सम्मेलन 2018 में स्टॉकहोम और 2022 में कोपेनहेगन में हो चुका है। नॉर्वे यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ का एक अहम सदस्य है। अक्टूबर 2025 में लागू हुए भारत-ईएफटीए व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते के बाद इस दौरे की अहमियत काफी बढ़ गई है।

इस समझौते के तहत ईएफटीए देशों ने अगले 15 सालों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जिससे देश में करीब 10 लाख नए रोजगार पैदा होंगे। साथ ही इससे कपड़ा, चमड़ा और खाद्य उत्पादों के क्षेत्र में भारतीय निर्यातकों के लिए नए बाजार खुलेंगे। ओस्लो में होने वाली द्विपक्षीय वार्ताओं में हरित ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन, ब्लू इकॉनमी, इनोवेशन, डिजिटलीकरण और आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग पर विस्तार से चर्चा होगी।

ओस्लो के बाद पीएम मोदी नीदरलैंड जाएंगे। यहां उनकी पिछली यात्रा 2017 में हुई थी। द हेग जल प्रबंधन, कृषि, तकनीक और आतंकवाद विरोधी प्रयासों में भारत का एक प्रमुख भागीदार रहा है। पिछले साल कुछ कारणों से टल गए कार्यक्रमों और बैठकों की तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके। पीएम मोदी के कार्यक्रम में इटली भी शामिल है। यह उनकी इटली की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। हालांकि वे 2021 में जी20 शिखर सम्मेलन और 2024 में जी7 आउटरीच के लिए रोम जा चुके हैं। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी के साथ उनकी चर्चा का मुख्य केंद्र रक्षा, ऊर्जा और निवेश से जुड़े मुद्दे होंगे। इस बात की भी संभावना है कि पीएम मोदी वेटिकन सिटी का दौरा करें और ईसाई धर्मगुरु पोप से मुलाकात कर सकते हैं।

इस दौरे से एफटीए को तेजी से लागू करने, सप्लाई चेन को विविधतापूर्ण बनाने और स्वच्छ तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में मदद मिलेगी। यूरोप के साथ इस सघन कूटनीति के क्रम में,

पीएम मोदी जून के महीने में फ्रांस भी जाएंगे, जहां वे जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। भारत को 2019 से लगातार इस प्रभावशाली समूह के आउटरीच कार्यक्रमों में आमंत्रित किया जाता रहा है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते कद को दर्शाता है।

## सबरीमाला मंदिर मामले की सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस वीबी नागरत्ना ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए। दो संप्रदायों में बांटना नहीं चाहिए। वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते। यह सोच सही नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर को दूसरों के लिए नहीं खोलता, तब वहां कमजोर हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के वकील राकेश द्विवेदी की उस बात पर कही, जिसमें कहा गया था कि जहां एक संप्रदाय को दूसरे संप्रदाय के मंदिर में पूजा करने से रोका जा रहा है, जबकि वे वहां जाते भी नहीं। यदि वे जाना चाहें, तब क्या इस काम को सामाजिक सुधार के तहत सही ठहराया जा सकता है। अगर राज्य चाहे कि अन्य संप्रदायों के लोगों को भी अनुमति दी जाए, तब वह सुधार के रूप में कानून बना सकता है। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया।

# चार धामों में व्यापार करने की सिर्फ सनातनी को ही अनुमति दी जाए: टी राजा

**-कालसी के हरिपुर को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जाए**

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरु हो गई है। 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री के बाद केदारनाथ धाम के कपाट खुल चुके हैं। 23 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे। हैदराबाद विधायक टी राजा सिंह ने भी चारधाम यात्रा शुरू कर दी है। इससे पहले देहरादून में उन्होंने कहा कि चारों धाम की पवित्रता को बनाए रखने के लिए इन धामों में व्यापार करने के लिए सिर्फ सनातनी को ही अनुमति दी जानी चाहिए, जिससे धामों में थूक जिहाद और व्यापार जिहाद की घटनाएं न हों।

हैदराबाद के गोशामहल से विधायक टी राजा ने यह बात जौनसार बावर के प्रवेश द्वार हरिपुर स्थित यमुना हरिघाट से चारधाम यात्रा की शुरुआत के दौरान कही। उन्होंने हरिपुर में यमुना पर हरिघाट के निर्माण के लिए उत्तराखंड सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि इससे हरिपुर कस्बे को उसका पुराना वैभव मिलेगा। विधायक ने कहा कि हरिद्वार और चारधाम में गैर-हिंदुओं को प्रतिबंधित करना उत्तराखंड सरकार का सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि कालसी के हरिपुर को हरिद्वार की तर्ज पर विकसित किया जाए। मान्यता है कि पूर्व में चार धाम यात्रा की शुरुआत हरिपुर के यमुना घाट से ही होती थी, जो किसी कालखंड में बंद हो गई थी, लेकिन अब घाट के बनने से यह दोबारा शुरू हो सकती है जिससे यहां के विकास के साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

चारधाम यात्रा में पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों को आवाजाही में होने वाली दिक्कतों को देखते हुए परिवहन विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। आरटीओ प्रशासन ने रोटेशन से जुड़ी बस कंपनियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने बेड़े की 40 फीसदी बसों का संचालन लोकल रूटों पर करें। चारधाम यात्रा के पीक सीजन में बस कंपनियां अधिकांश बसें यात्रा रूटों पर लगा देती हैं, जिससे ग्रामीण रूटों पर परिवहन सेवा ठप हो जाती है। आरटीओ प्रशासन ने बताया कि रोटेशन से जुड़ी सभी बस कंपनियों को निर्देशित किया गया है कि गांवों के रूटों पर समय पर बस सेवा मिले।

चारधाम यात्रा के मद्देनजर चमोली पुलिस की ओर से बदरीनाथ धाम में सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद कर दिया गया है। सभी प्रवेश मार्गों, प्रमुख स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के जरिए सतत निगरानी रखी जा रही है तथा नियमित चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं।

# बंगाल चुनाव में महिला मतदाता इस बार ममता सरकार का बुरा हाल करने वाली : सैनी

### इंडिया गठबंधन को प्रियंका गांधी वाड्रा ही चला सकती

**गुरुग्राम(एजेंसी)।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुग्राम में बयान देकर पश्चिम बंगाल की राजनीति और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधकर कहा कि आगामी चुनावों में राज्य की जनता उनका ÷बहुत बुरा हाल÷ करने वाली है। सीएम सैनी के अनुसार, बंगाल की महिला मतदाता ऐसी सरकार चाहती हैं जो उन्हें सम्मान और 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करे, जबकि उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार इस दिशा में काम करने को इच्छुक नहीं है। सीएम सैनी ने कांग्रेस पर भी तीखा प्रहार किया और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी को 'निराशा का प्रतीक÷ बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास देश को विकसित बनाने के लिए दशकों का समय था, लेकिन कांग्रेस वहां स्वर्णिम मौका गंवा दिया गया। उनके अनुसार, आज कांग्रेस के पास न ठोस मुद्दे हैं और न ही व्यापक जनसमर्थन, जिसके कारण वह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति तक सीमित होकर रह गई है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना कर सीएम सैनी ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण को केंद्र सरकार की प्रमुख उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, खेलों में बेटियों की सफलता, सेना में महिलाओं की भागीदारी और विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं परिवर्तन का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि शौचालय निर्माण और आवास योजनाओं के माध्यम से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है। गुरुग्राम में आयोजित हरियाणा कैबिनेट बैठक में 27 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने का निर्णय लिया गया। इस सत्र में ÷हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज बिल, 2026' पेश किया जाएगा। साथ ही, 'नारी शक्ति वंदन' से जुड़े मुद्दे पर विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की संभावना भी जाहिर की गई है।

वहीं अपने संबोधन के अंत में सीएम सैनी ने 22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमला को याद करते हुए पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश इस तरह के कायरतापूर्ण हमलों को कभी नहीं भूलेगा और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर मजबूती से खड़ा रहेगा।

# उम्मीदवार बटन पर रंग, स्याही, परफ्यूम, केमिकल लगाना या छिपाना अपराध

### ईवीएम बटनों से छेड़छाड़ रोकने चुनाव आयोग ने जारी किए कड़े निर्देश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कोलकाता,(ईएमएस)। भारत के चुनाव आयोग ने विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मतदान केंद्रों पर तैनात पीठासीन अधिकारियों को कई कड़े निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश मुख्य रूप से ईवीएम के बटनों के साथ होने वाली छेड़छाड़ को रोकने और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने दिए गए हैं। ये हैं ईवीएम बटनों से छेड़छाड़ रोकने के लिए सख्त नियम जिसमें बैलट यूनिट पर लगे हर उम्मीदवार के बटन पूरी तरह से खुलकर और साफ-साफ दिखाई देने चाहिए। किसी भी बटन को टेप, गोंद, चिपकने वाले पदार्थ या किसी अन्य सामग्री से ढकना या छिपाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

आयोग का कहना है कि मतदाता को अपना वोट डालने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए और यह तय होना चाहिए कि कोई भी बटन जानबूझकर छिपाकर मतदान को प्रभावित न किया जाए।

बैलट यूनिट के उम्मीदवार बटन पर किसी भी प्रकार का रंग, स्याही, परफ्यूम, केमिकल या अन्य कोई पदार्थ लगाना निषिद्ध है। ऐसा करने का उद्देश्य वोट की गोपनीयता भंग करना हो सकता है, इसलिए इसे गंभीरता से लिया जाएगा। कभी-कभी कुछ लोग बटन पर ऐसे पदार्थ लगाकर बाद में पता लगाने की कोशिश करते हैं कि किस बटन को दबाया गया था, जिससे मतदान की गोपनीयता खतरे में पड़ जाती है। आयोग इसे वोट की पवित्रता पर हमला मानता है।

यदि प्रिसाइडिंग अधिकारी को मतदान केंद्र पर ऊपर बताई गई कोई भी बात नजर आए, जैसे बटन ढका हुआ हो या उस पर कोई पदार्थ लगा हो तो उन्हें तुरंत सेक्टर अधिकारी या रिटर्निंग अधिकारी को सूचित करना होगा। आयोग ने साफ कहा कि ऐसे सभी मामले को ईवीएम से छेड़छाड़ माना जाएगा जो चुनावी अपराध है। आयोग ने चेतावनी दी है कि वह ऐसे दोषियों के खिलाफ सख्त फौजदारी कार्रवाई करने में बिल्कुल नहीं हिचकेगा।

पीठासीन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि यदि उन्हें मतदान केंद्र पर ऐसी किसी भी संदिग्ध घटना का पता चलता है, तो वे बिना देरी किए संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को इसकी सूचना दें। यदि किसी बूथ पर ऐसी घटना की पुष्टि होती है, तो आयोग वहां पुनर्मतदान का आदेश भी दे सकता है। चुनाव आयोग के ये निर्देश पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में होने वाले मतदान से ठीक पहले लागू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में गुरुवार 23 अप्रैल को मतदान होगा। बंगाल में दो चरणों में चुनाव हो रहा है। दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा।

वहीं केरल, पुडुचेरी और असम में इस महीने की शुरुआत में ही मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इन सभी राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए

जाएंगे। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि चुनाव संपन्न कराने में लगे किसी भी अधिकारी की ओर से यदि कोई लापरवाही, कदाचार, पक्षपात या विफलता पाई जाती है तो इसे बेहद गंभीरता से लिया जाएगा। चूक की गंभीरता के आधार पर कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )